@Qpatrika   @qaumipatrika hindi   instagram.com/qaumipatrika

कौमी पत्रिका
राष्ट्रीय दैनिक अखबार

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित
रविवार, 13 जुलाई 2025

VISIT:
www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक - गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 18 अंक 243 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

16वां रोजगार मेला: पीएम मोदी ने 51 हजार युवाओं को बांटे जॉब लेटर, कहा- भारत की युवा शक्ति की गूंज मुझे विदेशों में भी सुनाई दी

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को देशभर में आयोजित 16वें रोजगार मेले में 51 हजार से अधिक युवाओं को नियुक्ति पत्र वितरित किए। कार्यक्रम में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए जुड़े पीएम मोदी ने कहा कि भारत की युवा शक्ति की गूंज मुझे विदेशों में सुनाई दी है। रोजगार मेले का आयोजन देश के 47 अलग-अलग स्थानों पर किया गया।

कार्यक्रम के दौरान अपने संबोधन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, कि आपका सामर्थ्य भारत के भविष्य की गारंटी है। कार्य कोई भी हो, स्थान कोई भी हो, हमारा एक ही लक्ष्य है- राष्ट्र सेवा और नागरिक सेवा। इसी दौरान पीएम मोदी ने अपनी हाल की पांच देशों की यात्रा का जिक्र करते हुए कहा, कि दो दिन पहले ही पांच देशों की यात्रा से लौट कर आया हूं। हर देश में भारत की युवा शक्ति की गूंज सुनाई दी है। उन्होंने कहा कि इस यात्रा के दौरान जो भी समझौते हुए, उनसे युवाओं को लाभ होना ही है। कार्य, क्षेत्र और पद कोई भी हो लेकिन, एक ही ध्येय राष्ट्र सेवा का है। इसी के साथ पीएम मोदी ने नौकरी पाने वाले युवाओं को सेवा का मूल मंत्र देते हुए इस नई यात्रा के लिए शुभकामनाएं दीं।

प्रधानमंत्री मोदी ने अपने संबोधन में कहा, कि भारत की अर्थव्यवस्था आज दुनिया में तेज़ी से आगे बढ़ रही है और इसका श्रेय देश के नौजवानों को जाता है। उन्होंने मिशन मेन्युफैक्चरिंग और पीएलआई से रोजगार बनने की बात कही और बताया कि मेन्युफैक्चरिंग सेक्टर में हुए विस्तार और प्रोडक्शन लिंक्ड इंसेंटिव (पीएलआई) योजना से 11 लाख नौकरियों का सृजन हुआ। मोबाइल मैन्युफैक्चरिंग यूनिट्स की संख्या 300 तक पहुंच चुकी है। इसी के साथ भारत का डिफेंस प्रोडक्शन 1.25 लाख करोड़ से ऊपर जा चुका है और देश अब सबसे ज्यादा लोकोमोटिव बनाने वाला देश बन गया है।

गरीबी से बाहर निकले 25 करोड़ लोग

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि सरकारी योजनाओं की बदौलत 25 करोड़ लोग गरीबी रेखा से बाहर निकले हैं। वर्ल्ड बैंक जैसे अंतरराष्ट्रीय संगठन भारत की इस प्रगति को मॉडल मानते हैं। उन्होंने कहा कि पीएम आवास योजना के अंतर्गत अब तक 4 करोड़ से अधिक पक्के घर बने हैं, जिससे मिस्त्री, मज़दूर, ट्रांसपोर्ट और सप्लाई चेन से जुड़े लाखों लोगों को रोजगार मिला है। ग्रामीण इलाकों में अधिकतर नौकरियां सृजित हो रही हैं।

अब तक 9.73 लाख से अधिक को मिला रोजगार

प्रधानमंत्री मोदी द्वारा 22 अक्टूबर 2022 को शुरू किए गए रोजगार मेले के पहले चरण से अब तक 9.73 लाख युवाओं को सरकारी नौकरियां दी जा चुकी हैं। पिछला मेला 26 अप्रैल 2025 को हुआ था, जबकि 12 फरवरी 2024 को 12वें मेले में 1 लाख से ज्यादा जॉब लेटर वितरित किए गए थे। रोजगार मेला केंद्र सरकार की एक पहल है जिसका उद्देश्य युवाओं को समयबद्ध तरीके से सरकारी सेवाओं से जोड़ना है। पहले चरण से अब तक आयोजित मेलों के माध्यम से केंद्र सरकार विभिन्न विभागों में नियुक्तियों की प्रक्रिया को तेज़ी से आगे बढ़ा रही है।

1.18 करोड़ के इनामी 23 नक्सलियों ने किया आत्मसमर्पण, नक्सल उन्मूलन अभियान को मिली बड़ी सफलता

सुकमा (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ के सुकमा जिले में पुलिस और प्रशासन को आज नक्सल उन्मूलन अभियान में बड़ी कामयाबी मिली है। कुल 1 करोड़ 18 लाख रुपये के इनामी 23 नक्सलियों ने आत्मसमर्पण कर मुख्यधारा से जुड़ने का फैसला लिया है। आत्मसमर्पण करने वालों में कई कुख्यात हार्डकोर नक्सली भी शामिल हैं, जो वर्षों से सुरक्षा बलों के लिए चुनौती बने हुए थे। पुलिस के मुताबिक, आत्मसमर्पित नक्सलियों में 1 डीवीसीएम (डिविजनल कमेटी सदस्य), 6 पीपीसीएम (प्रोटेक्शन प्लाटून कमांडर), 4 एसीएम (एरिया कमेटी मेंबर) और 12 सक्रिय पार्टी सदस्य शामिल हैं। आत्मसमर्पण करने वालों में 9 महिलाएं और 14 पुरुष शामिल हैं, जिनमें तीन नक्सली दंपत्ति भी हैं। बताया गया है कि आत्मसमर्पित नक्सली राज्य सरकार की छत्तीसगढ़ नक्सलवादी आत्मसमर्पण एवं पुनर्वास नीति और नियद नेल्ला नार योजना से प्रभावित हुए हैं। इसके अलावा सुदूर इलाकों में सुरक्षा बलों की मजबूत उपस्थिति, नए सुरक्षा कैंपों की स्थापना और लगातार बढ़ते दबाव के चलते नक्सलियों ने आत्मसमर्पण करने का निर्णय लिया। सरकार द्वारा जिन नक्सलियों पर इनाम घोषित था, उनका विवरण इस प्रकार है: 11 नक्सलियों पर रु. 8-8 लाख का इनाम, 4 नक्सलियों पर रु. 5-5 लाख का इनाम, 1 नक्सली पर रु. 3 लाख का इनाम7 नक्सलियों पर रु. 1-1 लाख का इनाम इस तरह कुल घोषित इनामी राशि रु. 1.18 करोड़ रही, जो अब तक के सबसे बड़ी आत्मसमर्पण घटनाओं में से एक मानी जा रही है।

आतंकी पन्नू की कपिल शर्मा को धमकी

अमृतसर (एजेंसी)। खालिस्तान आतंकी गुरपतवंत सिंह पन्नू ने कॉमेडियन कपिल शर्मा को कनाडा में कैफे खोलने पर धमकी दी है। पन्नू ने वीडियो जारी करके कहा कि कपिल खुद को हिंदूवादी बताता है। उसके कैफे पर फिर गोलियां चलाई जा सकती हैं और खालिस्तानी समर्थकों पर आरोप लगाए जा सकते हैं। पन्नू ने कहा कि भारत के लोग कनाडा के सर्रे शहर में निवेश कर रहे हैं। क्या कपिल का कैफे सिर्फ एक कॉमेडी कैफे है या हिंदुत्व का वैश्विक विस्तार करने की एक रणनीति का हिस्सा है? ये लोग कनाडा में बिजनेस कर रहे हैं, भारत में क्यों नहीं? जब वो कनाडा के कानून को नहीं मानते तो यहां क्यों आ रहे हैं, ये कोई खेल का मैदान नहीं है। अपना पैसा लेकर वापस हिंदुस्तान जाओ। यहां हिंदुत्व विचारधारा नहीं चलेगी।

चार मंजिला इमारत ढही, 2 की मौत

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के वेलकम इलाके में शनिवार सुबह चार मंजिला इमारत ढह गई। हादसे में दो लोगों की मौत हो गई जबकि एक साल के बच्चे समेत आठ लोग घायल हो गए। बिल्डिंग में 10 लोगों का एक परिवार रहता था। इमारत के सामने वाले घर में रहने वाले अनीस अहमद अंसारी ने बताया कि जैसे ही इमारत गिरी, उसका मलबा हमारे घर पर आ गिरा। इस वजह से मैं भी घायल हो गया। एक अधिकारी ने बताया कि सुबह 7 बजे सीलमपुर में ईदगाह रोड के पास जनता कॉलोनी की गली नंबर 5 में इमारत गिरने की सूचना मिली थी।

यूट्यूब कर रहा बदलाव, अब कंटेंट ओरिजनल और वास्तविक होना चाहिए

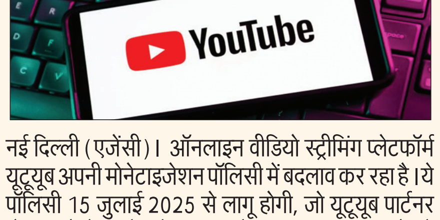

नई दिल्ली (एजेंसी)। ऑनलाइन वीडियो स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म यूट्यूब अपनी मोनेटाइजेशन पॉलिसी में बदलाव कर रहा है। ये पॉलिसी 15 जुलाई 2025 से लागू होगी, जो यूट्यूब पार्टनर प्रोग्राम को लेकर है। मौजूदा वक्त में अगर आप यूट्यूब खोलते हैं, तब आपको एक जैसे ही कंटेंट दिखते हैं, इनसे निपटने के लिए यूट्यूब ये अपडेट ला रहा है। 15 जुलाई 2025 से यूट्यूब अपने पार्टनर प्रोग्राम रूल को कड़ा कर रहा है। नए नियमों के तहत मास प्रोड्यूस्ड, रिपिटेटिव और इनऑथेंटिक कंटेंट्स का एड रेवेन्यू कम होगा। हालांकि, कंपनी ने किसी चैनल को मोनेटाइजेशन करने की शर्तों को नहीं बदला है। यानी चैनल मोनेटाइज कराने के लिए आपके पास 1000 से ज्यादा सब्सक्राइबर्स होने चाहिए। इसके अलावा चैनल पर 12 महीनों में 4000 पब्लिक वॉच आवर होने चाहिए या फिर 1 करोड़ शॉर्ट्स व्यू 90 दिनों में आने चाहिए। हालांकि, अब शर्त सिर्फ इतनी नहीं रहेगी, बल्कि आपका कंटेंट ओरिजनल और वास्तविक होना चाहिए। यूट्यूब ये अपडेट स्पैम और एआई कंटेंट की संख्या को कम करने और ओरिजनल कंटेंट को बढ़ावा देने के लिए लेकर आ रहा है। इस क्रिएटर्स जो इस अपडेट को मिस करते हैं, उन्हें डिमोनेटाइजेशन का सामना करना पड़ सकता है। एआई तकनीक की एंट्री के साथ ही यूट्यूब पर इसतरह के कंटेंट्स की बाढ़ सी आ गई है। कंपनी के हिसाब से इन लो-क्वालिटी मीडिया या कंटेंट को एआई की मदद से जनरेट किया जा रहा है। उदाहरण के लिए किसी फोटो पर आपको आसानी से एक एआई वॉयसओवर मिल जाएगा या फिर किसी वीडियो क्लिप पर एआई वॉयसओवर टाइप का कंटेंट आपको यूट्यूब पर मिल जाएगा।

तारों के जाल से मुक्ति की ओर राजधानी दिल्ली: रेखा गुप्ता

कौमी पत्रिका
सिम्मी कौर बब्बर

नई दिल्ली, 12 जुलाई। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने आजशालीमार बाग विधानसभा के बीएच (पूर्व) ब्लॉक मेंबिजली की ऊपरी तारों को भूमिगत (अंडरग्राउंड) करनेके पहले पायलट प्रोजेक्ट का विधिवत शुभारंभ कियागया। मुख्यमंत्री ने बताया कि इस महत्त्वाकांक्षीपरियोजना को लगभग तीन महीने की अवधि में पूराकिया जाएगा। इस परिवार लाभान्वित होंगे और क्षेत्रकी दृश्य छवि भी बेहतर होगी। 8.07 करोड़ रुपये कीलागत वाली इस परियोजना के अंतर्गत 5 किलोमीटरलंबे ॥ञ्ज और स्ञ्ज ओवरहेड तारों को हटाकर 10 किलोमीटर भूमिगत स्ञ्ज (440ङ्क) और 1.2 किलोमीटर ॥ञ्ज (11चङ्क) नेटवर्क बिछाया जाएगा। इसके साथ ही23 नए डबल सोर्स फीडर पिलर बॉक्स लगाए जाएंगे, जो बिजली आपूर्ति को अधिक विश्वसनीय बनाएंगे। क्षेत्र में नई स्ट्रीट लाइटों के लिए त्नढ्ढ ऑक्टागोनल पोलऔर ष्टष्टरूस् स्विच लगाए जाएंगे,

कार्य से न केवल दिल्ली की सौंदर्यछवि को निखारा जाएगा, बल्कि नागरिकों की सुरक्षाको भी सुनिश्चित किया जाएगा। इस विशेष कार्यक्रममें ऊर्जा मंत्री श्री आशीष सूद भी मौजूद थे। परियोजना के बारे में जानकारी देते हुए मुख्यमंत्री नेबताया कि मुख्यमंत्री ने बताया कि इस योजना सेशालीमार बाग के बीएच ब्लॉक जनता फ्लैट्स में रहनेवाले लगभग 5500 जिससे रात मेंरोशनी की गुणवत्ता में सुधार होगा। इस पूरी योजना केकार्यान्वयन के बाद नागरिकों को हर मौसम में निर्बाध24×7 बिजली आपूर्ति सुनिश्चित की जा सकेगी। मुख्यमंत्री ने बताया कि आज शुरू किया गया यह कार्य, जिसमें ओवरहेड वायरिंग को भूमिगत किया जा रहा है, दिल्ली के लिए एक पायलट प्रोजेक्ट है।

केरल में बीजेपी मुख्यालय का उद्घाटन कर शाह ने भरी हुंकार... विकसित केरल अब बीजेपी का मिशन

विकसित भारत का मार्ग विकसित केरल से होकर जाता

तिरुवनंतपुरम, (एजेंसी)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने केरल की राजधानी तिरुवनंतपुरम में भाजपा की केरल इकाई के मुख्यालय का उद्घाटन किया। केरल भाजपा अध्यक्ष राजीव चंद्रशेखर भी इस मौके पर मौजूद रहे। इस दौरान केंद्रीय मंत्री और बीजेपी के चाणक्य शाह ने कहा कि केरल एक पवित्र भूमि है, क्योंकि यहीं श्री आदि शंकराचार्य जैसी महान आत्मा का जन्म हुआ था। आज, मैं श्री आदि शंकराचार्य की पुण्य आत्मा को नमन करता हूँ। आज केरल में भाजपा कार्यालय का उद्घाटन कर मैं उन सभी पार्टी कार्यकर्ताओं के बलिदान को याद कर रहा हूँ जिन्होंने अपनी लगन और निष्ठा से हमारी पार्टी की विचारधारा को आगे बढ़ाया है। मैं उनके बलिदान को नमन करता हूँ।

शाह ने कहा कि भाजपा ने कार्यकर्ता सम्मेलन को अन्य राजनीतिक दलों के सार्वजनिक सम्मेलनों जितना ही बड़ा बना दिया है और यह केरल में भाजपा के भविष्य का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि केरल के विकास के लिए प्रधानमंत्री मोदी के तीन मुख्य दृष्टिकोण हैं, भ्रष्टाचार रहित शासन, सरकारी योजनाओं में कोई भेदभाव नहीं और राजनीतिक लाभ से परे केरल का विकास होगा। उन्होंने कहा कि भाजपा और माकपा दोनों ही कैडर-आधारित पार्टियाँ हैं, लेकिन दोनों ही दलों में एक बड़ा अंतर है। केरल में कैडर कल्याण राज्य के विकास से बड़ा है, जबकि भाजपा के लिए कैडर से ऊपर विकसित केरलम है।

शाह ने कहा कि विकसित भारत का मार्ग विकसित केरल से होकर जाता है। शक्तिशाली दक्षिणी राज्यों के विकास के बिना, एक विकसित भारत संभव नहीं हो सकता है। विकसित केरल अब भारतीय जनता पार्टी का मिशन बन गया है। शाह ने इस साल होने वाले स्थानीय निकाय चुनावों और अगले साल होने वाले विधानसभा चुनाव के लिए पार्टी के अभियान की शुरुआत करने से पहले शनिवार को तिरुवनंतपुरम में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की प्रदेश समिति के नए कार्यालय मराजी भवन का उद्घाटन किया।

शाह ने पार्टी का झंडा फहराया, भवन के सामने एक पौधा लगाया और परिसर में प्रवेश करने के लिए रिबन काटा तथा नए कार्यालय के आधिकारिक उद्घाटन के अवसर पर पारंपरिक दीप प्रज्वलित किया। शुक्रवार देर रात केरल पहुंचे केंद्रीय गृह मंत्री ने भाजपा की केरल इकाई के पूर्व अध्यक्ष दिवंगत के जी मरार की कांस्य प्रतिमा पर भी पुष्पांजलि अर्पित की, जिसे नए भवन के केंद्रीय कक्ष में स्थापित किया गया है।

राहुल ने चुनाव आयोग को भाजपा का विंग बताने पर भड़के धर्मेंद्र प्रधान

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी के लिए नाच न जाने आंगन टेढ़ा कहावत का उपयोग किया है। कांग्रेस सांसद और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने शुक्रवार को ओडिशा की राजधानी भुवनेश्वर में संविधान बचाओ सम्मेलन को संबोधित करते हुए चुनाव आयोग पर गंभीर आरोप लगाए। इस पर भाजपा नेता और केंद्रीय मंत्री प्रधान भड़क उठे। राहुल ने रैली में कहा कि चुनाव आयोग (ईसीआई) अब भाजपा का एक विंग बन चुका है और बिहार में भी महाराष्ट्र जैसी चुनाव चोरी की साजिश रची जा रही है। इस पर केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने उन पर करारा हमला बोला है। प्रधान ने कांग्रेस की भुवनेश्वर रैली को राजनीतिक पर्यटन करार देते हुए एक्स पर लिखा कि राहुल गांधी और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे जी द्वारा भुवनेश्वर, ओडिशा में आयोजित संविधान बचाओ रैली दरअसल कांग्रेस के शहज़ादे का एक और राजनीतिक पर्यटन था। यह संविधान बचाओ नहीं बल्कि 'राहुल गांधी और कांग्रेस बचाओ' समावेश है। ओडिशा में भाजपा की जनहितैषी सरकार के प्रति जनता का अडिग विश्वास कांग्रेस को परेशान कर रहा है। ओडिशा में कांग्रेस का कोई वजूद और अस्तित्व ही नहीं है, ओडिशा के गरीब, दलित, आदिवासी, किसान और मजदूरों ने कांग्रेस को दशकों पहले नकार दिया था। ऐसे में राहुल गांधी का ओडिशा के गरीबों के हित की बात करना छलावे के अतिरिक्त कुछ नहीं है।

अहमदाबाद विमान हादसा... जांच रिपोर्ट में खुलासा..

फ्यूल स्वीच ऑफ... दोनों इंजन बंद होने से विमान गिरा

अहमदाबाद (एजेंसी)। अहमदाबाद में दुर्घटनाग्रस्त हुए एयर इंडिया विमान के ब्लैक बाक्स की जांच में पता चला है कि विमान का फ्यूल कटआफ स्वीच बंद होने से विमान के दोनों इंजनों को ईंधन सप्लाय बंद हो गया और टेकऑफ के कुछ सेकंड ही बाद विमान की स्पीड धीमी हुई और क्रैश हो गया।

12 जून को अहमदाबाद से लंदन जा रहे विमान के दुर्घटनाग्रस्त होने के मामले में भारत के विमान दुर्घटना जांच ब्यूरो ने हादसे के कारणों की अब 15 पेज की शुरुआती रिपोर्ट जारी की। इसमें तकनीकी कारणों का खुलासा हुआ है। रिपोर्ट में बताया गया है कि उड़ान भरने के ठीक बाद दोनों इंजन के फ्यूल कटऑफ स्वीच रन से कटऑफ की स्थिति में आ गए थे, वो भी सिर्फ एक सेकंड के अंतराल में। इसके बाद दोनों इंजनों की थ्रस्ट क्षमता पूरी तरह खत्म हो गई और विमान अहमदाबाद स्थित मेडिकल कॉलेज के होस्टल पर जा गिरा।

आपातकालीन बिजली सप्लाय भी काम नहीं कर पाई

रिपोर्ट के अनुसार दोनों इंजन में रीलाइट की प्रक्रिया शुरू हुई। विमान के एक इंजन ने थोड़ी देर के लिए काम करना शुरू किया, लेकिन दूसरा इंजन पूरी तरह से स्पीड रिकवर नहीं कर पाया। इस दौरान पावर यूनिट भी ऑटोस्टार्ट मोड में सक्रिय हुआ, लेकिन वह भी विमान को स्थिर नहीं कर पाया। एयरपोर्ट के सीसीटीवी फुटेज की जांच के बाद यह सामने आया कि टेकऑफ के तुरंत बाद विमान का आपातकालीन पंखा बाहर आ गया। आमतौर पर यह तभी बाहर निकलता है, जब विमान की बिजली सप्लाई में समस्या आती है। इसका मतलब है कि इंजन बंद होने के कारण विमान की मेन पावर सप्लाई भी प्रभावित हुई थी। रैम एयर टर्बाइन एक छोटा प्रोपेलर जैसा उपकरण होता है, जो दोनों इंजन के बंद होने या पावर सप्लाई बंद होने अथवा हाइड्रोलिक विफलता पर स्वचालित रूप से तैनात हो जाता है। यह विमान को ऊंचाई बनाए रखने में मदद करता है। आरएटी आपातकालीन शक्ति उत्पन्न करने के लिए हवा की गति का उपयोग करता है।

फ्यूल कट आफ स्वीच कैसे बंद हुआ

विमान दुर्घटना में फ्यूल स्वीच बंद होने का कारण पता लगने के बाद अब जांच एजेंसियां यह पता लगाने में जुटी हैं कि फ्यूल कटआफ स्वीच कैसे बंद हुआ। कहीं इसमें फ्यूल रिफील करने वाले कर्मचारियों की गलती तो नहीं है। हालांकि वर्ष 2018 में विमान की जांच के दौरान तकनीकी विशेषज्ञों ने इस बारे में एयर इंडिया को सचेत किया था, लेकिन उन्होंने इस बात पर कोई ध्यान नहीं दिया। इस मामले की भी जांच हो सकती है।

दोनों पायलटों की चंद सेकंड की बात... एक ने दूसरे से पूछा...फ्यूल क्यों बंद किया

इस दौरान दोनों पायलटों के बीच बातचीत होती है। एक पायलट ने पूछा- आपने फ्यूल क्यों बंद कर दिया? इस पर दूसरे पायलट ने जवाब दिया- मैंने ऐसा नहीं किया। इस बातचीत के कुछ सेकंड बाद ही प्लेन की स्पीड धीमी होने लगती है और यह विमान मेडिकल कॉलेज की बिल्डिंग से जा टकराता है।

पायलट कोशिश के बाद क्रैश से नहीं बचा पाए

रिपोर्ट के मुताबिक, हादसे वाले विमान में दोनों इंजनों के फ्यूल स्विच बंद थे, जिसके बाद पायलटों ने इसे चालू किया और दोनों इंजन को दोबारा शुरू करने की कोशिश की थी। लेकिन विमान बहुत कम ऊंचाई पर था, इसलिए इंजनों को दोबारा ताकत पाने का समय नहीं मिल सका और विमान क्रैश हो गया। हालांकि ये सामने नहीं आया है कि फ्यूल स्विच बंद कैसे हुए थे। 15 पन्नों की रिपोर्ट के मुताबिक, टेकऑफ से लेकर हादसे तक की पूरी उड़ान करीब 30 सेकेंड ही चली।

14 को शुभांशु शुक्ला अंतरिक्ष से करेंगे वापसी, नासा करेगा सीधा प्रसारण

-यह ड्रैगन यान सुबह कैलिफोर्निया तट के पास सागर में करेगा लैंड

नई दिल्ली (एजेंसी)। नासा ने घोषणा की है कि वह अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) से एक्सियम मिशन-4 के वहां से धरती पर वापस आने का सीधा प्रसारण करेगा। यह मिशन एक निजी अंतरिक्ष यात्री मिशन है, जिसमें भारत के शुभांशु शुक्ला समेत चार अंतरिक्ष यात्री भी शामिल हैं। एक्सियम मिशन-4 की वापसी 14 जुलाई को सुबह 7-05 बजे अंतरिक्ष स्टेशन के हॉर्मनी मॉड्यूल के स्पेस-फेसिंग पोर्ट से स्पेसएक्स ड्रैगन स्पेसक्राफ्ट के जरिए हो सकती है। धरती में प्रवेश के बाद यह यान कैलिफोर्निया तट के पास सागर में लैंड करेगा।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक नासा की कवरेज सुबह 4-30 बजे हैच क्लोजिंग के साथ शुरू होगी और इसे नासा समेत कई सोशल मीडिया और स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म्स पर देखा जा सकेगा। 4-55 बजे चालक दल ड्रैगन यान में प्रवेश करेगा और हैच बंद की जाएगी। इसके बाद 6-45 बजे अंडॉकिंग कवरेज शुरू होगी और 7-05 बजे यान अंतरिक्ष स्टेशन से अलग होगा। प्रसारण यान के अलग होने के 30 मिनट बाद तक जारी रहेगी, जिसके बाद एक्सिओम स्पेस अपने प्लेटफॉर्म पर ड्रैगन की धरती पर वापसी और स्प्लैशडाउन का प्रसारण करेगा।

इस मिशन में शामिल अंतरिक्ष यात्रियों में पूर्व नासा अंतरिक्ष यात्री और एक्सिओम स्पेस में मानव अंतरिक्ष उड़ान की निदेशक पेगी व्हिटसन, इसरो के अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला, पोलैंड के ईएसए प्रोजेक्ट अंतरिक्ष यात्री स्लावोस उजनांस्की-विसनेव्स्की और हंगरी के हुनोर अंतरिक्ष कार्यक्रम से टिबोर कपू शामिल हैं। ये सभी अंतरिक्ष यात्री अंतरिक्ष में करीब दो सप्ताह का समय बिता चुके हैं और अब यह मिशन अपनी समाप्ति की ओर है। ड्रैगन स्पेसक्राफ्ट के जरिए अंतरिक्ष से 580 पाउंड से ज्यादा वजन का वैज्ञानिक उपकरण और डेटा वापस लाया जाएगा, जिसमें नासा के हार्डवेयर के अलावा 60 से ज्यादा वैज्ञानिक प्रयोगों से जुड़े डेटा शामिल हैं।

रिपोर्ट के मुताबिक इस मिशन की एक बड़ी विशेषता यह है कि यह नासा और इसरो के बीच सहयोग का हिस्सा है, जो अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप और भारत के पीएम नरेंद्र मोदी द्वारा की गई उस घोषणा का क्रियान्वयन है जिसमें यह वादा किया गया था कि एक भारतीय अंतरिक्ष यात्री को अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन तक भेजा जाएगा। इस अभियान के तहत दोनों अंतरिक्ष एजेंसियों ने पांच संयुक्त वैज्ञानिक प्रयोग और दो इन-ऑर्बिट एसटीईएम प्रदर्शन किए हैं।

इसके साथ ही एक्सियम मिशन-4 ने पोलैंड और हंगरी के पहले अंतरिक्ष यात्रियों को भी आईएसएस पर भेजने का रिकॉर्ड बनाया है, जिससे यह मिशन वैश्विक अंतरिक्ष सहयोग का एक ऐतिहासिक उदाहरण बन गया है।

संक्षिप्त समाचार

अर्जेंटीना के पूर्व राष्ट्रपति पर भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप

ब्यूनस आयर्स, एजेंसी। अर्जेंटीना ने पूर्व राष्ट्रपति अल्बर्टो फर्नांडीज पर भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप लगे हैं। फर्नांडीज पर उनके कार्यकाल के दौरान सार्वजनिक क्षेत्र के बीमा अनुबंध में अनियमितताओं से जुड़े आरोप लगे हैं। संघीय न्यायाधीश सेबेस्टियन कैसानेलो ने कहा कि मामला चलने तक फर्नांडीज हिरासत से बाहर रह सकते हैं। पद छोड़ने के बाद से फर्नांडीज के खिलाफ यह दूसरा मामला है, लेकिन कथित भ्रष्टाचार से जुड़ा पहला मामला है। साल 2025 की शुरुआत में, उन पर पूर्व प्रथम महिला फैबियोला यानेज के खिलाफ लैंगिक हिंसा के आरोप लगे थे।

ट्रंप प्रशासन ने जॉर्ज मेसन यूनिवर्सिटी की भर्ती प्रक्रिया पर शुरू की नागरिक अधिकारों की जांच

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रशासन ने गुरुवार को वर्जीनिया की सबसे बड़ी पब्लिक यूनिवर्सिटी जॉर्ज मेसन यूनिवर्सिटी के खिलाफ सिविल राइट्स यानी नागरिक अधिकारों की जांच शुरू कर दी है। आरोप है कि यूनिवर्सिटी डाइवर्सिटी (विविधता) को बढ़ावा देने के नाम पर भेदभाव कर रही है। शिक्षा विभाग को कुछ प्रोफेसरों ने शिकायत दी है कि यूनिवर्सिटी ने अल्पसंख्यक या कम प्रतिनिधित्व वाले वर्गों के लोगों को तरजीह दी, जबकि भर्ती में योग्यता को नजरअंदाज किया गया। शिकायत में कहा गया है कि यूनिवर्सिटी के प्रेसिडेंट ग्रेगोरी वॉशिंगटन ने भर्ती में डाइवर्सिटी को प्राथमिकता देने की गाइडलाइन जारी की, जिससे योग्य उम्मीदवारों के साथ अन्याय हुआ।

ट्रंप प्रशासन पहले से ही विविधता, समानता, समावेशन नीतियों के खिलाफ मोर्चा खोले हुए है। उनका मानना है कि इन नीतियों से श्वेत और एशियाई अमेरिकी लोगों के साथ भेदभाव होता है। इससे पहले हार्वर्ड और कोलंबिया जैसी प्राइवेट यूनिवर्सिटीज़ पर ध्यान केंद्रित था, लेकिन अब यह अभियान पब्लिक यूनिवर्सिटीज़ तक पहुंच गया है।

गाजा में भूख से तड़पते लोगों को राहत देने के लिए यूरोप और इस्राइल के बीच नया समझौता

गाजा, एजेंसी। गुरुवार को यूरोपीय यूनियन ने इज़राइल के साथ गाजा में खाने और ईंधन की आपूर्ति शुरू करने पर समझौता किया है। लेकिन इसी दिन एक इस्राइली हवाई हमले में 10 बच्चों समेत 15 लोगों की मौत हो गई, जो मदद पाने के लिए एक मेडिकल क्लिनिक के बाहर इंतजार कर रहे थे। इस घटना ने पूरी दुनिया में नाराजगी पैदा कर दी है। यूनिसेफ की प्रमुख कैथरीन रसेल ने कहा कि जीवन बचाने वाली मदद पाने की कोशिश कर रहे परिवारों की हत्या अकल्पनीय है। ये महिलाएं अपने बच्चों के लिए राहत की उम्मीद में वहां खड़ी थीं। गाजा के दीर अल बलाह शहर में एक मेडिकल क्लिनिक के बाहर सुरक्षा कैमरे की फुटेज में दिखा कि दर्जनों लोग वहां बैठे थे, तभी पास में एक धमाका हुआ और लोग जमीन पर गिर पड़े। इस्राइली सेना ने दावा किया कि उन्होंने एक आतंकी को निशाना बनाया था, जो क्लिनिक के पास मौजूद था।

धर्मगुरु दलाई लामा के जन्मदिन पर जर्मनी में उत्सव

लंदन, एजेंसी। तिब्बती धर्मगुरु दलाई लामा का 90वां जन्मदिन जर्मनी और तिब्बती समुदाय एक साथ मना रहे हैं। फ्रैंकफर्ट में 1,000 से अधिक तिब्बती समारोह में एकत्रित हुए। कार्यक्रम मुख्य अतिथि जर्मन बुंडेस्टाग के सदस्य माइकल ब्रांड और विशिष्ट अतिथि हेस्से के पूर्व मंत्री राष्ट्रपति प्रो. डॉ. एचसी रोलैंड कोच और जिनेवा स्थित तिब्बती ब्यूरो के संयुक्त राष्ट्र अधिवक्ता अधिकारी फुंत्सोक तोपग्याल की उपस्थिति में आयोजित किया गया। केंद्रीय तिब्बती प्रशासन (सीटीए) के अनुसार, हेसियन राज्य चांसलरी के प्रोटोकॉल अधिकारी, डाइटर बेइन, फ्रेंड्स ऑफ फ्रेंड्स समूह के अध्यक्ष फ्रैंक और उवे बेकर और पूरे जर्मनी में तिब्बती धर्म केंद्रों और तिब्बत समर्थक समूहों के प्रतिनिधि भी उपस्थित थे। शुरुआत में भिक्षुओं और समुदाय के सदस्यों द्वारा पारंपरिक प्रार्थनाओं के साथ हुई। तिब्बती संडे स्कूल के बच्चों ने गीत प्रस्तुत किए। इस दौरान अहिंसा, मानवाधिकारों व धार्मिक सद्भाव के प्रति प्रतिबद्धता जताई गई।

नेपाल की संसद भवन में गिरा ड्रोन, कॉलेज के प्रोफेसर और चार छात्र गिरफ्तार

काठमांडू, एजेंसी। काठमांडू में गुरुवार को एक बड़ा हादसा तब हुआ जब एक ड्रोन उड़ान भरते हुए नेपाल की संसद भवन परिसर में जा गिरा। इस मामले में एक कॉलेज के प्रोफेसर और चार छात्रों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। काठमांडू मेट्रोपॉलिटन पुलिस के प्रवक्ता अपिल बोहरा ने जानकारी दी कि यह ड्रोन मंगलवार को संसद भवन की छत पर मिला, जो एक नो-फ्लाई जोन है। पुलिस जांच में सामने आया है कि यह ड्रोन टेकस्पायर कॉलेज से उड़ाया गया था। इसी कॉलेज के एक शिक्षक और चार छात्र इसे टेस्ट फ्लाइट के तौर पर उड़ा रहे थे। कॉलेज के प्रिंसिपल लक्ष्मण पोखरेल ने बताया कि यह ड्रोन छात्रों की एक शैक्षणिक परियोजना (असाइनमेंट) का हिस्सा था और वे इसका परीक्षण कर रहे थे, लेकिन अचानक ड्रोन से संपर्क टूट गया और वह संसद परिसर में जा गिरा। फिलहाल पुलिस ने सभी पांचों को हिरासत में लेकर जांच शुरू कर दी है और आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

सेनेगल की नौसेना ने 201 प्रवासियों को पकड़ा

डाकर, एजेंसी। सेनेगल की नौसेना ने बुधवार को एक बड़ी कार्रवाई करते हुए 201 पश्चिम अफ्रीकी प्रवासियों को गिरफ्तार किया, जो अटलांटिक महासागर के रास्ते यूरोप जाने की कोशिश कर रहे थे। यह कार्रवाई देश के पश्चिमी हिस्से के फाउंडियूग्ने इलाके में की गई। सेनेगल की सेना ने अपने बयान में बताया कि इनमें से 69 लोगों को जमीन पर पकड़ा गया, जबकि 132 लोगों को एक छोटी लकड़ी की नाव (पिरोग) में सलूम डेल्टा के पास मंगलवार शाम को रोका गया। ये सभी अवैध तरीके से स्पेन के कैनरी द्वीप जाने की कोशिश कर रहे थे। हाल के वर्षों में पश्चिम अफ्रीका से स्पेन के कैनरी द्वीप तक का समुद्री रास्ता एक बार फिर लोकप्रिय लेकिन खतरनाक मार्ग बन गया है। 2024 में अब तक करीब 47,000 लोग इस रास्ते से कैनरी द्वीप पहुंचे हैं, जो 2023 के लगभग 40,000 से ज्यादा है।

पाकिस्तान के बलूचिस्तान में बस पर हमला

9 लोगों की मौत, पहचान करने के बाद गोली मारी

क्वेटा, एजेंसी। पाकिस्तान में फिर बड़ा अटैक हुआ है, जिसमें हमलावरों ने 9 लोगों की गोली मारकर हत्या कर दी। फिलहाल, स्थानीय पुलिस मामले की जांच कर रही है। खबर है कि हमलावरों ने एक बस को रोका और यात्रियों को उतारकर गोली मार दी थी। बलूचिस्तान के अधिकारी इसे आतंकवादी घटना बता रहे हैं। इस साल मार्च में ही जाफर एक्सप्रेस ट्रेन को बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी ने हाईजैक कर लिया था।

जियो टीवी की रिपोर्ट के अनुसार, बलूचिस्तान के अधिकारियों ने पुष्टि की है कि कम से कम 9 लोगों की हत्या कर दी गई है। उन्होंने बताया कि क्वेटा से लाहौर जाने वाली बस में सवार यात्रियों को उतारकर अगवा किया और गोली मार दी। घटना उत्तरी बलूचिस्तान के पास झोब शहर की है। रिपोर्ट के मुताबिक, हमलावरों ने बस को रोका, यात्रियों को उतारा और चुनकर पहचान कर 9 लोगों की हत्या कर दी।

झोब पुलिस उपायुक्त नावेद आलम ने कहा कि यात्रियों को वाहनों से अगवा करने के बाद उन्हें गोली मारी गई थी। उन्होंने कहा कि शवों को बलूचिस्तान के बारखान जिले के रेखनी अस्पताल में शिफ्ट किया गया है। प्रांतीय सरकार के प्रवक्ता शाहिद रिंद ने घटना की निंदा की और उसे आतंकवादी कृत्य करार दिया है। उन्होंने कहा, आतंकवादियों ने यात्रियों को बस से उतारा, पहचान की और बेरहमी से 9 मासूम पाकिस्तानियों की हत्या कर दी। रिपोर्ट के अनुसार, एक अधिकारी ने कहा कि हमलावर अंधेरे का फायदा उठाकर फरार हो गए। फिलहाल, उनकी तलाश जारी है।

मुख्यमंत्री मीर सरफराज बुगती ने इसे खुला आतंकवाद बताया और तार फित्ना ए हिन्दुस्तान से जोड़े। बुगती का कहना है कि हमलावरों ने जानबूझकर पाकिस्तानी पहचान के कारण मासूम नागरिकों को निशाना बनाया है। उन्होंने कहा है कि आतंकवादियों ने एक बार फिर अपना डरपोक रवैया दिखाया है। साथ ही कहा है कि मासूमों का खून व्यर्थ नहीं होगा। उन्होंने जोर देकर कहा कि यह देश के खिलाफ युद्ध है और हमारा जवाब मजबूत और निर्णायक होगा। इस बीच चरमपंथियों ने क्वेटा, लोरालाई और मस्तुंग में तीन आतंकवादी हमले भी किए लेकिन बलूचिस्तान सरकार के प्रवक्ता शाहिद रिंद ने दावा किया कि सुरक्षा बलों ने इन हमलों को नाकाम कर दिया। बलूचिस्तान मीडिया में अपनी रिपोर्ट में दावा किया कि चरमपंथियों ने रात के दौरान प्रांत में कई जगहों पर हमले किए और सुरक्षा चौकियों, सरकारी प्रतिष्ठानों, थानों, बैंकों और संचार टावरों को निशाना बनाया।

बलूचिस्तान की प्रांतीय सरकार इसे भारत समर्थित हमला बता रही है। सरकार ने इस हमले के पीछे फितना अल-हिंदुस्तान का हाथ होने की बात कही है। पाकिस्तान सरकार ने मई में बलूचिस्तान के सभी विद्रोही संगठनों को फितना-अल-हिंदुस्तान का नाम दिया है। इनमें बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी सबसे बड़ा और प्रमुख संगठन है।

सरकारी प्रवक्ता शाहिद रिंद ने कहा - यह सिर्फ एक हमला नहीं, निर्दोष पाकिस्तानियों की क्रूर हत्या है। यह फितना अल-हिंदुस्तान की बर्बर सोच का नतीजा है। रिंद ने बताया कि मास्तुंग, कालात और सरदगाई में भी फितना अल-हिंदुस्तान से जुड़े आतंकियों ने हमले किए, लेकिन वहां सुरक्षा बलों ने स्थिति को संभाल लिया। झोब में हमला अंधेरे का फायदा उठाकर किया गया, जिससे हमलावर बच निकले।

इस्लामाबाद स्थित थिंक टैंक पाकिस्तान इंस्टीट्यूट फॉर कॉन्फ्लिक्ट एंड सिक्योरिटी की रिपोर्ट बताती है कि मई 2025 में देश में कुल 85 आतंकी हमले हुए। इनमें बलूचिस्तान सबसे ज्यादा प्रभावित रहा।

इस साल जनवरी में भी बलूचिस्तान के तुरबत शहर में बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी के लड़ाकों ने एक बस में बम ब्लास्ट कर दिया था। इसमें 6 लोगों की मौत हो गई थी। इसके अलावा 25 घायल हुए थे। हमले के बाद बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी के एक प्रवक्ता ने वीडियो जारी कर हमले की जिम्मेदारी ली।

मवेशियों को मक्खी से खतरा, मैक्सिको से अमेरिका आने पर रोक

वाशिंगटन। अमेरिका ने एक बार फिर मैक्सिको से मवेशियों की एंट्री पर रोक लगा दी है। वजह है एक खतरनाक मांस खाने वाला परजीवी, जो पहले से ज्यादा उत्तर की तरफ यानी अमेरिका की सीमा के नज़दीक पहुंच गया है। इस पर मैक्सिको के राष्ट्रपति ने नाराज़गी जताई। साथ ही कहा है कि अमेरिका इस खतरे को बढ़ा-चढ़ाकर पेश कर रहा है। बता दें कि परजीवी का नाम है न्यू वर्ल्ड स्क्रूवॉर्म फ्लाई। यह मक्खी जख्मों पर अंडे देती है, जिनसे ऐसे कीड़े निकलते हैं जो मरे हुए शरीर पर नहीं, बल्कि जिंदा जानवरों के मांस पर पलते हैं। यही बात इसे खतरनाक बनाती है।अमेरिकी अधिकारियों को डर है कि अगर यह मक्खी टेक्सास तक पहुंच गई, तो मवेशी उद्योग को भारी आर्थिक नुकसान हो सकता है, जैसा कि 1970 के दशक में हुआ था। उस समय अमेरिका ने इस मक्खी को खत्म करने के लिए बड़ी संख्या में नपुंसक नर मक्खियां पैदा की थीं, जो मादा मक्खियों से प्रजनन नहीं कर पाती थीं। तब से यह परजीवी केवल पनामा तक सीमित था। लेकिन पिछले साल के अंत में यह दक्षिणी मैक्सिको में फिर पाया गया।

सिएटल में लोगों ने लिया भारतीय आम का स्वाद

सिएटल, एजेंसी। सिएटल स्थित भारतीय महावाणिज्य दूतावास ने कृषि एवं प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण (एपीडा) के साथ साझेदारी में भारतीय आमों के स्वाद को प्रदर्शित करने वाले एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया। इसमें लोगों ने आम के व्यंजनों का आनंद लिया।

इमरान खान को अब पहली पत्नी जेमिमा गोल्डस्मिथ का मिला समर्थन

बेटे भी भड़के, आंदोलन की तैयारी!

इस्लामाबाद, एजेंसी। बीते करीब दो सालों से जेल में बंद पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान को अब पहली पत्नी जेमिमा गोल्डस्मिथ का समर्थन मिला है। जेमिमा गोल्डस्मिथ को इमरान खान से तलाक लिए भी 21 साल हो चुके हैं, लेकिन जेल में बंद पूर्व पति से बच्चों को न मिलने देने पर जेमिमा ने ऐतराज जताया है। जेमिमा गोल्डस्मिथ और इमरान खान की शादी 1995 में हुई थी और 2004 में दोनों अलग हो गए थे। दोनों के दो बेटे सुलेमान इसा खान और कासिम खान हैं। जेमिमा और इमरान खान के बीच तलाक हो गया तो दोनों बेटे मां के साथ ही रहते हैं। लेकिन इमरान खान से भी वह संपर्क में रहते थे।

वह बीते करीब दो सालों से जेल में बंद हैं तो बेटों को भी पिता की फिक्र हो रही है। यही नहीं उनकी इमरान खान से फोन पर बात तक नहीं हो पा रही है। इसके अलावा पाकिस्तान के पीएम शहबाज शरीफ के सलाहकार राणा सनाउल्लाह के एक बयान पर वह और भड़क गईं, जिसमें बेटों को भी गिरफ्तार करने की बात कही गई। सनाउल्लाह ने कहा था कि यदि इमरान खान के बेटे पाकिस्तान आए और विरोध प्रदर्शन में हिस्सा लिया तो उन्हें भी गिरफ्तार कर लिया जाएगा। इस पर जेमिमा ने सख्त ऐतराज जताया है। उन्होंने कहा, मेरे बच्चों को अपने पिता इमरान खान से फोन पर बात करने की अनुमति नहीं है। वह लगभग दो वर्षों से जेल में एकांतवास में हैं।

इसके अलावा इमरान खान के बेटे कासिम खान ने भी एक्स पर एक पोस्ट लिखी है। कासिम खान ने लिखा,मेरे पिता इमरान खान को जेल में बंद हुए 700 साल हो गए हैं। वह एकांतवास में है। उन्हें वकीलों तक से मिलने नहीं दिया जा रहा है। उन्हें परिवार से दूर रख गया है। वह पूरी दुनिया और यहां तक कि अपने बच्चों से भी कट गए हैं। उनके निजी डॉक्टर को भी मिलने नहीं दिया जा रहा। यह न्याय नहीं है। यह एक सोची समझी साजिश है कि कैसे पाकिस्तान में कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए खड़े एक शख्स को तोड़ दिया जाए। वह लोकतंत्र के लिए लड़ रहे हैं।

वहीं जेमिमा ने कहा कि पाकिस्तान की सरकार कहती है कि इमरान खान के बेटे यदि पिता से मिलने आए तो अरेस्ट कर लिया जाएगा। यह कोई लोकतांत्रिक सरकार नहीं है। यह राजनीति भी नहीं है। यह किसी आदमी से बदला लेने वाली बात है। हालांकि राणा सनाउल्लाह अब भी अपनी बात पर कायम हैं। उन्होंने कहा कि यदि कोई हिंसक आंदोलन को लीड करने के लिए आता है तो उसे अरेस्ट क्यों नहीं किया जाएगा। हिंसा भड़काने की कोशिश हुई तो उसका अंजाम तो भुगतना ही पड़ेगा। इस बीच खबर है कि इमरान के बेटे वॉशिंगटन में पीटीआई के आंदोलन में हिस्सा लेने जाएंगे।

शुभांशु शुक्ला 14 जुलाई को धरती पर लौटेंगे: चार दिन मिशन आगे बढ़ा

टेक्सास, एजेंसी। भारतीय एस्ट्रोनॉट शुभांशु शुक्ला 14 जुलाई को धरती पर लौटेंगे। अमेरिकी स्पेस एजेंसी नासा ने गुरुवार को इसकी जानकारी दी। एक्सियम-4 मिशन के तहत शुभांशु सहित चार क्रू सदस्य इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन (आईएसएस) पहुंचे थे। एक्सियम मिशन को 25 जून को फ्लोरिडा के कैनेडी स्पेस सेंटर से लॉन्च किया गया था। ड्रैगन अंतरिक्ष यान 28 घंटे की यात्रा के बाद 26 जून को अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन पर डॉक किया गया था।

हालांकि, यह मिशन 14 दिनों का था। अब एस्ट्रोनॉट की वापसी चार दिन देरी से होगी। इससे पहले 6 जुलाई को शुभांशु के आईएसएस स्टेशन से कुछ तस्वीरें सामने आई थीं। जिसमें शुभांशु कपोला मॉड्यूल के विंडो से पृथ्वी देखते नजर आ रहे थे। कपोला मॉड्यूल एक गुंबदनुमा ऑब्जर्वेशन विंडो है, जिसमें 7 खिड़कियां होती हैं। शुभांशु ने पीएम से कहा था- अंतरिक्ष से कोई सीमा नहीं दिखती प्रधानमंत्री मोदी ने 28 जून को शुभांशु से वीडियो कॉल पर बातचीत की थी। उन्होंने पूछा कि अंतरिक्ष को देखकर उन्हें सबसे पहले क्या महसूस हुआ, तो ग्रुप कैप्टन शुक्ला ने कहा, अंतरिक्ष से, आपको कोई सीमा नहीं दिखती। पूरी पृथ्वी एकजुट दिखती है।

शुभांशु ने प्रधानमंत्री मोदी से कहा- अंतरिक्ष से भारत बहुत भव्य दिखता है। हम दिन में 16 सूर्योदय और 16 सूर्यास्त देखते हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने शुभांशु शुक्ला से पूछा कि आप गाजर का हलवा लेकर इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन गए हैं। क्या आपने अपने साथियों को खिलाया। इस पर शुभांशु ने कहा कि हां साथियों के साथ बैठकर खाया।

एक्सियम-4 मिशन का हिस्सा हैं शुभांशु शुक्ला : शुभांशु शुक्ला एक्सियम-4 मिशन का हिस्सा हैं, जिसकी एक सीट के लिए भारत ने 548 करोड़ रुपए चुकाए हैं। यह एक प्राइवेट स्पेस फ्लाइट मिशन है, जो अमेरिकी स्पेस कंपनी एक्सियम, नासा और स्पेसएक्स की साझेदारी से हो रहा है। यह कंपनी अपने स्पेसक्राफ्ट में निजी अंतरिक्ष यात्रियों को आईएसएस भेजती है।

शुभांशु आईएसएस में इंडियन एजुकेशन इंस्टीट्यूट्स के 7 प्रयोग करेंगे। इनमें ज्यादातर बायोलॉजिकल स्टडीज हैं। वे नासा के साथ 5 अन्य प्रयोग करेंगे, जिसमें लंबे अंतरिक्ष मिशन के लिए डेटा जुटाएंगे। इस मिशन में किए गए प्रयोग भारत के गगनयान मिशन को मजबूत करेंगे।41 साल बाद कोई भारतीय एस्ट्रोनॉट अंतरिक्ष में गया अमेरिकी स्पेस एजेंसी नासा और भारतीय एजेंसी इसरो के बीच हुए एग्रीमेंट के तहत भारतीय वायु सेना के ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला को इस मिशन के लिए चुना गया है। 41 साल पहले भारत के राकेश शर्मा ने 1984 में सोवियत यूनियन के स्पेसक्राफ्ट से अंतरिक्ष यात्रा की थी। शुभांशु का ये अनुभव भारत के गगनयान मिशन में काम आएगा। ये भारत का पहला मानव अंतरिक्ष मिशन है, जिसका उद्देश्य भारतीय गगनयात्रियों को पृथ्वी की निचली कक्षा में भेजना और सुरक्षित रूप से वापस लाना है। इसके 2027 में लॉन्च होने की संभावना है।

ट्रंप के 35 फीसदी टैरिफ के एलान पर प्रधानमंत्री कार्नी का पलटवार, कहा- अपने व्यवसायों की रक्षा करते रहेंगे

ट्रंप ने कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी के नाम लिखे पत्र में कहा कि अगर कनाडा जवाबी कार्रवाई करता है, तो टैरिफ में और वृद्धि हो सकती है

ओटावा, एजेंसी। कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने गुरुवार को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा कनाडा से आने वाले सामानों पर 35त्न टैरिफ लगाए जाने पर प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि उनकी सरकार अपने व्यापार और व्यवसायों की मजबूती से रक्षा करती रहेगी।

प्रधानमंत्री कार्नी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा कि कनाडा ने उत्तर अमेरिका में फेंटानिल की समस्या को रोकने की दिशा में अहम प्रगति की है और वह अमेरिका के साथ मिलकर दोनों देशों के लोगों की जान बचाने और समुदायों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है।प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने एक्स पर लिखा कि अमेरिका के साथ चल रही व्यापार वार्ताओं के दौरान कनाडाई सरकार ने अपने श्रमिकों और व्यवसायों के हितों की दृढ़ता से रक्षा करती रहेगी। हम 1 अगस्त की संशोधित समयसीमा तक इस दिशा में अपने प्रयास जारी रखेंगे। कनाडा ने उत्तर अमेरिका में फैले फेंटेनाइल जैसे घातक नशे के संकट को रोकने की दिशा में महत्वपूर्ण प्रगति की है। हम अमेरिका के साथ मिलकर जीवन बचाने और दोनों देशों के समुदायों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। उन्होंने कहा, हम एक सशक्त कनाडा का निर्माण कर रहे हैं। केंद्र सरकार, प्रांतों और क्षेत्रों के साथ मिलकर एक एकीकृत कनाडाई अर्थव्यवस्था के निर्माण में महत्वपूर्ण प्रगति कर रही है। हम राष्ट्रीय हित में कई बड़े नए प्रोजेक्ट्स शुरू करने के लिए तैयार हैं। साथ ही, हम दुनियाभर में अपने व्यापारिक साझेदारियों को भी लगातार मजबूत कर रहे हैं।

इससे पहले गुरुवार (10 जुलाई) को राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी को एक पत्र लिखकर नई टैरिफ दरों की जानकारी दी थी। ट्रंप ने घोषणा की है कि 1 अगस्त से कनाडा से होने वाले सभी आयातों पर 35 प्रतिशत टैरिफ लगाया जाएगा। उन्होंने इसे कनाडा की ओर से फेंटेनाइल ड्रग की सप्लाई कम करने में नाकामी का नतीजा बताया है।ट्रंप ने कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी के नाम लिखे पत्र में कहा कि अगर कनाडा जवाबी कार्रवाई करता है, तो टैरिफ में और वृद्धि हो सकती है। पत्र को उन्होंने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर भी साझा किया है। हालांकि, बातचीत की गुंजाइश रखते हुए उन्होंने कहा कि अगर कनाडा फेंटानिल की तस्करी रोकने में मदद करता है, तो शायद हम इस पत्र में बदलाव पर विचार कर सकते हैं। उन्होंने आगे कहा कि दोनों देशों के रिश्तों के आधार पर टैरिफ को बढ़ाया या घटाया जा सकता है।राष्ट्रपति की यह टिप्पणी ऐसे साक्ष्यों के बावजूद आई है जो दर्शाते हैं कि संयुक्त राज्य अमेरिका में तस्करी की जाने वाली फेंटानिल की अधिकांश मात्रा कनाडा के साथ उत्तरी सीमा से नहीं, बल्कि मैक्सिको के साथ दक्षिणी सीमा से प्रवेश करती है। ट्रंप ने हाल के दिनों में ट्रेड युद्ध का दायरा बढ़ाते हुए कई देशों पर नए टैरिफ लगाए हैं। कनाडा के अलावा, ट्रंप ने हाल ही में जापान और दक्षिण कोरिया पर भी नए टैरिफ लगाए हैं। इसके साथ ही आयातित तांबे पर 50 प्रतिशत टैरिफ लगाने की घोषणा की है। गुरुवार को एनबीसी न्यूज के साथ एक साक्षात्कार में ट्रंप ने संकेत दिया कि जल्द ही दूसरे देशों को भी 15 से 20 प्रतिशत तक के व्यापक टैरिफ का सामना करना पड़ सकता है।

अमेरिकी विदेश विभाग में छंटनी की तैयारी, जल्द जारी होंगे कर्मचारियों को नोटिस

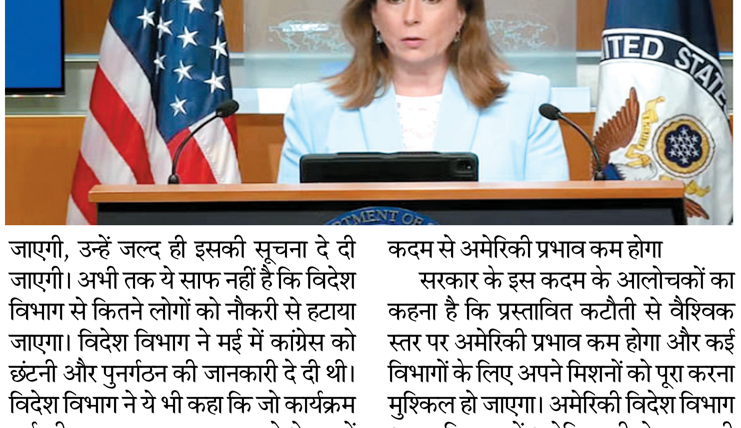

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका का विदेश विभाग भी छंटनी की तैयारी कर रहा है। विदेश विभाग ने अपने कर्मचारियों को कहा है कि वे जल्द ही छंटनी के लिए नोटिस जारी करेंगे। डोनाल्ड ट्रंप के सत्ता में आने के बाद से ही वे संघीय सरकार के आकार को कम करने में जुटे हैं। इसके तहत कई सरकारी विभागों से छंटनी की गई हैं। सरकारी दक्षता विभाग के नेतृत्व में संघीय सरकार में छंटनी अभियान चलाया गया और सैंकड़ों लोगों को अब तक नौकरी से निकाला जा चुका है।

सुप्रीम कोर्ट ने भी दी छंटनी की मंजूरी : अमेरिका में संघीय सरकार में छंटनी को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती भी दी गई थी, लेकिन सुप्रीम कोर्ट ने भी छंटनी जारी रखने के पक्ष में फैसला दिया था। अमेरिकी विदेश विभाग के उप-सचिव माइकल रिग्स ने कहा कि जिन कर्मचारियों की छंटनी की जाएगी, उन्हें जल्द ही इसकी सूचना दे दी जाएगी। अभी तक ये साफ नहीं है कि विदेश विभाग से कितने लोगों को नौकरी से हटाया जाएगा। विदेश विभाग ने मई में कांग्रेस को छंटनी और पुनर्गठन की जानकारी दे दी थी। विदेश विभाग ने ये भी कहा कि जो कार्यक्रम पूर्व की सरकार द्वारा चलाए जा रहे थे, उनमें कटौती की जाएगी।

आलोचक बोले- इस कदम से अमेरिकी प्रभाव कम होगा

सरकार के इस कदम के आलोचकों का कहना है कि प्रस्तावित कटौती से वैश्विक स्तर पर अमेरिकी प्रभाव कम होगा और कई विभागों के लिए अपने मिशनों को पूरा करना मुश्किल हो जाएगा। अमेरिकी विदेश विभाग अफगानिस्तान में अमेरिका की दो दशक की भागीदारी की निगरानी करने वाले कुछ विभागों को समाप्त करने की योजना बना रहा है, इसमें अमेरिकी सेना के साथ काम करने वाले अफगान नागरिकों के पुनर्वास पर काम करने वाला एक कार्यालय भी शामिल है। साथ ही शरणार्थियों और आव्रजन से जुड़े कार्यक्रमों के साथ-साथ मानवाधिकारों और लोकतंत्र को बढ़ावा देने वाले कई कार्यक्रमों को भी समाप्त करने की योजना है।

अमेरिकी विदेश सेवा संघ, जो राजनयिकों का प्रतिनिधित्व करता है, ने पिछले महीने विदेश विभाग से नौकरियों में कटौती नहीं करने का आग्रह किया था। संघ के अध्यक्ष टॉम याज्दगेरदी ने कहा कि इससे न सिर्फ कर्मचारियों की छंटनी होगी, बल्कि कई पद भी पूरी तरह समाप्त हो जाएंगे। इस कदम से विदेश सेवा को बाधित करने से राष्ट्रीय हित खतरे में पड़ सकते हैं और दुनिया भर के अमेरिकियों को इसके परिणाम भुगतने होंगे।

पीएम नेतन्याहू अमेरिका दौरे के अंत में बोले - हम 60 दिन की संघर्षविराम योजना पर कर रहे काम

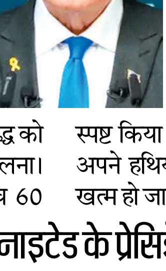

येरूशलम, एजेंसी। इस्राइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू इस समय अमेरिका दौरे पर हैं और गुरुवार को उन्होंने दो इस्राइली दूतावास कर्मचारियों की याद में आयोजित समारोह में हिस्सा लिया। उनका यह दौरा 4 दिनों का था, जिसमें उन्होंने अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप, व्हाइट हाउस अधिकारियों और सांसदों से मुलाकात की। इस दौरे का मुख्य उद्देश्य था गाजा में 21 महीने से जारी युद्ध को रोकने के लिए संघर्षविराम का कोई रास्ता निकालना। अमेरिका चाहता है कि इज़रायल और हमास के बीच 60 दिन का युद्धविराम हो, जिससे स्थायी शांति की राह खुल सके।नेतन्याहू ने गुरुवार को एक वीडियो जारी कर कहा कि वे इस अमेरिका-समर्थित समझौते को अंतिम रूप देने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन उन्होंने साफ कहा कि यह एक अस्थायी समझौता होगा और इसका मकसद होगा गाज़ा में बचे हुए अंतिम 50 बंधकों को रिहा कराना। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि संघर्षविराम तभी हो सकता है जब हमास अपने हथियार डाल दे और उसकी शासन व सैन्य ताकत खत्म हो जाए। नेतन्याहू ने कहा, ये हमारे बुनियादी शर्तें हैं।

अनिश्चितकालीन छुट्टी पर अटलांटा यूनाइटेड के प्रेसिडेंट और सीईओ गार्थ लेगरवे

अटलांटा, एजेंसी। अटलांटा यूनाइटेड के अध्यक्ष और मुख्य कार्यकारी अधिकारी गार्थ लेगरवे कैंसर का इलाज करा रहे हैं और इसी कारण उन्होंने अनिश्चितकाल के लिए छुट्टी ले ली है। क्लब ने गुरुवार को यह जानकारी दी और बताया कि उनके पूरी तरह ठीक होने की उम्मीद है, जो एक सकारात्मक संकेत है। हालांकि, उनकी वापसी की कोई निश्चित तारीख तय नहीं की गई है। क्लब के मालिक और चेयरमैन आर्थर एम. ब्लैंक ने एक बयान में कहा, गार्थ की मजबूत इच्छाशक्ति और सकारात्मक सोच उन्हें एक बेहतरीन लीडर बनाती है। हमें पूरा भरोसा है कि वे इस मुश्किल समय को भी मजबूती से पार करेंगे।

सीएम योगी के प्रयासों के नाते घरेलू पर्यटकों की संख्या के लिहाज से यूपी नंबर वन

कौमी पत्रिका

लखनऊ, 12 जुलाई। विकसित देशों में टूरिज्म सेक्टर अर्थव्यवस्था में करीब 10 फीसदी का योगदान देता है। भारत में यह योगदान सिर्फ दो से तीन फीसद का है। पर, डबल इंजन (मोदी और योगी) सरकार का इस सेक्टर पर जिस तरह फोकस है उससे आने वाले कुछ वर्षों में हमारा टूरिज्म सेक्टर भी अर्थव्यवस्था में योगदान के मामले में विकसित देशों की बराबरी करेगा। पर्यटन मंत्रालय के मुताबिक, 2023 में 1.88 करोड़ विदेशी पर्यटक भारत आए। घरेलू स्तर पर 250 करोड़ पर्यटकों ने यात्रा की। कुंभ के दौरान जिस तरह से भीड़ उमड़ी है, उसे देखते हुए उत्तर भारत के सांस्कृतिक और धार्मिक शहरों में आने वाले समय में ज्यादा पर्यटकों के आने की उम्मीद है। इसका सर्वाधिक लाभ भगवान श्रीराम, श्रीकृष्ण भोलेनाथ, बुद्ध और गुरु गोरखनाथ की धरती उत्तर प्रदेश को मिलेगा। यूं भी कुछ वर्षों से घरेलू पर्यटकों के लिहाज से उत्तर प्रदेश देश में लगातार पहले पायदान पर है। एसोसिएशन ऑफ इंडिया की (2024) रिपोर्ट के अनुसार देश में पर्यटकों की बढ़ती संख्या के मद्देनजर अगले पांच से सात वर्षों में हॉस्पिटैलिटी सेक्टर में कुल सृजित रोजगार का करीब 10 फीसद योगदान होगा। तब जीडीपी में हॉस्पिटैलिटी सेक्टर का योगदान बढ़कर करीब 8 फीसद हो जाएगा। पिछले दो

वर्षों में इस सेक्टर में भर्तियों की संख्या में करीब ढाई गुना से अधिक वृद्धि हुई है। इस वृद्धि में सर्वाधिक योगदान धार्मिक पर्यटन का होगा। पंजाब, हरियाणा और दिल्ली चैंबर ऑफ कॉमर्स की एक रिपोर्ट के मुताबिक भारत में 60 फीसद से अधिक यात्राएं धार्मिक स्थलों की होती हैं। वैश्विक धार्मिक पर्यटन का बाजार 2032 तक दो अरब डॉलर से अधिक का होगा। चूंकि भारत एक धार्मिक देश है और उत्तर प्रदेश में सर्वाधिक धार्मिक स्थल हैं, लिहाजा धार्मिक पर्यटन का सबसे अधिक लाभ भारत को और भारत में उत्तर प्रदेश को ही होगा। उत्तर प्रदेश को यह लाभ मिलने भी लगा है। प्रयागराज महाकुंभ में देश-दुनिया के 66 करोड़ से अधिक लोग आए। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संसदीय क्षेत्र वाराणसी में काशी विश्वनाथ कॉरिडोर बनने के पहले साल में औसतन 50 लाख लोग आते थे। अब यह संख्या बढ़कर 6 करोड़ तक पहुंच गई है। इसी तरह जिस अयोध्या में 2016 में मात्र 2.83 लाख पर्यटक/श्रद्धालु आए थे वहां सितंबर 2024 तक 13.44 करोड़ पर्यटक/ श्रद्धालु आ चुके थे। महाकुंभ के उलट प्रवाह के बाद तो कई रिकॉर्ड टूट गए। कमोबेश यही स्थिति मिर्जापुर स्थित मां विंध्यवासिनी धाम, राम को प्रिय चित्रकूट, और राधा कृष्ण की लीला क्षेत्र मथुरा, वृंदावन, बरसाना, नंदग्राम, गोकुल और गोवर्धन की भी है। घरेलू पर्यटकों की बढ़ती संख्या के कारण अगले सात साल में होटलों में 10 लाख रूम की जरूरत होगी। इससे 35 लाख से अधिक लोगों को रोजगार मिल सकता है। इसमें 15-20 लाख नौकरियां छोटे शहरों में होंगी, क्योंकि इन्हीं शहरों में फाइव स्टार होटल अपनी विस्तार की योजना बना रहे हैं। आईटीसी मौर्या नई दिल्ली में बैंक्वेट मैनेजर रहे भव्य मल्होत्रा के मुताबिक प्रति कमरा, तीन सर्विस प्रोवाइडर किसी अच्छे होटल के लिए आदर्श स्थिति होती है। इसमें फ्रंट ऑफिस, हाउस कीपिंग, फूड एंड बेवरेज, लाउंड्री, फाइनेंस, एचआर, हॉर्टिकल्चर, सेल्स आदि विभाग होते हैं। अगर प्रॉपर्टी छोटी है तो कुछ विभाग न होने से सर्विस प्रोवाइडर्स की संख्या कुछ कम हो सकती है। पर, प्रति कमरा दो कर्मचारी तो होने ही चाहिए। इससे कम होने पर आप अपने ग्राहकों को संतोषजनक सेवा नहीं दे पाएंगे। पर्यटकों एवं श्रद्धालुओं की संख्या बढ़ने का लाभ होटल इंडस्ट्री के अलावा इससे जुड़े एविएशन, रेलवे, सड़क परिवहन निगम और लाजिस्टिक्स से जुड़े सेक्टर्स और स्थानीय लोगों को भी होगा। वहां के खास उत्पाद की खरीद होने पर स्थानीय कला या उत्पाद को व्यापक पहचान मिलेगी। मुख्यमंत्री की सबसे पसंदीदा योजना ओडीओपी (एक जिला एक उत्पाद) की अपने आप ब्रांडिंग हो जाएगी। धार्मिक पर्यटन उस स्थान विशेष के आर्थिक उन्नति के साथ सांस्कृतिक आदान-प्रदान में भी महत्वपूर्ण भूमिका अदा करते हैं। सरकारें अधिक से अधिक पर्यटकों को आकर्षित करने के लिए उनकी सुविधा, सुरक्षा के साथ बेहतरीन कनेक्टिविटी पर भी ध्यान देती हैं। समग्रता में ये धार्मिक, सांस्कृतिक, आध्यात्मिक विरासत के संरक्षण के साथ आर्थिक विकास को भी गति देते हैं।

प्रधानमंत्री के विकसित भारत के विजन को साकार करने में उद्योगों का रहेगा विशेष योगदान

चंडीगढ़। हरियाणा के उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री राव नरबीर सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के वर्ष 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने में उद्योगों का भी विशेष योगदान रहेगा। हरियाणा इसी लक्ष्य के साथ उद्योगों की योजनाओं की रूप रेखा तैयार कर रही है। प्रदेश सरकार स्टार्टअप से लेकर एमएसएमई व नई आईएमटी विकसित करने की दिशा में आगे बढ़ रही है, क्योंकि किसी भी देश का विकास उद्योगों के बिना संभव नहीं है। उद्योगों की तरक्की होगी तो लोगों को रोजगार मिलेगा और देश मजबूत होगा। मंत्री आज यहां सिविल सचिवालय में उद्योग एवं वाणिज्य विभाग के अधिकारियों के साथ हुई समीक्षा बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। मंत्री राव नरबीर सिंह ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे दूसरे प्रदेशों में उद्यमि?ं को दी जा रही सब्सिडी की जानकारी लें और यदि दूसरे राज्यों में हरियाणा से ज्यादा सब्सिडी है तो उसे हम अपने प्रदेश में भी लागू करें, ताकि हरियाणा में भी और ज्यादा उद्योग स्थापित हो सकें और प्रदेशवासियों को रोजगार मिले। उन्होंने कहा कि आईएमटी व अन्य एचएसएसआईआईडीसी की औद्योगिक संपदाओं में ग्रीन बेल्ट को बढ़ावा दिया जाए और 15 जुलाई से आरंभ मास पौधारोपण अभियान के दौरान अधिक से अधिक पौधारोपण किया जाए। उन्होंने कहा कि अधिकारी यह सुनिश्चित करें कि मानसून के दो महीनों के बाद औद्योगिक क्षेत्रों में 15 सितंबर से सड़कों की मरम्मत के लिए विशेष अभियान चलाया जाए। उन्होंने अधिकारियों को ये भी निर्देश दिए कि विभाग के जिलास्तर पर कार्यालयों में कार्यशैली को और बेहतर बनाया जाए, ताकि उद्यमियों का विभाग के प्रति विश्वास और मजबूत हो। उन्होंने कहा कि सरकार की प्राथमिकता है कि उद्यमियों को बेहतर सुविधा मुहैया करवाई जाए। इसको लेकर तत्परता से काम भी किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि प्रदेश व केंद्र सरकार द्वारा उद्योगों के विकास के लिए बनाई गई कल्याणकारी योजनाओं का प्रचार व प्रसार किया जाए, ताकि ज्यादा से ज्यादा लोग उद्योग स्थापित करने के लिए प्रेरित हो सकें।

PWD मंत्री प्रवेश साहिब सिंह ने जोर बाग का दौरा किया

कौमी पत्रिका

नई दिल्ली। PWD मंत्री प्रवेश साहिब सिंह ने कल नई दिल्ली विधानसभा क्षेत्र के जोर बाग इलाके का दौरा किया। उन्होंने हाल ही में संपन्न हुए चुनावों में जोर बाग की ऐतिहासिक रूप से उच्च मतदान भागीदारी के लिए वहां की जनता का धन्यवाद किया। मंत्री जी के साथ नई दिल्ली नगरपालिका परिषद (NDMC) और लोक निर्माण विभाग (PWD) के वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित रहे। उन्होंने स्थानीय नागरिकों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं और उनके शीघ्र समाधान का आश्वासन दिया। मौके पर बोलते हुए प्रवेश साहिब सिंह ने कहा, चुनाव से पहले मैंने जोर बाग के लोगों से वादा किया था कि अगर यहां का मतदान प्रतिशत ज्यादा रहेगा, तो इस क्षेत्र को विकास कार्यों में प्राथमिकता दी जाएगी। आज मैं इसीलिए पूरी

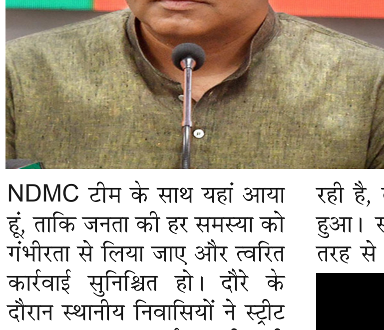

NDMC टीम के साथ यहां आया हूं, ताकि जनता की हर समस्या को गंभीरता से लिया जाए और त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित हो। दौरे के दौरान स्थानीय निवासियों ने स्ट्रीट लाइट, साफ-सफाई, पानी की आपूर्ति, पेड़ों की छंटाई और आंतरिक सड़कों की मरम्मत जैसी समस्याएं उठाईं। मंत्री जी ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे इन सभी मुद्दों को प्राथमिकता के आधार पर हल करें और निर्धारित समय सीमा में कार्यवाही रिपोर्ट प्रस्तुत करें। मंत्री ने जोर बाग क्षेत्र में हाल में हुए सकारात्मक बदलावों पर भी प्रकाश डाला। उन्होंने कहा, हर साल मानसून के दौरान इस क्षेत्र में जलभराव आम समस्या रही है, लेकिन इस बार ऐसा नहीं हुआ। समय रहते ड्रेनों की पूरी तरह से सफाई की गई, पार्कों में छंटाई का काम किया गया और सड़कों की मरम्मत भी समय पर हुई। यह सब इसलिए संभव हो पाया क्योंकि हमने सक्रियता और जवाबदेही के साथ काम किया। उन्होंने यह भी कहा कि जिस तरह जनता ने लोकतंत्र में विश्वास दिखाया है, उसी तरह सरकार की भी जिम्मेदारी बनती है कि वह पूरी निष्ठा से काम करे। मंत्री प्रवेश साहिब सिंह ने स्पष्ट किया कि उनका विभाग पारदर्शिता, जवाबदेही और जन सहभागिता की नीति पर चलता रहेगा। दौरे का समापन क्षेत्रीय निरीक्षण और अधिकारियों द्वारा उठाए गए कदमों की समीक्षा के साथ हुआ।

कैबिनेट मंत्री रणबीर गंगवा का भ्रष्टाचार पर सख्त एक्शन 42 अधिकारियों एवं कर्मचारियों को किया गया चार्जशीट

चंडीगढ़। जनस्वास्थ्य आभियांत्रिकी एवं लोक निर्माण मंत्री श्री रणबीर गंगवा ने जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग (क्क॥श्व) में सामने आए टेंडर प्रक्रिया की अनियमितताओं के मामलों को लेकर विभाग के 42 अधिकारियों एवं कर्मचारियों को चार्जशीट किया गया है। मामला रोहतक जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग (क्क॥श्व) से जुड़ा है। इनके खिलाफ अब विभागीय जांच होगी। कैबिनेट मंत्री श्री गंगवा ने कहा कि सरकार जीरो टॉलरेंस की नीति पर कार्य कर रही है। किसी भी प्रकार की ना तो कामकाज में लापरवाही बर्दाश्त की जाएगी और ना ही भ्रष्टाचार करने वालों को बख्शा जाएगा। रोहतक जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग (क्क॥श्व) के संबंध में सरकार को शिकायत मिल रही थी कि नियमों को अनदेखा करते हुए सिविल कार्य करवाएं जा रहे हैं। टेंडर प्रक्रिया में भारी अनियमितताओं को बरता जा रहा है। जिसके बाद सरकार की तरफ से इसकी जांच करवाई गई। कैबिनेट मंत्री श्री रणबीर गंगवा ने कहा कि जांच में कई तथ्य सामने आए हैं, उनके आधार पर इस बाबत निर्देश देते हुए कार्रवाई की सिफारिश की गई है। जांच रिपोर्ट में सामने आया है कि विभिन्न विकास कार्यों के वर्क ऑर्डर बिना ऑनलाइन टेंडर प्रक्रिया के जारी किए गए हैं। इससे एक तरह से न केवल नियमों की अनदेखी सामने आई है, बल्कि सरकारी खजाने को भी नुकसान हुआ। विभागीय वित्तीय नियमों (छ्व्नक्र) के विरुद्ध जाकर कथित इमरजेंसी कार्य घोषित कर ऑफलाइन कोटेशन पर काम करवाए गए हैं। रिपोर्ट के अनुसार ये अनियमितताएं उस अवधि में हुई जब सम्बंधित एक अधीक्षण अभियंता (एसई) और कार्यकारी अभियंता (एक्सीएन) कार्यरत थे। हैरानी की बात यह है कि जांच में सामने आया है कि पहले के अधिकारियों के कार्यकाल में इस प्रकार के काम ऑफलाइन कोटेशन पर नहीं हुए थे, वहीं इन अधिकारियों के कार्यकाल में एकदम से ऑफलाइन वर्क आर्डर जारी हुए। इनमें रोहतक सब डिवी ?न, सांपला सब डिवी ?न और महम सब डिवी ?न सहित अन्य क्षेत्र शामिल हैं। कुछ ठेकेदारों को एक ही दिन में 10 से अधिक काम सौंपे गए, वह भी सभी कार्य सीमा के पास-पास, जिससे यह भी संकेत मिलता है कि यह वर्क आर्डर जानबूझकर विभाजित कर नियमों को दरकिनार किया गया है। इस पूरे मामले में न केवल अधीक्षण अभियंता और कार्यकारी अभियंता, बल्कि संबंधित सब डिवीजनल इंजीनियर (स्ठश्व) और जूनियर इंजीनियर (छ्वश्व) तक की भूमिका जांच के दायरे में है।

हरियाणा सरकार ने किया राइट टू सर्विस एक्ट में संशोधन

चंडीगढ। हरियाणा सरकार ने अपने नागरिकों को समयबद्ध सेवाएं सुनिश्चित करने की दिशा में ब ?ा कदम उठाते हुए हरियाणा सेवा का अधिकार अधिनियम, 2014 में संशोधन किया है। अब यदि पदनामित अधिकारी या शिकायत निवारण प्राधिकारी निर्धारित समयावधि में आवेदन या अपील पर निर्णय नहीं करते हैं तो सेवा का अधिकार आयोग ऐसे मामलों में स्वत: संज्ञान ले सकेगा। आवेदन या अपील के निपटान में अनुचित विलंब पाए जाने पर आयोग उपयुक्त आदेश पारित कर सकेगा। मुख्य सचिव श्री अनुराग रस्तोगी द्वारा जारी एक अधिसूचना के अनुसार, हरियाणा सेवा का अधिकार नियम, 2014 के नियम 9 को प्रतिस्थापित करते हुए एक नया प्रावधान जो ?ा गया है। ये नियम 'हरियाणा सेवा का अधिकार (संशोधन) नियम, 2025' कहे जाएंगे। यदि किसी अधिसूचित सेवा का लाभ उठाने के लिए आवेदन करने से पहले ही संबंधित मामला किसी न्यायालय या संबंधित विभाग के पुनरीक्षण प्राधिकारी के समक्ष लंबित है, तो उस स्थिति में आयोग अधिनियम की धारा 17 के तहत पदनामित अधिकारी या प्रथम अथवा द्वितीय शिकायत निवारण प्राधिकारी के विरुद्ध तब तक अपनी शक्तियों का प्रयोग नहीं करेगा, जब तक कि न्यायालय या पुनरीक्षण प्राधिकारी द्वारा अंतिम निर्णय नहीं दिया जाता।

सड़क सुधार के लिए ज़िला प्रशासन द्वारा जारी किया गया गूगल फॉर्म

अमृतसर। हाल ही में ज़िला प्रशासन अमृतसर द्वारा पंजाब के मुख्यमंत्री के आदेशों और डिप्टी कमिश्नर साक्षी साहनी के नेतृत्व में 41 शहरी सड़कों को विभिन्न वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा गोद लिया गया है। इस पहल को और आगे बढ़ाते हुए ज़िला प्रशासन ने अब एक गूगल फॉर्म भी जारी किया है, जिसके माध्यम से जनता से सेवाओं और सड़कों से संबंधित शिकायतें और सुझाव एकत्र किए जाएंगे। इसकी जानकारी देते हुए डिप्टी कमिश्नर श्रीमती साक्षी साहनी ने बताया कि इस गूगल फॉर्म के ज़रिए नागरिक अपने इलाके का नाम, सड़कों की स्थिति, जलभराव की समस्या, बंद स्ट्रीट लाइटें, फुटपाथ से जुड़ी दिक्कतें आदि रिपोर्ट कर सकते हैं। जानकारी मिलते ही संबंधित शिकायत को संबंधित अधिकारी को आवश्यक कार्रवाई के लिए भेज दिया जाएगा। विशेष बात यह है कि इन सभी शिकायतों की निगरानी स्वयं डिप्टी कमिश्नर अमृतसर द्वारा प्रतिदिन की जाएगी। डिप्टी कमिश्नर ने लोगों से अपील की कि वे इस डिजिटल प्लेटफ़ॉर्म का लाभ उठाएं और सड़कों को और अधिक सुरक्षित, स्वच्छ और सुंदर बनाने में प्रशासन का सहयोग करें। उन्होंने कहा कि आपके दिए गए सुझावों को ध्यान में रखकर ही आपके क्षेत्र की सड़क पर कार्य किया जाएगा।

शहरी स्थानीय निकाय ने नगर निगम यमुनानगर-जगाधरी के तीन मनोनित पार्षद किए नियुक्त

यमुनानगर। शहरी स्थानीय निकाय हरियाणा सरकार द्वारा पूर्व पार्षद फर्कपुर की पृथ्वी नगर निवासी ऊषा रानी, जगाधरी की श्रीनगर कॉलोनी निवासी सीमा गुलाटी व जगाधरी की शांति कॉलोनी निवासी हरभजन सिंह को नगर निगम के मनोनित पार्षद नियुक्त किया गया है। बुधवार देर शाम शहरी स्थानीय निकाय द्वारा इसकी अधिसूचना जारी की गई। नव नियुक्त मनोनित पार्षद ऊषा रानी, सीमा गुलाटी व हरभजन सिंह को दिनभर बधाईयां देने वालों का तांता लगा रहा। तीनों नव नियुक्त मनोनीत पार्षदों ने भी सोशल मीडिया पर मुख्य मंत्री नायब सिंह सैनी, प्रदेश अध्यक्ष मोहन कौशिक, कृषि मंत्री श्याम सिंह राणा, विधायक घनश्याम दास अरोड़ा, मेयर सुमन बहमनी, भाजपा जिला अध्यक्ष राजेश सपरा, पूर्व कैबिनेट मंत्री कंवर पाल समेत शीर्ष भाजपा नेतृत्व का आभार जताया है। शहरी स्थानीय निकाय हरियाणा सरकार द्वारा जारी अधिसूचना में यमुनानगर के अलावा करनाल, पानीपत, रोहतक, फरीदाबाद, गुरुग्राम, मानेसर व हिसार नगर निगम में भी तीन-तीन मनोनित पार्षद नियुक्त किए गए है। सभी मनोनीत पार्षद हरियाणा नगर निगम अधिनियम, 1994 (1994 का अधिनियम 24) की धारा 4 की उप-धारा (3) के तहत नियुक्त किए गए है। मेयर सुमन बहमनी व भाजपा जिला अध्यक्ष राजेश सपरा ने तीनों मनोनीत पार्षदों को बधाई और शुभकामनाएं दी है। उन्होंने मनोनीत पार्षदों को अपने क्षेत्र की जनता की समस्याओं का समाधान कराने का प्रयास करने का आह्वान किया है।

बेरोजगार युवाओं के लिए सुनहरा अवसर प्रत्येक ब्लॉक में लगेगा रोजगार मेला- जिला रोजगार अधिकारी डॉ. अरूण कुमार

यमुनानगर। सिक्योरिटी एंड इंटेलीजैन्स सर्विस इंडिया लिमिटेड (एस.आई.एस.) द्वारा रोजगार मुहैया करवाने के लिए जिला रोजगार विभाग की सहायता से हर ब्लॉक में रोजगार मेलों का आयोजन किया जाएगा। इसमें सुपरवाईजर से लेकर सिक्योरिटी गार्ड तक के पदो पर मल्टीनेशनल कम्पनियों में भर्ती की जाएगी। जिला रोजगार विभाग की सहायता से एस.आई.एस. कम्पनी द्वारा सिक्योरिटी गार्ड और सुपरवाईजर के विभिन्न पदों पर भर्ती के लिए ब्लॉक वाईज जॉब फेयर लगाने का शैडयूल बनाया गया है। जिला रोजगार अधिकारी डॉ. अरूण कुमार ने बताया कि बी.डी.पी.ओ जगाधरी में 8 जुलाई, बी.डी.पी.ओ. रादौर में 9 जुलाई को, बी.डी.पी.ओ सढौरा में 10 जुलाई को, बी.डी.पी.ओ छछरौली में 14 जुलाई को, बी.डी.पी.ओ. सरस्वतीनगर में 15 जुलाई को, बी.डी.पी.ओ. प्रतापनगर में 16 जुलाई को, बी.डी.पी.ओ. व्यासपुर में 17 जुलाई को प्रात- 9 से सांय 4 बजे तक जॉब फेयर लगाया जाएगा ताकि बेरोजगारी युवाओं को बड़ी कम्पनियों में रोजगार प्रदान करवाया जा सके। रोजगार मेले में 18 से 40 साल तक की उम्र के 10वीं पास युवा भाग ले सकते है। रोजगार मेले में इन्टरव्यू के बाद एक महीने की ट्रेनिंग होगी और ट्रेनिंग समाप्त होते ही कम्पनी में नौकरी मिल जाएगी। भर्ती के लिए शारीरिक दक्षता चैक करने के बाद ही सिलैक्ट किया जाएगा।

भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023 की धारा 163 के तहत आदेश

यमुनानगर। जिलाधीश पार्थ गुप्ता ने बताया कि सावन कावड़ यात्रा को ध्यान में रखते हुए भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023 की धारा 163 के तहत आदेश जारी किए है। 11 जुलाई से 23 जुलाई 2025 तक कावड़ यात्रा के दौरान लाखों की संख्या में कावडि? पवित्र जल की कावड़ों को लेकर इस जिला के भिन्न-भिन्न मार्गों से अपने गन्तव्य स्थलों को जाएंगे। इस अवधि के दौरान गांव दुसानी से पांसरा फाटक, टी प्वाइंट खजूरी मोड़, खान चन्द चौक, विश्वकर्मा चौक, रादौर बाई पास तथा नाका जोडिया, औरंगाबाद टी प्वाइंट, कैल हाईवे चौक व त्रिकोणी चौक रादौर पर कोई भी वाहन किसी भी उद्देश्य के लिए खड़ा ना करने, वाहनों पर डी.जे./लाउडस्पीकर या गाने बजाने का सामान (उच्च ध्वनि के प्रसारण यन्त्र) लगा हो व डी.जे./ लाउड स्पीकर की उंचाई 10 फुट व चौड़ाई 12 फुट से अधिक हो उनका प्रवेश पूर्णतय- वर्जित करने पर पाबंदी लगाई है। जिलाधीश ने बताया कि कावड़ शिविरों की अनुमति प्रदान करते समय यह सुनिश्चित किया जाए की सभी कावड़ शिविर सड? मार्ग से 100 फुट की दूरी पर हरिद्वार-सहारनपुर की तरफ से आते हुए बांई तरफ लगाए जाए तथा कावड़ शिविर हाई वोल्टेज लाईन के नीचे न लगाए जाए एवं शिविर में सी.सी.टी.वी. कैमरा, पब्लिक एड्रेस सिस्टम, विद्युत, पानी, शौचालय, बाथरूम (महिलाओं के लिए अलग से), कावड़ रखने के लिए उचित स्थान, चिकित्सा की समुचित व्यवस्था उपलब्ध करवाई जाए तथा शिविर लगाने से पहले आयोजकों द्वारा शिविर लगाने के लिए पुलिस तथा प्रशासन से पूर्व अनापत्ति प्रमाण पत्र भी प्राप्त किया जाए। जिलाधीश ने किसी भी प्रकार के हथियारों को 11 से 23 जुलाई 2025 तक कावड़ यात्रा व कावड़ शिविरों में रखने व ले जाने के लिये प्रतिबंध लगाया है जैसा कि अग्नि अस्त्र, तलवार (सिक्ख समुदाय यो प्रतीक कृपाण को छोड ?र), बरछा, भाला, लाठी, चाकू व अन्य किस्म के हथियार इत्यादि। यह आदेश 11 से 23 जुलाई 2025 तक अथवा कावड़ यात्रा की समाप्ति तक जिला यमुनानगर की सीमा में लागू रहेंगे। उन्होंने बताया कि इन आदेशों के उल्लंघनकर्ता भारतीय न्याय सहिंता 2023 की धारा 223 के तहत दण्ड के पात्र होंगे। यह आदेश पुलिस तथा अन्य सरकारी अधिकारियों एवं कर्मचारियों जो कि अपनी ड्यूटी पर तैनात हों तथा किसी एम्बुलेंस वाहन आदि पर लागू नहीं होंगे।

विजय गाहल्याण को खेल उपलब्धि के लिए खेल मंत्री ने किया सम्मानित

चंडीगढ़। हरियाणा मास्टर एथलेटिक्स एसोसिएशन द्वारा पंचकूला में खिलाड़ियों के सम्मान में एक समारोह का आयोजन किया गया, जिसमें पानीपत के आट्टा गांव निवासी व सूचना, जनसंपर्क एवं भाषा विभाग में असिस्टेंट मैनेजर (पीआर) के पद पर कार्यरत विजय गाहल्याण को भी सम्मानित किया गया। खेल राज्य मंत्री श्री गौरव गौतम ने खिलाड़ियों को मोमेंटो देकर सम्मानित किया। उन्होंने कहा कि विजय गाहल्याण जैसे व्यक्तित्व पर गर्व हैं जो ड्यूटी के साथ-साथ खेलों को भी अपने जीवनशैली का हिस्सा बनाए हुए हैं। उन्होंने इस बात पर प्रसन्नता व्यक्त की कि विभाग की ओर से पीआरओ के रूप में उनके साथ विजय गाहल्याण को नियुक्त किया है। उल्लेखनीय है कि विजय गाहल्याण पहले कुश्ती खिलाड़ी थे। बाद में उन्होंने जैवलिन थ्रो खेल को अपनाया। विजय वर्ष 2025 में पिछले 5 महीने में आयोजित दो पदक ,इनमें चंडीगढ़ में स्वर्ण तथा केरल में आयोजित नेशनल एथलेटिक्स प्रतियोगिता में जैवलिन में रजत पदक जीत चुके हैं। इससे पहले भी वे राज्य व राष्ट्रीय एथलेटिक्स प्रति ?ोगिताओं में 18 से ज्यादा पदक जीत चुके हैं। कई बार जिला प्रशासन पानीपत के अन्य सामाजिक संगठनों द्वारा भी उन्हें सम्मानित किया जा चुका है। सूचना, जनसंपर्क एवं भाषा विभाग के प्रैस शाखा के प्रभारी एवं संयुक्त निदेशक डा. साहिब राम गोदारा व अन्य अधिकारियों व कर्मचारियों ने विजय गाहल्याण को उनकी उपलब्धियों पर बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं और आशा व्यक्त की है कि भविष्य में भी वे अपने उम्दा खेल का प्रदर्शन जारी कर सफलता हासिल करेंगे और प्रदेश व विभाग का नाम रोशन करेंगे।

कमिश्नर के सख्त निर्देश: बारिश के बाद शहर की सड़कों पर जलभराव न हो यह सुनिश्चित किया जाए

अमृतसर। कमिश्नर गुलप्रीत सिंह औलख द्वारा बरसात के मौसम में शहर की सड़कों पर जलभराव को लेकर ह्व×रू सेल विभाग और सेनेटेशन विभाग के अधिकारियों के साथ आपात बैठक की गई। उन्होंने निर्देश दिए कि संबंधित कर्मचारियों की ड्यूटी लगाई जाए कि बारिश के तुरंत बाद सड़कों की जांच की जाए और जहां भी बरसात का पानी जमा हो, उसे बिना किसी देरी के साफ किया जाए। इस बैठक में अतिरिक्त कमिश्नर सुरिंदर सिंह, संयुक्त कमिश्नर जय इंदर सिंह, स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. किरण और डॉ. योगेश अरोड़ा, कार्यकारी इंजीनियर स्वराजइंदर पाल सिंह सहित कई अन्य अधिकारी उपस्थित थे। कमिश्नर गुलप्रीत सिंह औलख ने बताया कि नगर निगम, अमृतसर शहरवासियों की सुविधा के लिए हर संभव प्रयास कर रहा है। उन्होंने कहा कि बारिश के मौसम को ध्यान में रखते हुए ह्व×रू सेल और सेनेटेशन विभाग के अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए गए हैं कि निगम के जोन में कार्यरत कर्मचारी बारिश के तुरंत बाद 15-20 मिनट के भीतर सड़कों का निरीक्षण करें और जहां भी पानी जमा हो, उसे तुरंत साफ किया जाए। उन्होंने यह भी कहा कि जहां मैन्युअली पानी की निकासी संभव नहीं हो पाती, वहां सड़क किनारे बने चैंबरों की जांच की जाए क्योंकि कई बार इनमें प्लास्टिक बैग या कचरा जमा हो जाता है जिससे पानी की निकासी बाधित हो जाती है। इसलिए इनकी तुरंत सफाई करके जल निकासी सुनिश्चित की जाए। कमिश्नर ने यह भी कहा कि आपात स्थिति में निगम के पास मौजूद मशीनरी जैसे सुपर सकर, जेट पंप और सक्शन मशीन आदि के उपयोग के लिए एक विशेष ह्व×रूइमरजेंसी ग्रुप भी बनाया गया है, जिसके तहत ये मशीनें हर समय तैयार रहेंगी और जिस सड़क पर भी जल निकासी की समस्या होगी वहां वाट्सऐप मैसेज के जरिए तुरंत मशीनें भेजकर जल निकासी करवाई जाएगी। कमिश्नर ने शहरवासियों को आश्वासन दिया कि नगर निगम अमृतसर बारिश के पानी की निकासी के लिए अपनी मैनपावर और मशीनरी में किसी भी प्रकार की कमी नहीं आने देगा।

समाधान शिविर में प्राप्त शिकायतों का यथा शीघ्र करें निपटान- डीडीपीओ नरेन्द्र सिंह

कौमी पत्रिका

यमुनानगर। डीडीपीओ नरेन्द्र सिंह ने कहा कि समाधान शिविर में अपनी समस्याओं को लेकर आने वाले प्रत्येक प्रार्थी की समस्याओं को मौके पर ही निपटान करने का भरसक प्रयास रहें, यदि कोई समस्या का समाधान दस्तावेजों या अन्य जांच पर आधारित है तब भी उसका समयबद्ध होकर जल्द निपटान करवाना सुनिश्चित करें। डीडीपीओ नरेन्द्र सिंह ने बताया कि प्रदेश सरकार के दिशा-निर्देशन में आमजन की समस्याओं का त्वरित समाधान करने के उद्देश्य से आयोजित किए जा रहे समाधान शिविर में अब बदलाव किया गया है। अब ये शिविर सप्ताह में दो दिन सोमवार व वीरवार सुबह 10 से 12 बजे तक आयोजित किए जा रहे हैं। पूर्व की भांति जिला व उपमंडल दोनों स्तरों पर शिविर का आयोजन होगा। जिला स्तरीय समाधान शिविर जिला सचिवालय के सभागार में तथा उपमंडल स्तर के समाधान शिविर व्यासपुर, छछरौली व रादौर में स्थित एसडीएम कार्यालय में आयोजित किए जा रहे हैं। डीडीपीओ नरेन्द्र सिंह कहा कि समाधान शिविरों का मुख्य उद्देश्य है जनता और प्रशासन के बीच सीधा संवाद स्थापित करना, ताकि समस्याओं को समयबद्ध और पारदर्शी तरीके से सुलझाया जा सके। इन शिविरों के माध्यम से नागरिकों को अपनी शिकायतों के समाधान के लिए दफ्तरों के चक्कर नहीं लगाने पड़ते, बल्कि वे एक ही स्थान पर अधिकारियों से सीधे संवाद कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार के मार्गदर्शन में चल रही इस पहल को जनता का भी भरपूर सहयोग और सराहना मिल रही है। समय पर समाधान, समर्पित अधिकारी और आमजन की भागीदारी के साथ यह शिविर आज गुड गवर्नेंस का सशक्त उदाहरण बनकर उभरे हैं। डीडीपीओ नरेन्द्र सिंह ने बताया कि समाधान शिविर में 19 शिकायतें प्राप्त हुई हैं जिनमें पापनी कलां निवासी सम्पूर्ण सिंह और बापा निवासी सावेज अली ने कानूनी कार्यवाही करने बारे समस्या रखी। जोगिन्द्र नगर निवासी रविकांत परिवार पहचान पत्र में त्रुटि ठीक करवाने बारे समस्या रखी। बूढिया निवासी पवन कुमार सैनी, सदींप कुमार, बलवंत सिंह, गौरव कुमार और विमल कुमार ने सड? बनवाने बारे, 11 केवी बिजली की लाईन को शिफ्ट करने बारे, सफाई करवाने बारे, स्ट्रीट लाईट लगवाने बारे और बिजली की तारें हटवाने बारे समस्याएं रखी। अजीज पुर निवासी सुखविन्द्र सिंह ने स्कूल की चारदीवारी व पानी की निकासी की समस्या रखी। ललीत, शिव, वंशीका, अंकुश, हरजीत सिंह, अंजली साहनी यमुनानगर निवासी ने आरटीई के तहत संत निश्चल स्कूल में दाखिला करवाने बारे समस्या रखी। पांसरा निवासी इकराम ने इंतकाल दर्ज ना होने बारे समस्या रखी। पृथ्वी नगर निवासी भुपेन्द्र कुमार ने प्रॉपर्टी आई डी ठीक करवाने बारे समस्या रखी। इस अवसर पर डीएसपी राजीव मिगलानी व अन्य विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

PUBLIC NOTICE

This is to inform/known to all that the Original Title/ Ownership documents i.e. WILL executed by Sh. Kartar Singh in favour of Sh. Kuldeep Kumar pertaining to Built Up Fourth Floor with roof rights, Back Side Portion, Flat Area Measuring 55 Sq. Yds. Total Plot Area Measuring 125 Sq. Yds., Property Bearing No. A-14, Out of Khasra No. 13/2, Situated in the area of Village Kotla, Gali No. 1, Mayur Vihar Phase-I, Illaqa Shahdara, Delhi-110092;. (hereinafter referred to as 'said property') Which is owned and Possessed by Seller i.e. Sh. Kuldeep Kumar who has agreed to Sell the 'said property' to Sh. Neeraj Kumar and same shall be funded/Mortgaged by My Client "AADHAR HOUSING FINANCE Ltd., NSP BRANCH" has been lost / Misplaced Somewhere and are not traceable. Anybody who find the above said original document(s) please inform the undersigned within 7 days from the date hereof, failing which the claim(s) shall be considered to have been waived and/or abandoned and my client shall proceed with the disbursement of loan and creation of Mortgage on the Property. Also, If any person misuses the same for any purpose whatsoever, She / he shall be liable for the appropriate legal action against him/her at his/her own risk, cost and consequences.

Dated : 12-07-2025
Place : Delhi

Advocate Ghanshyam Singh,
Ch. E-713 Karkardooma Courts,
Delhi-110032; Ph-8810212071

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

(धारा 82 Cr.P.C. देखिए)

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **युसुफ अली पुत्र आमिर निवासी ताऊ जी की बिल्डिंग, पूजा कालोनी के पास, लोनी, गाजियाबाद (उ.प्र.)** ने केस **एफआईआर नं. 150/2015 अन्तर्गत धारा 420/34 आईपीसी थाना सीमा पुरी, दिल्ली** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किए गए गिरफ्तारी के वारंट को यह लिखकर लौटा दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **युसुफ अली** मिल नही रहा है, और मुझे सामाधानप्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **युसुफ अली** फरार हो गया हैं (या उक्त वारंट की तामील से बचने के लिए अपने आपको छिपा रहा हैं) इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि केस **एफआईआर नं. 150/2015 अन्तर्गत धारा 420/34 आईपीसी थाना सीमा पुरी, दिल्ली** के उक्त अभियुक्त **युसुफ अली** से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **19.08.2025** को या उससे पहले हाजिर हों।

आदेशानुसार
ऐश्वर्या सिंह कश्यप
न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी-06
कमरा नं. 25, प्रथम तल
कड़कड़डूमा न्यायालय, दिल्ली

DP/9019/SHD/2025
(Court Matter)

कौमी पत्रिका

संपादक-गुरचरन सिंह बब्बर

स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिटिंग प्रेस, सेक्टर ए-4/ए-144 इंडस्ट्रीयल एरिया ट्रोनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छापकर प्रकाशित किया।

Corporate Office:
5, Bahadurshah Zafar Marg
ITO, New Delhi-110002

फोन : 011-41509689, 23315814
मोबाइल नंबर : 9312262300

E - mail address : qpatrika@gmail.com
Website: www.qaumipatrika.in

R.N.I. No.
UP-HIN/2007/21472

Legal Advisors:
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma

बाल विवाह की कुप्रथा को समाप्त करना सब की सामूहिक जिम्मेदारी: सुशील कुमार

नारनौल। बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम, 2006 को जिला में प्रभावी ढंग से लागू करना और बाल विवाह की कुप्रथा को समाप्त करना हम सब की सामूहिक जिम्मेदारी है। हरियाणा में इस कानून को और अधिक प्रभावशाली बनाने के लिए सरकार ने बाल विवाह प्रतिषेध (हरियाणा संशोधन) विधेयक 2020 लागू किया है । अतिरिक्त उपायुक्त सुशील कुमार ने सुप्रीम कोर्ट के निर्देश पर बाल विवाह रोकने के लिए गठित जिला स्तरीय कमेटी की अध्यक्षता करते हुए कहा कि जिला के सभी विभागों के अधिकारी लगातार इस संबंध में विभिन्न स्तर पर जागरूकता अभियान जारी रखें। उन्होंने निर्देश दिए कि जहां भी बाल विवाह की सूचना मिले तो उस पर स्वतः संज्ञान लेकर बाल विवाह को रोकने के लिए तुरंत कार्रवाई की जाए। इसमें पुलिस और बाल विवाह प्रतिषेध अधिकारियों के साथ समन्वय स्थापित करते हुए कार्रवाई करें। उन्होंने कहा कि बाल विवाह के दुष्प्रभावों और इसके खिलाफ बने कानूनों के बारे में ग्रामीण और वंचित क्षेत्रों में जागरूकता अभियान जारी रखा जाए। इसमें स्कूलों, पंचायतों और स्थानीय संस्थाओं में कार्यक्रम आयोजित करें । इसके अलावा उन्होंने बताया कि बाल विवाह के संबंध में टोल फ्री नंबर 1098 का प्रचार करें।

हमारा लक्ष्य सिर्फ आंखों की रोशनी नहीं, बल्कि हरियाणा के भविष्य को उज्ज्वल बनाना : आरती सिंह राव

हिसार। हरियाणा की स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव ने गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय से उज्ज्वल दृष्टि हरियाणा अभियान का शुभारंभ किया। यह राज्यव्यापी अभियान विशेष रूप से स्कूली बच्चों को निःशुल्क चश्मे उपलब्ध कराने और 45 वर्ष से अधिक आयु के नागरिकों को निकट दृष्टि सुधार प्रदान करने के उद्देश्य से शुरू किया गया है।कैबिनेट मंत्री आरती सिंह राव ने कार्यक्रम के शुभारंभ अवसर पर बताया कि यह अभियान नेशनल प्रोग्राम फॉर कंट्रोल ऑफ ब्लाइंडनेस एंड विजुअल इम्पेयरमेंट के अंतर्गत संचालित किया जा रहा है, जिसके लिए राज्य सरकार द्वारा विशेष बजट प्रावधान भी किया गया है। इसके तहत 1.4 लाख से अधिक चश्मों का एक साथ वितरण किया जाएगा, जो कि राज्य के 22 जिला अस्पतालों, 50 उपमंडलीय अस्पतालों और 122 सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों के माध्यम से किया जाएगा। यह देश में अपनी तरह का सबसे बड़ा और अनूठा अभियान है। उन्होंने बताया कि अभियान के तहत 14 हजार 267 राजकीय स्कूलों में पढ़ रहे लगभग 21 लाख छात्रों की आंखों की जांच की जाएगी, जिनमें से 40 हजार जरूरतमंद छात्रों को निःशुल्क चश्मे वितरित किए जाएंगे।

फरीदाबाद में कावड़ यात्रा के लिए रुट निर्धारित, बने 24 प्वांइट

फरीदाबाद। फरीदाबाद में कावड़ यात्रा को लेकर पुलिस ने कांवडियों के लिए रूट निर्धारित कर दिया है। दिल्ली बार्डर कालिंदीकुंज से पलवल तक 24 जगहों पर प्वाइंट बनाए गए है। इन जगहों पर पुलिस के जवानों की तैनाती की रहेगी। फरीदाबाद डीसीपी ट्रैफिक जयबीर राठी ने जानकारी देते हुए बताया कि कावड़ यात्रा को लेकर पुलिस ने कांवडियों के लिए रूट निर्धारित कर दिया गया है। दिल्ली बार्डर आगरा नहर पर कालिंदीकुंज से पलवल तक 24 जगहों पर प्वाइंट बनाए गए है। जहां पर ट्रैफिक पुलिस और सड़क सुरक्षा संस्था के पदाधिकारी तैनात रहेंगे। वहीं दिल्ली से फरीदाबाद के रास्ते पलवल जाने वाले कांवडियों के लिए कालिंदीकुंज से पृथला विधानसभा तक जो रूट बनाया गया है। उसमें 16 कट मौजूद है। पूरे कांवड़ रूट पर 50 से अधिक राइडर की तैनाती की जाएगी। उन्होंने कहा कि पुलिस की तरफ से कांवड़ यात्रा को लेकर शिविर लगाने वाले लोगों के लिए गाइडलाइन जारी की गई है। सड़क के करीब 10 मीटर अंदर की तरफ शिविर लगाने के आदेश दिए है। ताकि ट्रैफिक जाम की स्थिति नहीं बने। इसके साथ ही शिविर में महिलाओं और पुरुषों के लिए अलग-अलग शौचालय बनाए जाए। वहीं शिविर में जो भी प्रसाद वितरण किया जाए। वह शिविर के भीतर ही किया जाए। कई बार सड़क के किनारे प्रसाद वितरण होने से आम वाहन चालकों के लिए भी परेशानी बन जाती है। फरीदाबाद पुलिस की ईआरवी पूरे कांवड़ रूट पर जगह-जगह तैनात रहेगी।

जनस्वास्थ्य विभाग कर्मचारियों ने शुरू किया अनिश्चितकालीन धरना

हिसार। हरियाणा संयुक्त कर्मचारी मंच से संबंधित हरियाणा गवर्नमेंट पीडब्ल्यूडी मैकेनिकल वर्करज यूनियन की जनस्वास्थ्य विभाग ब्रांच ने कर्मचारियों की समस्याओं के समाधान की मांग को लेकर विभाग के डिवीजन नंबर एक के कार्यकारी अभियंता के कैमरी रोड स्थित कार्यालय के सामने शुक्रवार से अनिश्चित कालीन धरना शुरू कर दिया है। धरना की अध्यक्षता ब्रांच प्रधान रमेश शर्मा ने की तथा संचालन ब्रांच सचिव मनोज भांभू ने किया।धरना को संबोधित करते हुए ब्रांच प्रधान रमेश शर्मा ने कहा कि धरने के दौरान कार्यकारी अभियंता कार्यालय में नहीं पहुंची। कई बार लिखित और मौखिक रूप से अवगत करवाने के बावजूद कार्यकारी अभियंता कर्मचारियों की मांगों के समाधान को लेकर गंभीरता नहीं दिखा रही हैं। उनके अड़ियल रवैये को लेकर कर्मचारियों में भारी रोष है। इसके चलते संगठन को अनिश्चितकालीन धरना शुरू करना पड़ा है। उन्होंने कहा कि यदि जल्द ही कर्मचारियों की मांगों का समाधान नहीं किया गया तो संगठन आंदोलन तेज करने को मजबूर होगा।

कृषि नलकूपों को सौर ऊर्जा से जोड़ा जाए, मुख्यमंत्री ने दिए निर्देश

हर जिले में दो कृषि फीडर सम्पूर्ण सौरकरण के लिए होंगे चिह्नित

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि प्रदेश में कृषि क्षेत्र के सभी नलकूपों को चरणबद्ध रूप से पूरी तरह सौर ऊर्जा से जोड़ा जाए। मुख्यमंत्री चंडीगढ़ में प्रधानमंत्री किसान ऊर्जा सुरक्षा एवं उत्थान महाअभियान के तहत आयोजित समीक्षा बैठक को संबोधित कर रहे थे। बैठक में ऊर्जा मंत्री अनिल विज भी उपस्थित थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि हरियाणा बिजली उत्पादन निगम हर जिले में कम से कम दो कृषि फीडरों के सौरकरण के लिए पांच-

पांच एकड़ के स्थानों को चिह्नित करे, जहां सोलर पैनल स्थापित कर कृषि नलकूपों को सौर ऊर्जा से बिजली आपूर्ति दी जा सके। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को सुझाव दिया कि पंचकूला जिले के रायवाली गांव में स्थित 220 केवी सब स्टेशन के निकट गन्नी खेड़ा ग्राम पंचायत की लगभग 300 एकड़ भूमि पर सौर ऊर्जा प्लांट लगाया जाए। इस प्लांट से जिले के सभी कृषि नलकूपों को सौर ऊर्जा की आपूर्ति संभव हो सकेगी। साथ ही, पंचकूला जिले के कॉलेज, उपायुक्त कार्यालय, पिंजौर फल एवं सब्जी मंडी टर्मिनस, बस स्टेड जैसी जगहों पर भी खाली भूमि पर सोलर पैनल लगाए जाएं। मुख्यमंत्री ने कहा कि जिन पंचायतों के सौर ऊर्जा प्लांट के लिए भूमि उपलब्ध करवाई जाएगी। वहां सोलर पैनल इस प्रकार लगाए जाएं कि उनका ढांचा कल्याणम मंडपम के रूप में भी कार्य करे। जिससे उसके नीचे सामाजिक समारोहों का आयोजन संभव हो। बिजली विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव एके सिंह ने जानकारी दी कि वर्ष 2018-19 से लागू पीएम-कुसुम योजना के तहत अब तक राज्य में 1.58 लाख से अधिक सोलर पंप लगाए जा चुके हैं। योजना के तहत 3 से 10 एचपी के सोलर पंपों की लागत 1.41 लाख रुपये आती है, जिसमें 25त्न किसान द्वारा खर्च वहन किया जाता है,शेष 30 प्रतिशत केंद्र सरकार और 45 प्रतिशत राज्य सरकार द्वारा सब्सिडी दी जाती है।

जींद में बारिश के 12 घंटे बाद भी जलभराव,लोग परेशान

एजेंसी

जींद।जींद जिले में बारिश के 12 से 15 घंटे बाद भी जलभराव की समस्या ज्यों की त्यों बनी हुई है। इससे शहरवासियों, वाहन चालकों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। सबसे ज्यादा परेशानी नरवाना, जुलाना और उचाना में हो रही है। यहां शहर के बीचों बीच से गुजरने वाले एकमात्र रोड पर दो से तीन फीट तक पानी भरा रहता है। डीसी मोहम्मद इमरान रजा ने निर्देश जारी किए हैं कि मानसून के सीजन में पब्लिक हेल्थ, एमसी और संबंधित दूसरे विभागों के कर्मचारी 24 घंटे शिफ्टों में ड्यूटी करेंगे ताकि जलभराव की समस्या नहीं हो। इसके अलावा डीसी मोहम्मद इमरान रजा ने कहा कि शहर में जहां पर भी जलभराव होता है, वह जगह चिन्हित कर ली हैं और उन पर विभाग का विशेष फोकस रहेगा। शहरवासियों को मानसून के सीजन में किसी तरह की परेशानी नहीं आने दी जाएगी। गौरतलब है कि पिछले 24 घंटों में जिले में करीब 35 एमएम बारिश हो चुकी है। सबसे ज्यादा नरवाना में 32 एमएम बारिश दर्ज की गई है। जलभराव की सबसे ज्यादा दिक्कत भी नरवाना में ही आ रही है। नरवाना में रेलवे रोड पर तीन फीट से भी ज्यादा पानी भर रहा है। बारिश थमने के 10 से 15 घंटे बाद भी पानी सड़क से नहीं उतर पाता।

प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के लिए किसान 31 जुलाई तक करें आवेदन : जिला उपायुक्त

एजेंसी

पानीपत। जिला उपायुक्त विरेन्द्र कुमार दहिया ने कहा कि किसानों को प्राकृतिक आपदाओं से होने वाली फसल क्षति की भरपाई के लिए प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना लागू की गई है। खरीफ फसलों के लिए 31 जुलाई, 2025 तक योजना में आवेदन किया जा सकता है।` जारी जानकारी में जिला उपायुक्त ने किसानों से योजना के अंतर्गत धान, बाजरा, कपास, मक्का और मूंग जैसी प्रमुख खरीफ फसलों का बीमा करवाने का आह्वान किया। उन्होंने बताया कि यह योजना किसानों को बेहद कम प्रीमियम दरों पर व्यापक सुरक्षा प्रदान करती है। किसानों को धान, बाजरा, मक्का और मूंग की फसलों के लिए बीमित राशि का केवल दो प्रतिशत और कपास की फसल के लिए पांच प्रतिशत प्रीमियम देना होगा। शेष बीमा प्रीमियम का भुगतान राज्य सरकार और केंद्र सरकार द्वारा संयुक्त रूप से किया जाएगा। योजना की विशेषता यह है कि बेमौसमी बारिश, ओलावृष्टि,

आंधी-तूफान या अन्य प्राकृतिक आपदाओं से यदि खेत स्तर पर फसल को नुकसान होता है, तो किसान को उस नुकसान की भरपाई के लिए क्लेम दिया जाएगा। धान को छोड़कर अन्य फसलों में जलभराव के कारण होने वाली क्षति भी योजना के अंतर्गत कवर की जाएगी। उन्होंने बताया कि यह योजना खेती को जोखिम मुक्त बनाने की दिशा में एक क्रांतिकारी कदम है, जिससे हर साल करोड़ों किसान लाभान्वित हो रहे हैं। बीमा के लिए आवेदन पोर्टल पर ऑनलाइन किया जा सकता है या नजदीकी कॉमन सर्विस सेंटर के माध्यम से भी फॉर्म भरे जा सकते हैं।

हैबतपुर मेडिकल कालेज में अगस्त से शुरू होगी ओपीडी

एजेंसी

जींद। हरियाणा विधानसभा के डिप्टी स्पीकर डा. कृष्ण मिड्ढा ने कहा कि हैबतपुर में बन रहे मेडिकल कालेज में अगस्त माह से ओपीडी शुरू हो जाएगी। सरकार का उद्देश्य है कि लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान की जाएं। जिसके लिए करोड़ों रुपये धन राशि से जींद में मेडिकल कालेज बनाया गया है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि मेडिकल कालेज में अगले माह से ओपीडी सेवाएं शुरू करवाई जानी है। इसके लिए आवश्यक कदम उठाए जाए। हरियाणा विधानसभा के डिप्टी स्पीकर डा. कृष्ण मिड्ढा लोक निर्माण विश्राम गृह के सभागार में विभिन्न विभागों के अधिकारियों की बैठक को संबोधित कर रहे थे और विकास परियोजनाओं को लेकर दिशा-निर्देश दिए। डा. मिड्ढा ने कहा कि जिला नगर योजनाकार शहर की भविष्य की जरूरतों के अनुरूप वर्ष 2041 का मास्टर प्लान तैयार करेंए ताकि शहर का सर्वांगीण विकास हो सके। शहर में शीघ्र ही बौटेनिकल गार्डन बनाया जाएगा। इसके लिए करीब 150

करोड़ की राशि मंजूर करवाई गई है। विधानसभा क्षेत्र में जितनी भी विकासात्मक योजनाएं चल रही है, उन्हें समयबद्ध पूरा किया जाए ताकि आमजन को इसका लाभ मिल सके। शहर की जरूरत को देखते हुए नगर परिषद की सीमा में विस्तार किया जाएगा ताकि बढी हुई इस सीमा के अन्तर्गत आने वाले लोगों को लाभ मिल सके। उन्होंने कहा कि हम सब धार्मिक भावना से जुड़कर गौसेवा करते है। शहर से बरसाती पानी निकासी के लिए संबंधित विभागों द्वारा किए गए कार्यो का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि आज पूरे प्रदेश में जींद शहर अव्वल दर्जा हासिल कर चुका है। जहां बरसाती पानी निकासी के लिए कम से कम समय लगता है।

जल निकासी में खामियों पर अधिकारियों को लगाई फटकार

एजेंसी

पलवल। उपायुक्त डॉ. हरीश कुमार वशिष्ठ ने होडल व हसनपुर खंड के विभिन्न क्षेत्रों का दौरा कर जलभराव, सफाई व्यवस्था एवं ड्रेनेज सिस्टम का निरीक्षण किया। उन्होंने क्षेत्र की जमीनी हकीकत को परखते हुए कई स्थानों पर अधिकारियों को फटकार लगाई और तत्काल समाधान के निर्देश दिए। इस अवसर पर स्थानीय विधायक हरेंद्र सिंह भी उनके साथ मौजूद रहे। डॉ. वशिष्ठ ने दौरे की शुरुआत पुन्हाना मोड़ कॉलेज के सामने नाले का जायजा लेकर की। उन्होंने जगजीवन राम चौक से महारानी किशोरी कॉलेज तक निर्माणाधीन नाले की समीक्षा की और कैच पिट बनाने के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि सड़कों पर पानी का जमाव किसी भी स्थिति में स्वीकार नहीं किया जाएगा। नानक डेयरी रोड से होते हुए वे अग्रसेन चौक पहुंचे, जहां उन्होंने सीवर की सफाई एवं पाइपलाइन जोड़ने के निर्देश दिए। अनाज मंडी पहुंचकर उपायुक्त वहां की सफाई व्यवस्था से असंतुष्ट नजर आए। उन्होंने बंद पड़े पंप को लेकर अधिकारियों से जवाब-तलब किया। गढ़ी रोड से होते हुए गढ़ी पट्टी गांव पहुंचे, जहां जोहड़ की स्थिति खराब मिलने पर उन्होंने सेनेटरी

इंस्पेक्टर को नोटिस जारी करने के निर्देश दिए। गढ़ी मोड़ पर भी जोहड़ की सफाई न होने पर उन्होंने व्यवस्था सुधारने को कहा। भिडुकी गांव में निरीक्षण के दौरान जब गली में जलभराव मिला, तो उपायुक्त ने पीछे हटने के बजाय एक ग्रामीण की मोटरसाइकिल पर बैठकर संकरी गलियों में दौरा किया और मौके पर ही जल निकासी के निर्देश दिए। विधायक हरेंद्र सिंह के आग्रह पर उपायुक्त दीघोट पहुंचे, जहां फिरनी निर्माण की मांग पर उन्होंने जिला परिषद के माध्यम से कार्य करवाने की बात कही। साथ ही ड्रेन की सफाई के निर्देश भी दिए। सरकारी मॉडल संस्कृति विद्यालय नंबर-3 के समीप जोहड़ की खुदाई और सफाई व्यवस्था की समीक्षा करते हुए उपायुक्त ने रेन वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम लगाने के निर्देश भी दिए। विश्राम गृह होडल में आयोजित बैठक में उन्होंने जल संरक्षण के स्थायी उपायों पर जोर दिया। उपायुक्त ने पंचायती राज, जनस्वास्थ्य, सिंचाई व नगर परिषद अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे हर गांव व शहरी क्षेत्र से जलभराव की विस्तृत रिपोर्ट एक सप्ताह के भीतर प्रस्तुत करें। उन्होंने कहा कि इस मुद्दे पर 'जीरो टॉलरेंस नीति' अपनाई जाएगी और झूठी रिपोर्ट देने वाले ग्राम सचिवों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी। इस अवसर पर विधायक हरेंद्र सिंह ने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी व केंद्रीय मंत्री कृष्णपाल गुर्जर के मार्गदर्शन में होडल क्षेत्र का तीव्र गति से विकास हो रहा है। उपायुक्त के नेतृत्व में सफाई एवं जल निकासी की व्यवस्थाओं में उल्लेखनीय सुधार हो रहा है।

भाजपा मीडिया प्रमुख बने डॉ. राममेहर राठी ने मुख्यमंत्री से आशीर्वाद लिया

एजेंसी

सोनीपत। भाजपा जिला गोहाना की कार्यकारिणी में धनाना निवासी डॉ. राममेहर राठी को मीडिया प्रमुख नियुक्त किया गया है। नियुक्ति के बाद उन्होंने मुख्यमंत्री नायब सैनी से भेंट कर आभार प्रकट किया और पार्टी सेवा के लिए आशीर्वाद प्राप्त किया। डॉ. राठी ने इस नई जिम्मेदारी के लिए भाजपा के केन्द्रीय नेतृत्व, मुख्यमंत्री नायब सैनी, प्रदेशाध्यक्ष मोहनलाल बडौली, संगठन महामंत्री फणींद्र नाथ शर्मा, कैबिनेट मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा, गोहाना के जिला अध्यक्ष बिजेंद्र मलिक, बरोदा हलके से पूर्व प्रत्याशी प्रदीप सांगवान एवं पूर्व विधायक रामफल चिड़ाना का धन्यवाद किया। उन्होंने विश्वास दिलाया कि वह पार्टी द्वारा सौंपी गई जिम्मेदारी को पूरी निष्ठा,ईमानदारी और सक्रियता से निभाएंगे। डॉ. राठी इससे पहले भाजपा जिला सोनीपत में मीडिया सह प्रभारी के रूप में कार्य कर चुके हैं।

प्रदेश में हर वर्ग की खुशहाली के लिए सरकार कर रही विकास कार्य: पंवार

एजेंसी

पानीपत। हरियाणा के पंचायत और खनन मंत्री कृष्णलाल पंवार ने जिला सचिवालय स्थित उपायुक्त कार्यालय में विभिन्न विभागों के अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक कर क्षेत्र में सरकार द्वारा कराए जा रहे विकास कार्यों की प्रगति जानी व आवश्यक दिशा निर्देश दिए। मंत्री ने कहा कि सरकार प्रदेश में विकास को प्राथमिकता देकर तेजी से विकास कार्य कर रही है। ग्रामीण व शहरी क्षेत्र में समानता पूर्वक विकास कार्य कराए जा रहे हैं। कैबिनेट मंत्री ने कहा कि अधिकारी जहां-जहां विकास कार्य हो रहे हैं उन स्थानों का समय निकाल कर निरीक्षण भी करें और कार्य में और तेजी लाने का प्रयास करें। उन्होंने बताया की खंड मडलौडा में मनरेगा के तहत खेतों के रास्ते पक्के करने का कार्य किया जा रहा है। कुल 24 रास्तों में ज्यादातर का कार्य पूर्ण हो चुका है।

इसराना खंड के खेतों के कुल 20 रास्तों को बनाने का काम तेजी से किया जा रहा है। इसमें कुछ का कार्य बचता है जिसे जल्द पूरा कर लिया जाएगा। कैबिनेट मंत्री ने इस दौरान संबंधित विभाग के कार्य निश्चित समय अवधि में पूर्ण किए जाएंगे। जिन - जिन विभागों के अंतर्गत ये विकास कार्य आते हैं उन विभागों के अधिकारियों को इन विकास कार्यों में और तेजी लाने के

अधिकारियों से खेत खलियान योजना की प्रगति की जानकारी भी ली। उपायुक्त डॉक्टर विरेंदर कुमार दहिया ने कैबिनेट मंत्री कृष्ण लाल पंवार को बताया कि सभी विकास निर्देश दिए गए है। इस मौके पर सीईओ डॉक्टर किरण के अलावा कार्यक्रम अधिकारी रणसिंह वर्मा के अलावा कई अन्य विभागो के अधिकारी मौजूद रहे।

हरियाणा सरकार लाएगी जन विश्वास विधेयक

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा सरकार प्रदेश में निवेश और व्यापार को बढ़ावा देने के लिए हरियाणा जन विश्वास विधेयक लाने जा रही है। यह विधेयक न केवल छोटे-मोटे अपराधों को अपराध-मुक्त बनाएगा, बल्कि रेगुलेटरी अड़चनों को दूर कर विभागीय कंप्लायंस का बोझ भी कम करेगा। कैबिनेट सचिवालय के विशेष सचिव केके पाठक की अध्यक्षता में हुई बैठक में हरियाणा के मुख्य सचिव अनुराग रस्तोगी ने इस विधेयक और संबंधित सुधारों की जानकारी दी। बैठक में बताया गया कि यह पहल राज्य में व्यवसाय-अनुकूल माहौल बनाने की दिशा में एक बड़ा कदम है। हरियाणा के मुख्य सचिव ने कहा कि राज्य में विनियमन को सरल बनाया जाए, अनुपालन का बोझ घटे और छोटे अपराधों को अपराध-मुक्त कर कारोबारी सहुलियत बढ़ाई जाए। इससे राज्य में निवेश को बढ़ावा मिलेगा और व्यापार करना और आसान होगा। इसके तहत 36 पुराने एक्ट समाप्त किए जाएंगे और छोटे अपराधों को खत्म किया जाएगा। मुख्य सचिव ने कहा कि राज्य सरकार का दृष्टिकोण समग्र है। चाहे औद्योगिक स्वीकृतियों को सुव्यवस्थित करना हो, भू-अभिलेखों का डिजिटलीकरण हो या भवन बिल्डिंग कोड को सरल बनाना हो, हर उपाय का मकसद निवेशकों का भरोसा बढ़ाना और उद्यम को सहायता देना है।

हरियाणा के उद्योग एवं वाणिज्य विभाग के आयुक्त एवं सचिव डॉ. अमित कुमार अग्रवाल ने कहा कि पिछले एक दशक में, हरियाणा ने तीन प्रमुख विभागों में 36 पुराने अधिनियमों को निरस्त किया है और 37 छोटे आपराधिक प्रावधानों को हटाया है। इस सुधार की अगुआई कर रहे उद्योग एवं वाणिज्य विभाग ने 37 विभागों के 230 से अधिक अधिनियमों की समीक्षा शुरू की है।

उज्ज्वल दृष्टि हरियाणा अभियान का शुभारंभ, जरूरतमंदों को चश्मे वितरित

एजेंसी

सिरसा। जिला व खंड स्तर पर उज्ज्वल दृष्टि हरियाणा अभियान के तहत स्वास्थ्य विभाग द्वारा 150 से ज्यादा जरूरतमंद बुजुर्गों व बच्चों को निश्शुल्क चश्में वितरित किए गए। सिविल सर्जन डॉ महेंद्र कुमार भादू ने बताया कि हिसार से उज्ज्वल दृष्टि हरियाणा अभियान का शुभारंभ किया गया है। इसी कड़ी में सामान्य अस्पताल सिरसा में कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसके तहत जिला व खंड स्तर पर कार्यक्रम आयोजित किए गए। उन्होंने कहा कि अभियान का उद्देश्य बुजुर्गों व बच्चों की जांच कर निश्शुल्क चश्में प्रदान करना है वहीं डिप्टी सिविल सर्जन डॉ विपुल गुप्ता ने कहा कि इस अभियान के तहत सिरसा जिले में बच्चों और बुजुर्गों को आंखों की मुफ्त जांच कर निश्शुल्क चश्मा दिए जाएंगे। यह अभियान राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन स्वास्थ्य विभाग हरियाणा द्वारा चलाए जा रहा है। इस प्रोग्राम का मुख्य उद्देश्य जरूरतमंद लोगों की आंखों की जांच करके उन्हें चश्मा प्रदान करना और दृष्टिहीनता

को जड़ से समाप्त करना है। इस अभियान के तहत 45 साल से अधिक आयु के व्यक्तियों को नजदीक के चश्मे मुफ्त में दिए जाएंगे और स्कूली बच्चों की आंखों की जांच करके उनके चश्मा भी स्कूल स्तर पर निशुल्क उपलब्ध करवाए जाएंगे। उप मंडल अधिकारी नागरिक अस्पताल डबवाली में भी कार्यक्रम आयोजित किए गए, जिसमें 50 व्यक्तियों को निशुल्क चश्मे वितरित किए गए। इस दौरान डॉ. सूरजभान कंबोज, डॉ प्रमोद शर्मा, डॉ पवन, डॉ. राजेश चौधरी, डॉ. विपुल गुप्ता, डॉ. अमनदीप, स. प्रीतम सिंह, कमल कक्कड़, राहुल शर्मा, वरुण खन्ना, गायत्री देवी, शशि बाला आदि उपस्थित थे।

सरकार का लक्ष्य, सभी परियोजनाएं समय पर पूरी हों: डॉ विवेक भारती

एजेंसी

नारनौल। मुख्यमंत्री की ओर से जिला महेंद्रगढ़ के लिए की गई विभिन्न परियोजनाओं की घोषणाओं की प्रगति को लेकर उपायुक्त डॉ विवेक भारती ने विभिन्न विभागों के अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। उपायुक्त ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि मुख्यमंत्री की ओर से विभिन्न अवसर पर की गई इन घोषणाओं पर तेजी से अमल किया जाए। उन्होंने बताया कि सरकार का लक्ष्य है कि सभी परियोजनाएं समय पर पूरी हों ताकि आमजन को उसका लाभ मिले। खुडाना गांव में प्रस्तावित आईएमटी (औद्योगिक मॉडल टाउनशिप) के संबंध में हरियाणा राज्य औद्योगिक और आधारभूत संरचना विकास निगम के अधिकारियों ने बताया कि क्षेत्र में औद्योगिक विकास और रोजगार सृजन के लिए यह एक महत्वपूर्ण प्रस्तावित परियोजना है। इसके लिए खुडाना पंचायत की प्रस्तावित 1654 एकड़ भूमि चिन्हित की गई थी। इस भूमि के लिए दो मुख्य रास्ते बनाए जाने थे। इन रास्तों के लिए अभी किसानों की ओर से

जमीन नहीं दी गई है। इसके लिए दो बार ई-भूमि पोर्टल खोला गया है। अभी तक पूरी जमीन के लिए किसानों की ओर से सहमति नहीं आई है। जैसे ही किसानों की ओर से इन दोनों रास्तों के लिए सहमति प्राप्त हो जाएगी, इस प्रोजेक्ट के लिए आगे की कार्रवाई शुरू हो सकेगी। इसके अलावा उन्होंने नारनौल शहर में छलक नाले का निर्माण कार्य भी पूरा करने के निर्देश दिए। वहीं नागरिक अस्पताल नारनौल के निर्माण अधिनियम भवन को जल्द पूरा करने के निर्देश दिए। इस मौके पर अतिरिक्त उपायुक्त सुशील कुमार, जिला परिषद के सीईओ मनोज कुमार, सीएमओ डॉ अशोक कुमार, डीडीपीओ हरिप्रकाश बंसल के अलावा अन्य अधिकारी की मौजूद रहे।

वॉकहार्ट ने अमेरिकी जेनेरिक कारोबार से हटने का फैसला किया

- कंपनी को वित्त वर्ष 2024-25 में उसे लगभग 80 लाख डॉलर का नुकसान हुआ

नई दिल्ली ।

मुंबई स्थित दवा कंपनी वॉकहार्ट ने अमेरिकी जेनेरिक दवाओं के कारोबार से बाहर निकलने का फैसला किया है। कंपनी ने कहा कि उसका यह कदम एक नवाचार-संचालित दवा उद्यम के रूप में खुद को पुनः स्थापित करने की दीर्घकालिक रणनीति का हिस्सा है। वॉकहार्ट अब एंटीबायोटिक्स और जैविक दवाओं, खासकर मधुमेह के इलाज में उपयोगी इंसुलिन जैसे उत्पादों के विकास पर ध्यान केंद्रित करेगी। कंपनी ने एक बयान में बताया कि अमेरिकी जेनेरिक कारोबार पिछले कई वर्षों से घाटे में चल रहा था और वित्त वर्ष 2024-25 में उसे लगभग 80 लाख डॉलर का नुकसान हुआ। इस घाटे और व्यापक रणनीतिक समीक्षा के बाद, कंपनी ने अमेरिकी बाजार से पूरी तरह हटने का निर्णय लिया है। इसके तहत वॉकहार्ट ने अमेरिकी दिवाला कानून के तहत अपनी दो अमेरिकी अनुषंगी कंपनियों मॉर्टन ग्रोव फार्मास्युटिकल्स और वॉकहार्ट यूएसए एलएलसी को स्वैच्छिक परिसमापन में डाल दिया है। वॉकहार्ट का मानना है कि यह निर्णय उसके अनुसंधान और नवाचार के एजेंडे को सशक्त बनाएगा। कंपनी का फोकस अब वैश्विक स्तर पर नई एंटीबायोटिक दवाओं की खोज और मधुमेह के इलाज में आधुनिक जैविक दवाओं के विकास पर रहेगा। हालांकि कंपनी अमेरिकी जेनेरिक कारोबार से हट रही है, लेकिन उसने स्पष्ट किया है कि वह भारत, ब्रिटेन, आयरलैंड और अन्य क्षेत्रों में अपने मजबूत संचालन को जारी रखेगी और वहां के व्यवसायों को और सशक्त बनाएगी।

कच्चे तेल की कीमतों में उछाल

देश में पेट्रोल-डीजल के दामों में मिला-जुला असर

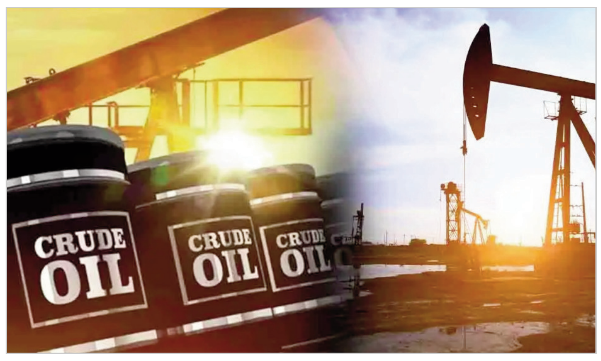

नई दिल्ली।

अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में लगातार उतार-चढ़ाव जारी है। बीते 24 घंटे में ब्रेंट क्रूड की कीमत बढ़कर 69.13 डॉलर प्रति बैरल और डब्ल्यूटीआई क्रूड 67.13 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया है। इस उछाल का असर घरेलू ईंधन बाजार पर भी पड़ा है। पेट्रोलियम कंपनियों ने 8 जुलाई को पेट्रोल-डीजल के नए दाम जारी किए हैं, जिनमें राज्यों के हिसाब से भिन्नता देखने को मिली है। उत्तर प्रदेश और बिहार में पेट्रोल-डीजल के भावों में बदलाव हुआ है। यूपी के गौतमबुद्ध नगर जिले में पेट्रोल 8 पैसे महंगा होकर 94.85 रुपये प्रति लीटर हो गया है, वहीं डीजल 9 पैसे की बढ़त के साथ 87.98 रुपये प्रति लीटर पर पहुंच गया है। इसके विपरीत गाजियाबाद में पेट्रोल 96 पैसे सस्ता होकर 94.44 रुपये और डीजल 1.09 रुपये घटकर 87.51 रुपये प्रति लीटर पर आ गया है। बिहार की राजधानी पटना में राहत की खबर है। यहां पेट्रोल की कीमत 18 पैसे घटकर 105.23 रुपये प्रति लीटर हो गई है, जबकि डीजल 17 पैसे की गिरावट के साथ 91.49 रुपये प्रति लीटर बिक रहा है।

विशेषज्ञों के अनुसार, कच्चे तेल की वैश्विक कीमतें अगले कुछ दिनों में और बदल सकती हैं, जिसका सीधा असर भारत में ईंधन दरों पर पड़ेगा। आम जनता को फिलहाल थोड़ी राहत जरूर मिली है, लेकिन आगे की स्थिति अंतरराष्ट्रीय बाजार पर निर्भर करेगी।

पुराने एसी बदलने पर सस्ती दरों पर मिलेगा नया 5-स्टार एसी

- बिजली की खपत कम होगी और पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा मिलेगा

नई दिल्ली ।

ऊर्जा मंत्रालय जल्द ही एक नई योजना शुरू करने जा रहा है, जिसका उद्देश्य 10 साल से पुराने एयर कंडीशनर (एसी) को हटाकर ऊर्जा कुशल 5-स्टार रेटिंग वाले नए एसी को बढ़ावा देना है। इस योजना के तहत उपभोक्ताओं को बाजार मूल्य से कम दर पर नया एसी खरीदने का अवसर मिलेगा। इससे देश में बिजली की खपत कम होगी और पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा मिलेगा। सरकार पुराने एसी के बदले सब्सिडी देने की योजना बना रही है। इसके लिए उपभोक्ता अपने पुराने एसी को अधिकृत ई-वेस्ट मैनेजमेंट पार्टनर या बिजली वितरण कंपनियों (डिस्कॉम) के पास जमा कर सकेंगे। बदले में उन्हें नए एसी पर छूट मिलेगी। यह मॉडल उजाला योजना जैसा होगा, जिसमें एलईडी बल्बों की भारी मात्रा में बिक्री की गई थी। एक अन्य प्रस्ताव के तहत कंपनियों को पुराने एसी के बदले उपभोक्ताओं को बेहतर स्क्रैप वैल्यू देने को कहा जाएगा। इसके लिए सरकार कंपनियों को इंसेंटिव भी दे सकती है। उपभोक्ता इस वैल्यू का उपयोग रिटेल स्टोर से नया एसी खरीदने में कर सकेंगे। भारत में फिलहाल करीब 5 करोड़ एसी ऐसे हैं जो 10 साल से ज्यादा पुराने हैं। विशेषज्ञों के अनुसार, इन्हें बदलने से ऊर्जा दक्षता में 10 फीसदी तक सुधार होगा। हालांकि, इससे नए एसी की कीमत में 5-7 फीसदी तक वृद्धि हो सकती है। ब्यूरो ऑफ एनर्जी एफिशिएंसी अब हर दो साल में स्टार रेटिंग और एफिशिएंसी मानकों को अपडेट करने पर विचार कर रहा है। अगला संशोधन 2026 और फिर 2028 में प्रस्तावित है। सरकार और उद्योग जगत के बीच इस योजना को लेकर लगातार बैठकें चल रही हैं।

रिफंड्स में तेज़ी से घटा प्रत्यक्ष कर संग्रह

- 2025 की पहली तिमाही में सिर्फ 5.63 लाख करोड़ रहा

नई दिल्ली ।

वित्त वर्ष 2025 की शुरुआत में केंद्र सरकार को प्रत्यक्ष कर संग्रह के मोर्चे पर झटका लगा है। 10 जुलाई तक शुद्ध प्रत्यक्ष कर संग्रह (नेट डायरेक्ट टैक्स कलेक्शन) 1.3 फीसदी घटकर 5.63 लाख करोड़ रह गया है। यह पिछले वर्ष की समान अवधि की तुलना में कम है।

इस गिरावट की मुख्य वजह टैक्स रिफंड्स में तेज़ी रही। इस साल अब तक आयकर विभाग ने 1.02 लाख करोड़ रुपए रिफंड जारी किए हैं, जो पिछले साल की तुलना में 38 फीसदी अधिक है। रिफंड से पहले सकल कर संग्रह (ग्रोस टैक्स कलेक्शन) 3.17 फीसदी बढ़कर 6.65 लाख करोड़ रुपए रहा, लेकिन रिफंड की अधिकता के कारण नेट कलेक्शन प्रभावित हुआ। कॉरपोरेट टैक्स संग्रह में 3.7 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई, जबकि कुछ हिस्सों में 9.42 फीसदी की ग्रॉस वृद्धि देखी गई।

विशेषज्ञों का मानना है कि कंपनियों के पूंजीगत खर्च में वृद्धि के कारण डिप्रिसिएशन क्लेम ज़्यादा हुआ, जिससे टैक्स देनदारी घटी। गैर-कॉरपोरेट करदाताओं – जैसे व्यक्तिगत आयकरदाता, हिंदू अविभाजित परिवार, फर्म आदि से संग्रह भी मामूली 0.04 फीसदी घटा है। इस श्रेणी में रिफंड राशि 12,114 करोड़ रही, जो सालाना आधार पर 27 फीसदी कम है। एकमात्र उजली तस्वीर सिक्योरिटीज ट्रांजैक्शन की रही, जिसमें 7.46 फीसदी की वृद्धि हुई और यह 17,874 करोड़ रुपए तक पहुंच गया। विशेषज्ञों का मानना है कि नया आयकर स्लैब ढांचा, जिसमें ज्यादा छूटें हैं, और रिफंड नीतियों की वजह से सरकार की टैक्स आमदनी में गिरावट आई है। सरकार के लिए यह संकेत है कि राजस्व नीति में संतुलन जरूरी है, ताकि राहत देने के साथ-साथ स्थायी आय सुनिश्चित की जा सके।

अगले हफ्ते खुल रहे हैं 3 नए म्युचुअल फंड, जानिए निवेश का पूरा प्लान

- फंड 14 जुलाई से लेकर 20 जुलाई के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुले रहेंगे

नई दिल्ली ।

अगले सप्ताह निवेशकों के लिए म्युचुअल फंड की तीन नई योजनाएं बाजार में आ रही हैं। ये फंड 14 जुलाई से लेकर 20 जुलाई के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुलेंगे और विभिन्न निवेश उद्देश्यों व जोखिम स्तरों के अनुसार डिज़ाइन किए गए हैं। इसमें शामिल हैं- निप्पॉन इंडिया निफ्टी 1डी रेट लिक्विड ईटीएफ, कैपिटलमाइंड फ्लेक्सी कैप फंड, और ग्रो बीएसई पावर ईटीएफ। निप्पॉन इंडिया निफ्टी 1डी रेट लिक्विड ईटीएफ एक ओपन-एंडेड डेट स्कीम है, जो 16 जुलाई से 18 जुलाई तक सब्सक्रिप्शन के लिए खुली रहेगी। इसमें निवेश की शुरुआत 1,000 रुपए से की जा सकती है। यह स्कीम बिना लॉक-इन अवधि और एग्जिट लोड के आती है। इस फंड का उद्देश्य सरकारी प्रतिभूतियों, ट्रेजरी बिल्स और रेपो साधनों में निवेश कर कम जोखिम के साथ उच्च तरलता और नियमित आय देना है। यह स्कीम लो रिस्क कैटेगरी में आती है। कैपिटलमाइंड फ्लेक्सी कैप फंड, एक ओपन-एंडेड इक्विटी फंड है, जो 18 जुलाई से 28 जुलाई 2025 तक खुला रहेगा। इसमें निवेश की न्यूनतम राशि 5,000 रुपए है। इस योजना में लॉक-इन तो नहीं है, लेकिन 12 महीने के भीतर निकासी करने पर एक फीसदी का एग्जिट लोड लगेगा। यह फंड लार्ज, मिड और स्मॉल कैप शेयरों में निवेश कर लॉन्ग टर्म में पूंजी वृद्धि का लक्ष्य रखता है। इसे हाई रिस्क स्कीम के रूप में वर्गीकृत किया गया है। ग्रो बीएसई पावर ईटीएफ एक थीमैटिक ओपन-

एंडेड इक्विटी फंड है, जो विशेष रूप से पावर सेक्टर में निवेश करेगा। यह फंड 18 जुलाई से 1 अगस्त तक सब्सक्रिप्शन के लिए खुला रहेगा और इसमें न्यूनतम 500 रुपए से निवेश संभव है। यह स्कीम बहुत अधिक जोखिम वाले निवेशकों के लिए उपयुक्त है, जो थीमैटिक सेक्टर ग्रोथ में विश्वास रखते हैं। निवेशक अपनी वित्तीय योजना, लक्ष्य और जोखिम झेलने की क्षमता के अनुसार इनमें से उपयुक्त फंड चुन सकते हैं।

'एक्स' ने भारत में सदस्यता शुल्क में की बड़ी कटौती

नई दिल्ली । सोशल नेटवर्किंग प्लेटफॉर्म 'एक्स' ने भारत में अपने खाते की सदस्यता शुल्क में भारी कमी की है। कंपनी ने मोबाइल ऐप पर 'प्रीमियम' खाते का मासिक शुल्क 900 रुपए से घटाकर लगभग 470 रुपए कर दिया है, जो लगभग 48 प्रतिशत की कटौती है। वेबसाइट पर 'प्रीमियम' सेवा का शुल्क 650 से घटाकर 427 रुपए किया गया है। सामान्य ग्राहक के लिए मासिक शुल्क 243.75 रुपए से कम होकर 170 रुपए हो गया है, जबकि वार्षिक शुल्क 2,590.48 से घटाकर 1,700 कर दिया गया है। 'प्रीमियम प्लस' सदस्यता का मोबाइल संस्करण 3,470 से घटाकर 2,570 रुपये पर उपलब्ध है। इन बदलावों का उद्देश्य भारतीय उपयोगकर्ताओं के लिए सदस्यता सेवाओं को अधिक किफायती बनाना बताया गया है। 'एक्स' में प्रीमियम ग्राहकों को उनके नाम या आईडी के बगल में एक 'चेकमार्क' मिलता है, जो उनकी पहचान को विशेष बनाता है। कंपनी ने यह जानकारी अपने पोर्टल और सोशल मीडिया हैंडल के माध्यम से साझा की है।

भारत में निवेश के लिए सऊदी कंपनियों को नड्डा का आमंत्रण

नई दिल्ली । सऊदी अरब की आधिकारिक यात्रा पर गए केंद्रीय रसायन एवं उर्वरक मंत्री जे. पी. नड्डा ने शनिवार को सऊदी कंपनियों से भारत में निवेश के अवसरों का लाभ उठाने का आग्रह किया। उनके साथ भारतीय उर्वरक कंपनियों के वरिष्ठ अधिकारी और प्रतिनिधि भी मौजूद थे। यात्रा के दौरान नड्डा ने सऊदी-भारत व्यापार परिषद के चेयरमैन अब्दुलअजीज अल कहतानी से मुलाकात की और दोनों देशों के बीच व्यापार और निवेश के क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने पर चर्चा की। उन्होंने सऊदी अरब के पूर्वी प्रांत दम्मम में व्यापारिक समुदाय से भी संवाद किया और भारत में रसायन, उर्वरक और पेट्रोकेमिकल जैसे क्षेत्रों में निवेश की संभावनाओं को रेखांकित किया। एक आधिकारिक बयान में कहा गया है कि मंत्री ने सऊदी कंपनियों को भारत में मौजूद व्यापक अवसरों के बारे में जानकारी दी और उन्हें साझेदारी के लिए आगे आने को प्रोत्साहित किया।

गिफ्ट सिटी से भारतीय विमानन उद्योग को सालाना मिलेंगे 5 अरब डॉलर

मुंबई । नागर विमानन मंत्री के. राममोहन नायडू ने कहा है कि गुजरात स्थित गिफ्ट सिटी (गुजरात इंटरनेशनल फाइनेंस टेक-सिटी) के माध्यम से भारत में विमानों को पट्टे पर लेने की प्रक्रिया न केवल आसान हुई है, बल्कि इससे विमानन उद्योग को हर साल लगभग 5 अरब डॉलर तक का लाभ मिलने की संभावना है। गांधीनगर में स्थित गिफ्ट सिटी को विशेष आर्थिक क्षेत्र (एसईजेड) के रूप में विकसित किया गया है, जो विमान पट्टे की प्रक्रिया को कर लाभ और नियामकीय छूट के जरिए सरल बनाता है। इस क्षेत्र में पंजीकृत पट्टादाताओं को विमान आयात या पट्टे पर लेने के लिए पूर्व अनुमोदन की आवश्यकता नहीं होती, जिससे प्रक्रिया तेज और लागत प्रभावी हो गई है। नायडू ने पश्चिमी क्षेत्रीय विमानन मंत्रियों के सम्मेलन में कहा कि गिफ्ट सिटी की स्थापना के बाद, विमान पट्टे की लागत में 10 से 15 प्रतिशत की कमी देखी गई है, जिससे एयरलाइंस को बेड़े विस्तार में मदद मिल रही है। उन्होंने यह भी बताया कि भारत के 80 प्रतिशत वाणिज्यिक विमान पट्टे पर हैं, जिससे गिफ्ट सिटी की भूमिका और भी अहम हो जाती है।

आईफोन 17 के उत्पादन पर नहीं पड़ेगा असर

फॉक्सकॉन से चीनी इंजीनियरों की वापसी के बाद सरकार सतर्क

नई दिल्ली। एप्पल के प्रमुख विनिर्माण साझेदार फॉक्सकॉन के भारत स्थित संयंत्रों से सैकड़ों चीनी प्रौद्योगिकी विशेषज्ञों के लौटने के बाद संभावित उत्पादन व्यवधान की अटकलों के बीच केंद्र सरकार ने कहा है कि स्थिति पर निगरानी रखी जा रही है और एप्पल के पास विकल्प मौजूद हैं। सूत्रों के अनुसार फॉक्सकॉन के तमिलनाडु संयंत्र में कार्यरत ये इंजीनियर असेंबली लाइन, फैक्टरी डिजाइन और मशीनों के संचालन के लिए कर्मचारियों को प्रशिक्षित करने जैसे कार्यों में माहिर थे। हालांकि, सरकार और उद्योग सूत्रों का मानना है कि इससे आईफोन 17 के उत्पादन पर कोई खास असर नहीं पड़ेगा। एप्पल सितंबर में इस नई श्रंखला को लॉन्च करने की तैयारी कर रहा है। सरकार ने कहा है कि कंपनियों को चीनी कर्मचारियों के वीज़ा में सुविधा दी गई है, लेकिन उन्हें यह सुनिश्चित करना होगा कि उत्पादन में कोई बाधा न आए। उद्योग से जुड़े सूत्रों ने बताया कि एप्पल भारत में अपना उत्पादन तेजी से बढ़ा रहा है। कंपनी 2024-25 में आईफोन का उत्पादन बढ़ाकर लगभग 6 करोड़ यूनिट तक पहुंचाने की योजना पर काम कर रही है, जो वर्तमान में 3.5-4 करोड़ के आसपास है। टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स भी इस उत्पादन में सहयोग कर रही है।

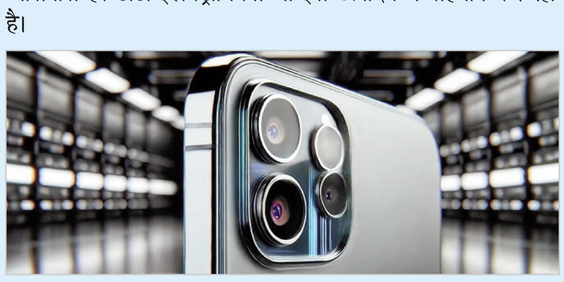

अनिश्चितता के कारण शेयर बाजार में लगातार दूसरे सप्ताह गिरावट रही

- सेंसेक्स और निफ्टी में एक फीसदी से अधिक की गिरावट दर्ज की गई

मुंबई ।

भारतीय शेयर बाजार में लगातार दूसरे सप्ताह गिरावट का दौर जारी रहा। इस सप्ताह निवेशकों के मन में अमेरिका की टैरिफ योजना को लेकर बनी अनिश्चितता, अर्निंग सीजन की निराशाजनक शुरुआत और भारत-अमेरिका व्यापार समझौते को अंतिम रूप देने में हो रही देरी ने बाजार में अस्थिरता पैदा कर दी। इन कारणों से प्रमुख सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी में एक फीसदी से अधिक की गिरावट दर्ज की गई। साप्ताहिक कारोबार के दौरान सोमवार को सेंसेक्स 170 अंक गिरकर 83,262 के स्तर पर खुला, हालांकि कारोबार के अंत तक इसमें मामूली सुधार हुआ और यह 83,442 पर बंद हुआ। वहीं निफ्टी 53 अंक गिरकर 25,407 पर खुला और बाद में थोड़ा ऊपर 25,461 पर बंद हुआ। मंगलवार को भी दोनों सूचकांक गिरावट में खुले लेकिन दिन के अंत में सेंसेक्स 270 अंक की बढ़त के साथ 83,712 पर बंद हुआ, जबकि निफ्टी 61 अंक की बढ़त लेकर 25,522 पर पहुंचा। बुधवार को वैश्विक बाजार के मिले-जुले रुख और टैरिफ अनिश्चितता के कारण बाजार में सतर्कता रही। सेंसेक्स शुरुआत में बढ़त के बावजूद अंत में 176 अंक गिरकर 83,536 पर बंद हुआ, जबकि निफ्टी भी 46 अंक नीचे 25,476 पर बंद हुआ। गुरुवार को हल्की गिरावट के साथ शुरुआत हुई और सेंसेक्स 345 अंक या 0.41 प्रतिशत गिरकर 83,190 पर बंद हुआ। निफ्टी भी

120 अंक नीचे 25,355 पर बंद हुआ। सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिन शुक्रवार को बाजार में भारी दबाव रहा। सेंसेक्स 689 अंक गिरकर 82,500 के स्तर पर बंद हुआ, जो 0.83 प्रतिशत की गिरावट दर्शाता है। निफ्टी भी 205 अंक की गिरावट के साथ 25,149 पर बंद हुआ। कुल मिलाकर इस सप्ताह बाजार में निवेशकों की बेचैनी और सतर्कता देखने को मिली, जिसका कारण वैश्विक व्यापार अस्थिरता और घरेलू आर्थिक संकेतकों की कमजोर स्थिति रही। निवेशकों के लिए फिलहाल सतर्क रहना और आर्थिक नीतियों पर नजर बनाए रखना जरूरी है।

डिविडेंड से कमाई के मामले में शिव नादर नंबर वन

प्रेमजी को पीछे छोड़ा, एक साल में कमाए 9,906 करोड़ रुपए

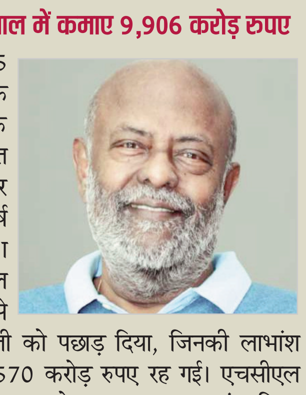

नई दिल्ली। वित्त वर्ष 2025 में एचसीएल टेक्नोलॉजीज के प्रवर्तक शिव नादर भारत के सबसे बड़े लाभांश अर्जित करने वाले कारोबारी बनकर उभरे। नादर परिवार को इस वर्ष 9,906 करोड़ रुपए का लाभांश मिला, जो पिछले साल की तुलना में अधिक है। इससे उन्होंने विप्रो के अजीम प्रेमजी को पछाड़ दिया, जिनकी लाभांश आय 50 फीसदी घटकर 4,570 करोड़ रुपए रह गई। एचसीएल टेक ने वर्ष 2025 में 16,290 करोड़ रुपए का लाभांश दिया, जिसमें नादर परिवार की हिस्सेदारी 60.82 फीसदी रही। वहीं, विप्रो ने इस वर्ष कोई शेयर पुनर्खरीद नहीं की, जिससे प्रेमजी परिवार की कुल आय प्रभावित हुई। दूसरे स्थान पर वेदांत समूह के अनिल अग्रवाल रहे, जिन्होंने 9,600 करोड़ रुपए कमाए। इसके बाद क्रमशः मुकेश अंबानी (3,655 करोड़), एस्टर डीएम हेल्थकेयर के एम ए मूपन (2,574 करोड़) और भारती एयरटेल के सुनील मित्तल (2,357 करोड़) रहे। इन्फोसिस के प्रवर्तकों की आय 2,327 करोड़ रुपए रही, जबकि सन फार्मा के दिलीप सांघवी परिवार को 2,091 करोड़ रुपए का लाभांश मिला। बजाज समूह के नीरज बजाज परिवार की आय 1,645 करोड़ रुपए रही, जो पिछले वर्ष से कम है। गौतम अदाणी परिवार 1,460 करोड़ रुपए के लाभांश के साथ शीर्ष 10 में शामिल हुआ, जिसमें सबसे अधिक 996 करोड़ रुपए अदाणी पोर्ट्स से प्राप्त हुए। यह आंकड़े दर्शाते हैं कि शेयरधारिता और कंपनी की नीति लाभांश आय को किस प्रकार प्रभावित करती है।

भारत का स्वर्ण भंडार इस सप्ताह में 34.2 करोड़ डॉलर बढ़ा

-आरबीआई ने जारी किए आंकड़े, विदेशी मुद्रा भंडार 699.736 अरब डॉलर पर

नई दिल्ली।

भारतीय रिजर्व बैंक के नए साप्ताहिक आंकड़ों के मुताबिक देश का स्वर्ण भंडार इस सप्ताह में 34.2 करोड़ डॉलर बढ़कर 84.846 अरब डॉलर हो गया है। सोने के साथ-साथ, अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष के पास विशेष आहरण अधिकार भी 3.9 करोड़ डॉलर बढ़कर 18.868 अरब डॉलर हो गया है। इसके अलावा आंकड़ों के मुताबिक आईएमएफ में भारत का आरक्षित भंडार भी 10.7 करोड़ डॉलर बढ़कर 4.735 अरब डॉलर हो गया। भंडार में यह बढ़ोतरी ऐसे समय में हुई है जब घरेलू और वैश्विक सर्राफा बाजारों में भारी तेजी देखी जा रही है। आरबीआई ने कहा कि 4 जुलाई को समाप्त सप्ताह में भारत का विदेशी मुद्रा भंडार 699.736 अरब डॉलर रहा। पिछले रिपोर्टिंग सप्ताह में, कुल मुद्रा भंडार 4.849 अरब डॉलर बढ़कर 702.784 अरब डॉलर हो गया था। सितंबर 2024 के आखिर में यह भंडार 704.885 अरब डॉलर के सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गया था। डॉलर के संदर्भ में, विदेशी मुद्रा आस्तियों में विदेशी मुद्रा भंडार में रखे यूरो, पाउंड और येन जैसी गैर-अमेरिकी इकाइयों के मूल्यवृद्धि या मूल्यह्रास का प्रभाव शामिल होता है। शुक्रवार को भारत में सोने और चांदी की कीमतों में जबरदस्त उछाल आया और चांदी की कीमतें सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गईं। ज्वैलर्स एसोसिएशन के मुताबिक 24 कैरेट सोने की कीमत 465 रुपए बढ़कर 97,511 रुपए प्रति 10 ग्राम हो गई, जो एक दिन पहले 97,046 रुपए थी। 22 कैरेट सोने की कीमत बढ़कर 89,320 रुपए प्रति 10 ग्राम और 18 कैरेट सोने की कीमत 73,133 रुपए प्रति 10 ग्राम हो गई। इस बीच आखिरी कारोबारी दिन के पिछले 24 घंटों में चांदी की कीमतों में 2,356 रुपए की बढ़ोतरी हुई और चांदी ने 1,10,290 रुपए प्रति किलोग्राम का नया रिकॉर्ड बनाया गया। चांदी ने 18 जून को दर्ज 1,09,550 रुपए के पिछले सर्वकालिक उच्च स्तर को तोड़ दिया।

वैश्विक स्तर पर भी कीमती धातुओं में तेजी देखी गई। सोना 1.01 फीसदी बढ़कर 3,358 डॉलर प्रति औंस हो गया, जबकि चांदी 2.92 फीसदी बढ़कर 38.40 डॉलर प्रति औंस हो गई। विश्लेषक वैश्विक आर्थिक अनिश्चितता और व्यापार शुल्कों को लेकर नई चिंताओं को सोने जैसी सुरक्षित निवेश परिसंपत्तियों की ओर रुझान का मुख्य कारण बता रहे हैं।

डीडीए की नई हाउसिंग स्कीम, दिल्ली में 177 नए फ्लैट होंगे उपलब्ध

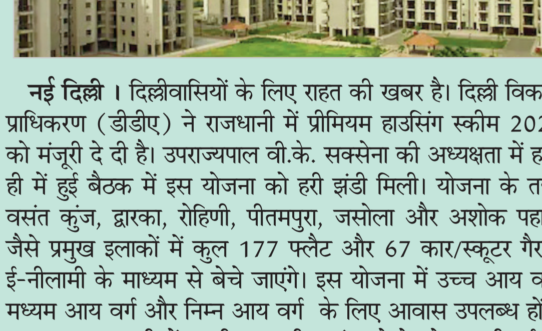

नई दिल्ली । दिल्लीवासियों के लिए राहत की खबर है। दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) ने राजधानी में प्रीमियम हाउसिंग स्कीम 2025 को मंजूरी दे दी है। उपराज्यपाल वी.के. सक्सेना की अध्यक्षता में हाल ही में हुई बैठक में इस योजना को हरी झंडी मिली। योजना के तहत वसंत कुंज, द्वारका, रोहिणी, पीतमपुरा, जसोला और अशोक पहाड़ी जैसे प्रमुख इलाकों में कुल 177 फ्लैट और 67 कार/स्कूटर गैराज ई-नीलामी के माध्यम से बेचे जाएंगे। इस योजना में उच्च आय वर्ग, मध्यम आय वर्ग और निम्न आय वर्ग के लिए आवास उपलब्ध होंगे। यह पहल राजधानी में बढ़ती आवासीय मांग को देखते हुए की गई है। फ्लैट्स के साथ गैराज की बिक्री भी ऑनलाइन नीलामी के जरिए होगी, जिससे पारदर्शिता बनी रहेगी।

गिरते पुल, ढहती ज़िम्मेदारियाँ: बुनियादी ढांचे की सड़न और सुधार की जरूरत

डॉ. सत्यवान सौरभ

भारत का भविष्य शानदार हो सकता है, लेकिन उसके लिए नींव का मजबूत होना जरूरी है। वडोदरा का पुल गिरा है, कल कहीं और गिरेगा-अगर हमने अपनी दृष्टि और नीति नहीं बदली। हमें प्रतिक्रियात्मक शासन से आगे बढ़कर सक्रिय बुनियादी ढांचा नीति की ओर बढ़ना होगा। नहीं तो हम हर साल पुलों की कब्रगाहें बनाते रहेंगे और नागरिकों की लाशें उठाते रहेंगे।

वडोदरा में 40 साल पुराने पुल का हालिया ढहना न केवल एक स्थानीय त्रासदी है, बल्कि यह पूरे भारत के बुनियादी ढांचे की बिखरती हकीकत की नुमाइश है। ऐसे हादसे अब चौंकाते नहीं, बल्कि लगातार दोहराए जाने वाले 'सिस्टम फेल्योर' के आदतन प्रमाण बन चुके हैं। हर बार हादसे के बाद वही रटे-रटाए बयान, वही दिखावटी जांच कमेटी, और फिर वही खामोशी-जब तक अगला पुल न गिर जाए।

भारत विकास के पथ पर दौड़ रहा है, लेकिन इस दौड़ में जिन सड़कों, पुलों और इमारतों पर यह प्रगति टिकी है, वे खुद कब की चरमराने लगी हैं। सवाल यह नहीं कि वडोदरा में पुल क्यों गिरा, सवाल यह है कि देशभर में ऐसे कितने और पुल गिरने की कगार पर हैं और हमने अब तक उनसे क्या सीखा?

भारत में बीते एक दशक में सार्वजनिक बुनियादी ढाँचे के ढहने की घटनाओं की एक लंबी सूची है। 2016 में कोलकाता का विवेकानंद फ्लाईओवर निर्माण के दौरान ही गिर गया, जिसमें 27 लोगों की जान गई। 2018 में वाराणसी में एक पुल का हिस्सा ढहने से कई लोग मारे गए। 2022 में गुजरात के मोरबी में केबल ब्रिज गिरने से 130 से अधिक लोग मारे गए। और अब 2024 में वडोदरा में पुल गिरा। इससे पहले बिहार, उत्तराखंड, हिमाचल और असम में भी पुल ढहने की घटनाएं हुई हैं।

इन हादसों का पैटर्न स्पष्ट है-पुरानी संरचना, घटिया निर्माण सामग्री, लचर निरीक्षण व्यवस्था और पूरी तरह से अनुपस्थित जवाबदेही।

भारत के अधिकांश पुल, इमारतें और सार्वजनिक संरचनाएं 30 से 60 साल पहले बनी थीं। उस समय न तो जलवायु परिवर्तन की मार इतनी तीव्र थी, न ही ट्रैफिक और जनसंख्या का भार इतना अधिक। परंतु इन्हें कभी समय रहते मरम्मत नहीं मिली। ₹बन गया तो बन गया₹ की मानसिकता ने इन ढांचों को धीरे-धीरे मौत के कुएं में बदल दिया।

टेंडर प्रक्रिया में सबसे कम बोली लगाने वाले ठेकेदार को ठेका देना, फिर उसी ठेकेदार का बजट काटना, सस्ती सामग्री का उपयोग करना-यह सब इतना आम हो चुका है कि हम इसे भ्रष्टाचार मानना ही भूल गए हैं। यह एक संस्थागत भ्रष्टाचार है जिसमें प्रशासन, ठेकेदार और कभी-कभी राजनेता भी शामिल होते हैं।

क्या कभी आपने किसी पुल के पास बोर्ड देखा है जिस पर लिखा हो-'यह पुल अंतिम बार कब जांचा गया था?' शायद ही कभी। कारण स्पष्ट है-निरीक्षण नाम की प्रक्रिया कागजों में सिमट चुकी है। टेक्नोलॉजी का युग होने के बावजूद भारत के पास कोई केंद्रीकृत पुल स्वास्थ्य निगरानी प्रणाली नहीं है। पिछले कुछ वर्षों में असामान्य बारिश, बाढ़, अत्यधिक गर्मी और भूकंप जैसी घटनाओं में तेजी आई है। लेकिन हमारे अधिकांश ढांचों का डिजाइन इन नई चुनौतियों को ध्यान में रखकर नहीं हुआ था। कमजोर नींव, जल निकासी की खराब व्यवस्था और भूस्खलन की अनदेखी इसका परिणाम है।

भारत में बुनियादी ढांचे को राजनीतिक स्टंट के रूप में तो खूब इस्तेमाल किया जाता है, लेकिन दीर्घकालीन संरचनात्मक मजबूती की कोई गंभीर योजना शायद ही कहीं देखी जाती है। 'फिट फॉर फोटो' परियोजनाएं बनती हैं, जो जल्दी ढह भी जाती हैं।

हर साल सरकारें इंफ्रास्ट्रक्चर पर हजारों करोड़ का बजट पास करती हैं। पुल निर्माण, सड़क विस्तार, शहरी आवास योजना जैसी परियोजनाओं में भारी निवेश होता है। लेकिन यह बजट वास्तव में कहाँ जाता है? यदि पुल गिर रहा है तो इसका मतलब है कि या तो बजट जमीनी स्तर तक पहुँचा ही नहीं, या उसका दुरुपयोग हुआ।

भारत में अब विकास की चर्चा अर्थव्यवस्था की रफ्तार से नहीं, गिरने वाले पुलों की संख्या से होनी चाहिए।

अगर हमें भारत को सुरक्षित, सतत और सशक्त बनाना है तो हमें बुनियादी ढांचे की विश्वसनीयता सुनिश्चित करनी ही होगी।

बीस साल से अधिक पुराने सभी पुलों, इमारतों, फ्लाईओवर आदि का हर तीन वर्ष में एक बार स्वतंत्र संरचनात्मक परीक्षण अनिवार्य किया जाए। इसके निष्कर्ष सार्वजनिक पोर्टल पर उपलब्ध हों।

एक स्वतंत्र राष्ट्रीय बुनियादी ढांचा निरीक्षण प्राधिकरण का गठन किया जाए जो केवल निरीक्षण, रेटिंग और रिपोर्टिंग के लिए जिम्मेदार हो। इसकी रिपोर्ट सरकार के हस्तक्षेप से मुक्त हो। पुलों में कंपन, भार, तापमान आदि की निगरानी के लिए सेंसर लगाए जाएं। कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित प्रणाली किसी भी अनियमितता पर तुरंत चेतावनी दे सकती है।

अब समय है कि टेंडर प्रणाली को केवल न्यूनतम बोली पर आधारित होने से रोका जाए। गुणवत्ता, तकनीकी क्षमता और पूर्व प्रदर्शन के आधार पर निर्माण एजेंसियों का चयन होना चाहिए।

स्थानीय निकायों को छोटे ढांचों की निगरानी में भागीदार बनाया जाए। ग्रामीण और शहरी स्तर पर नागरिकों को प्रशिक्षण दिया जाए ताकि वे संभावित जोखिम की जानकारी समय रहते दे सकें।

हर संरचना को जलवायु परिवर्तन के खतरों को ध्यान में रखकर डिजाइन किया जाए। भारतीय मानक ब्यूरो और सड़क विकास परिषद जैसे संस्थानों के मानकों को सख्ती से लागू किया जाए।

जहां सरकार की नीयत कमजोर होती है, वहाँ मीडिया और नागरिक समाज की भूमिका और भी महत्वपूर्ण हो जाती है। पुल गिरने के बाद कवरेज तो होता है, पर क्या हमने कभी उस निर्माण एजेंसी का नाम याद रखा? क्या किसी ठेकेदार पर आपराधिक मामला दर्ज हुआ?

आरटीआई कार्यकताओं, पत्रकारों और टेक्नोलॉजी विशेषज्ञों को साथ लाकर एक जन-जवाबदेही मॉडल बनाना जरूरी है।

तेजी से हो रहे शहरीकरण और विकास की होड़ में भारत कहीं सुरक्षा और स्थिरता को नजरअंदाज कर रहा है। ऐसे में यह प्रश्न उठता है-क्या हम केवल पुल बना रहे हैं या विश्वास के पुल भी बना रहे हैं? क्योंकि जब कोई पुल गिरता है तो सिर्फ कंक्रीट नहीं टूटता, जनता का प्रशासन पर से विश्वास भी चकनाचूर हो जाता है।

भारत का भविष्य शानदार हो सकता है, लेकिन उसके लिए नींव का मजबूत होना जरूरी है। वडोदरा का पुल गिरा है, कल कहीं और गिरेगा-अगर हमने अपनी दृष्टि और नीति नहीं बदली। हमें प्रतिक्रियात्मक शासन से आगे बढ़कर सक्रिय बुनियादी ढांचा नीति की ओर बढ़ना होगा। नहीं तो हम हर साल पुलों की कब्रगाहें बनाते रहेंगे और नागरिकों की लाशें उठाते रहेंगे।

बुनियादी ढांचे को केवल निर्माण की दृष्टि से नहीं, बल्कि मानव जीवन की सुरक्षा के आधार पर देखना होगा। केवल निर्माण नहीं, संरक्षण और सुधार की नीति ही देश को टिकाऊ भविष्य की ओर ले जाएगी।

संपादकीय

अदालत की खरी-खरी

बिहार में चल रहे मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर-रक्फ़) को लेकर इंडिया गठबंधन के विरोध को उच्चतम न्यायालय ने खास तवज्जो नहीं दी है, लेकिन कहा जा सकता है कि निर्वाचन आयोग के भी कान उमेठ दिए गए हैं। न्यायालय ने आयोग को इस प्रक्रिया को पूर्ण करने से तो नहीं रोका लेकिन कहा कि किसी मतदाता की नागरिकता

की जांच करना आयोग का नहीं अपितु गृह मंत्रालय का काम है। आयोग को इस प्रक्रिया में आधार, मतदाता पहचान पत्र और राशन कार्ड को वैध दस्तावेज के रूप में स्वीकार करने पर विचार करना चाहिए। पुनरीक्षण के समय पर भी न्यायालय ने सवाल उठाया। राज्य में इस वर्ष के अंत में विधानसभा चुनाव होने हैं। उससे ठीक पहले पुनरीक्षण की जरूरत क्या थी। हालांकि एसआईआर को संवैधानिक दायित्व मानते हुए न्यायालय ने आयोग को एसआईआर जारी रखने की अनुमति दी है। न्यायमूर्ति सुधांशु धूलिया और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने मतदान के अधिकार को महत्त्वपूर्ण अधिकार करार देते हुए कहा, हम किसी संवैधानिक संस्था को वह करने से नहीं रोक सकते जो उसका कर्त्तव्य है। पीठ ने एसआईआर का विरोध कर रहे पक्ष की सुनवाई की आवश्यकता को स्वीकार करते हुए इस अभियान को चुनौती देने वाली 10 से अधिक याचिकाओं पर सुनवाई के लिए 28 जुलाई की तारीख तय की है और आयोग से एक सप्ताह के भीतर जवाब देने को कहा है। आयोग के इस कथन को पीठ ने रिकॉर्ड में लिया कि एसआईआर के लिए जिन 11 दस्तावेज पर विचार करना था, उनकी सूची संपूर्ण नहीं थी और आदेश दिया कि निर्वाचन आयोग आधार कार्ड, मतदाता पहचान पत्र और राशन कार्ड जैसे तीन दस्तावेज पर भी विचार करे। निर्वाचन आयोग के वकीलों के एतराज पर पीठ ने इसे अनिवार्य नहीं बताया लेकिन खारिज करने का ठोस कारण भी पूछा। पीठ ने एसआईआर को रोका नहीं क्योंकि 10 याचिकाकताओं में किसी ने भी इसका अनुरोध नहीं किया था। हालांकि निर्वाचन आयोग संवैधानिक दायित्व के तहत ही पुनरीक्षण का काम कर रहा है, लेकिन जो 11 दस्तावेज मांगे जा रहे हैं, वे सब लोगों के पास हों यह संभव ही नहीं है। निर्वाचन आयोग को पासपोर्ट, मैट्रिक और जन्म प्रमाणपत्र की जगह आधार, मतदाता पहचान पत्र और राशन कार्ड को मान्यता देनी ही होगी। इन्हें सब जगह स्वीकार किया जा चुका है।

आतंकवाद में डिजिटल तकनीकों का बढ़ता उपयोग चिन्ताजनक

ललित गर्ग

टेरर फंडिंग पर नजर रखने वाली वैश्विक संस्था वित्तीय कार्रवाई कार्य बल (एफएटीएफ) की नई रिपोर्ट में आतंकवादी गतिविधियों में डिजिटल तकनीकों के बढ़ते उपयोग पर चिंता जताई गई है। इस रिपोर्ट ने वैश्विक सुरक्षा के समक्ष एक नई और गहन चुनौती की ओर संकेत करते हुए आतंकवादी गतिविधियों में डिजिटल तकनीकों के बढ़ते प्रयोग को गहन चिन्ताजनक बताया है। रिपोर्ट में ई-कॉमर्स, ऑनलाइन भुगतान, सोशल मीडिया, क्रिप्टोकरेंसी और डार्कनेट जैसे प्लेटफार्मों के माध्यम से आतंकवादी गतिविधियों के वित्तपोषण और संचालन के बढ़ते खतरे पर न केवल प्रकाश डाला गया है बल्कि गंभीर चिंता जताई गई है। रिपोर्ट ने आतंकवाद के एक अलग ही पहलू की ओर ध्यान खींचा है। इसमें बताया गया है कि टेक्नॉलजी तक आतंकी संगठनों की आसान पहुंच उन्हें और खतरनाक बना रही है। इससे निपटने के लिए वैश्विक स्तर पर नई रणनीति एवं नियंत्रण नीति की जरूरत है। विशेष रूप से पाकिस्तान जैसे देशों में पलने-बढ़ने वाले आतंकी संगठन इन तकनीकों का उपयोग कर न केवल फंडिंग जुटा रहे हैं, बल्कि गोपनीयता और पहुँच के नए मार्ग भी तलाश रहे हैं। इसके अलावा, आतंकवादी संगठन अब विकेंद्रीकृत मॉडल की ओर बढ़ रहे हैं, जैसेकि अल-कायदा क्षेत्रीय इकाइयों के माध्यम से स्थानीय स्तर पर धन जुटाना और संचालन करना। भारत ने समय-समय पर पाकिस्तान पोषित एवं पल्लवित आतंकवाद को बेनकाब करते हुए दुनिया से मिल रहे आर्थिक सहयोग पर चिन्ता जताई और कठोर कार्रवाई की मांग की, इस रिपोर्ट को भारत के रुख का समर्थन करने वाले एक महत्वपूर्ण कदम माना जा सकता है।

एफएटीएफ के मुताबिक, 2019 में पुलवामा और 2022 में गोरखपुर के गोरखनाथ मंदिर में हुए आतंकी हमलों के लिए ऑनलाइन प्लैटफॉर्म का इस्तेमाल किया गया। पुलवामा में आतंकियों ने आईईडी का इस्तेमाल किया था और इसे बनाने के लिए एल्युमिनियम पाउडर एमेजन से खरीदा गया था। गोरखपुर में हुए हमले में पैसों के लेनदेन में ऑनलाइन जरिया अपनाया गया। गोरखपुर वाले केस में आतंकी विचारधारा से प्रभावित शख्स ने इंटरनैशनल थर्ड पार्टी ट्रांजैक्शन और वीपीएन सर्विस का उपयोग किया था। इस तरह से उसने आईएसआईएल के समर्थन में विदेश में धन भेजा था और उसे भी बाहर से आर्थिक मदद मिली थी। वीपीएन एक डिजिटल तकनीक है जो इंटरनेट उपयोगकर्ता की लोकेशन और पहचान को छुपाती है। जब कोई व्यक्ति वीपीएन का उपयोग करता है, तो उसका इंटरनेट ट्रैफिक एक एन्क्रिप्टेड सुरंग के माध्यम से किसी अन्य देश के सर्वर से होकर गुजरता है। इससे उसकी वास्तविक पहचान छिप जाती है और वह सेंसरशिप, ट्रैकिंग और जियो-रिस्ट्रिक्शन से बच सकता है। 2024 तक दुनिया में 150 करोड़ से अधिक वीपीएन यूजर्स हैं। इनमें से बड़ी संख्या एशिया और मध्य पूर्व से है, जहां सेंसरशिप या निगरानी से बचने के लिए इसका उपयोग किया जाता है। भारत में 12 से 14 करोड़ वीपीएन उपयोगकर्ता हैं। भारत वीपीएन यूजर्स की संख्या में दुनिया के शीर्ष 3 देशों में शामिल है। वीपीएन का उपयोग कर आतंकी सोशल मीडिया और गुप्त चैनलों के जरिए युवाओं को बरगलाने और भर्ती करने का काम करते हैं। कुछ आतंकवादी समूह वीपीएन नेटवर्क का प्रयोग कर सरकारी वेबसाइटों, रक्षा प्रतिष्ठानों और बैंकिंग सिस्टम पर साइबर हमला करते हैं। दुनिया की एक तिहाई आबादी ऑनलाइन शॉपिंग करती है। इस साल ग्लोबल ई-कॉमर्स मार्केट के 7 ट्रिलियन डॉलर तक पहुंच जाने की उम्मीद है। भारत इस लिस्ट में फिलहाल सातवें नंबर पर है। लेकिन सवाल यह है कि इस डेटा के बीच अगर कुछ संदिग्ध लोग कुछ हजार डॉलर की खरीददारी करते हैं, जिसका इस्तेमाल आगे जाकर किसी आतंकी हमले में होता है, तो उसे चिह्नित कैसे किया जाए? एफएटीएफ ने कुछ दिनों पहले पहलगाम को लेकर कहा था कि इतना बड़ा आतंकी हमला बाहरी आर्थिक मदद के बिना संभव नहीं हो सकता। उसकी हालिया रिपोर्ट इसी बात को और पुष्ट कर देती है। आतंकियों ने अपने काम का तरीका बदल लिया है। वे इंटरनेट की दुनिया की ओट ले रहे हैं, जो ज्यादा खतरनाक है। एफएटीएफ की रिपोर्ट में कहा गया है कि आतंकवादी समूहों ने अब पारंपरिक धन स्त्रोतों के साथ-साथ क्रिप्टोकरेंसी जैसे डिजिटल वित्तीय माध्यमों का भी उपयोग करना शुरू कर दिया है। ये माध्यम उन्हें सरकार की नजरों से बचाते हुए सीमाओं के पार फंडिंग जुटाने की सहूलियत देते हैं। साथ ही, एन्क्रिप्टेड मैसेजिंग ऐप्स, फेक सोशल मीडिया अकाउंट्स, और ऑनलाइन गेमिंग प्लेटफॉर्म्स का इस्तेमाल कर वे अपने नेटवर्क का विस्तार कर रहे हैं। पाकिस्तान एफएटीएफ की ग्रे लिस्ट से बाहर भले हो गया हो, लेकिन उसके खिलाफ लगे आरोपों में कोई कमी नहीं आई है। अनेक ग्लोबल इंटेलिजेंस रिपोर्ट्स और एफएटीएफ ऑब्जर्वेशन्स इस बात की पुष्टि करती हैं कि पाकिस्तान में आतंकी गुटों को डिजिटल इकोसिस्टम का खुले तौर पर उपयोग करने दिया जा रहा है, या कभी-कभी सरकार की मौन सहमति से। उदाहरण के रूप में लश्कर-ए-तैयबा और जैश-ए-मोहम्मद जैसे संगठनों ने बिटकॉइन और अन्य डिजिटल टोकन के जरिए फंड जुटाने की नई तरकीबें अपनाई हैं। कई मामलों में आतंकी फंडिंग के लिए फर्जी चैरिटेबल ट्रस्ट और सामाजिक मीडिया अभियानों का सहारा लिया गया है। ह्यगजवा-ए-हिंदह्न जैसे डिजिटल प्रोपेगेंडा प्लेटफॉर्म्स पाकिस्तानी जमीन से संचालित होकर भारत में कट्टरपंथ को बढ़ावा देने में लगे हैं। भारत के विरुद्ध हाइब्रिड वारफेयर और साइबर जिहाद की रणनीति पाकिस्तान समर्थित आतंकी संगठनों की नीति का हिस्सा बन चुकी है। एफएटीएफ की रिपोर्ट में यह स्पष्ट रूप से कहा गया है कि दक्षिण एशिया में भारत सबसे अधिक प्रभावित देश है, जहां डिजिटल माध्यम से न केवल फंडिंग, बल्कि ब्रेनवॉशिंग और भर्ती का कार्य भी तेजी से हो रहा है। जम्मू-कश्मीर में सोशल मीडिया के माध्यम से युवाओं को आतंकी संगठनों की ओर आकर्षित किया जाता है। उत्तर पूर्व में उग्रवादी संगठनों को डिजिटल भुगतान और चैनलों के माध्यम से सहायता मिलती रही है। एफएटीएफ ने पाकिस्तान समेत उन सभी देशों से अपेक्षा की है कि वे डिजिटल वित्तीय निगरानी तंत्र को मजबूत करें। क्रिप्टो ट्रांजैक्शन पर नियमित रिपोर्टिंग सुनिश्चित करें। आतंकी संगठनों के ऑनलाइन अस्तित्व को समाप्त करने के लिए तकनीकी टूल्स विकसित करें। एफएटीएफ का चेतावनी के स्वरों में यह भी कहना है कि यदि आतंक के गढ़ एवं आतंकवाद को पोषित करने वाले इन देशों ने इन सिफारिशों पर अमल नहीं किया तो उन्हें ह्यहाई रिस्क जॉनह्न की सूची में डाला जा सकता है। भारत को इस डिजिटल आतंकी खतरे से निपटने के लिए सभी सुरक्षा एजेंसियों के समन्वय से एक संयुक्त रणनीति बनानी चाहिए-क्रिप्टो ट्रांजैक्शन की रियल-टाइम निगरानी, साइबर आतंकवाद पर विशेष फोर्स का गठन, सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स से आतंकी कंटेंट की पहचान और हटाने के लिए मजबूत कानून, डार्क वेब और फेक डोनेशन चैनलों की सतत निगरानी आदि कदम उठाने चाहिए। डिजिटल तकनीक ने जहां मानव जीवन को सरल और तेज किया है, वहीं इसका दुरुपयोग करके आतंकवाद को नया चेहरा देने की कोशिशें चिंता का विषय हैं। एफएटीएफ की चेतावनी को गंभीरता से लेने और वैश्विक सहयोग को मजबूत करने की जरूरत है। विशेष रूप से पाकिस्तान जैसे देशों पर अंतरराष्ट्रीय दबाव बनाना होगा ताकि वे अपनी धरती पर पनप रहे आतंकवाद एवं डिजिटल आतंकवाद के अड्डों को समाप्त करें। तभी एक सुरक्षित डिजिटल विश्व और शांतिपूर्ण वैश्विक समाज की कल्पना की जा सकती है। एफएटीएफ रिपोर्ट विश्लेषण करती है कि आतंकवादियों ने अपने आतंकवादी उद्देश्यों के लिए वैश्विक दर्शकों से धन जुटाने के लिए सोशल मीडिया पर धन उगाहने वाले प्लेटफॉर्म और क्राउडफंडिंग माध्यमों से आतंकवाद के वित्तपोषण प्राप्त किया है।

चिंतन-मनन

प्रकाशस्रोत परमात्मा

परमात्मा या भगवान ही सूर्य, चन्द्र तथा नक्षत्रों जैसी प्रकाशमान वस्तुओं के प्रकाशस्त्रोत हैं। वैदिक साहित्य बताता है कि वैकुंठ राज्य में सूर्य या चन्द्रमा की आवश्यकता नहीं पड़ती, क्योंकि वहां परमेश्वर का तेज विद्यमान है। भौतिक जगत में ब्रम्हज्योति या भगवान का आध्यात्मिक तेज भौतिक तत्वों से ढका रहता है। अतः हमें सूर्य, चन्द्र, बिजली आदि के प्रकाश की आवश्यकता पड़ती है। वैदिक साहित्य में स्पष्ट है कि भगवान आध्यात्मिक जगत (वैकुंठ लोक) में स्थित हैं। श्वेतातर उपनिषद में कहा गया है- आदित्यवर्ण तमसः परस्तात अर्थात वे सूर्य की भांति अत्यन्त तेजोमय हैं, लेकिन भौतिक जगत के अन्धकार से बहुत दूर हैं। उनका ज्ञान दिव्य है।

वैदिक साहित्य पुष्टि करता है कि ब्रम्ह घनीभूत दिव्य ज्ञान है। जो वैकुंठ जाने का इच्छुक है, उसे परमेश्वर द्वारा ज्ञान प्रदान किया जाता है। एक वैदिक मंत्र है तं ह देवम आत्मबुद्धिप्रकाशं मुमुक्षुवै शरणामहं प्रपद्ये। अर्थात मुक्ति के इच्छुक मनुष्य को चाहिए कि वह भगवान की शरण में जाए। जहां तक चरम ज्ञान के लक्ष्य का सम्बन्ध है, वैदिक साहित्य से भी पुष्टि होती है-तमेव विदित्वाति मृत्युमेति यानी उन्हें जान लेने के बाद ही जन्म तथा मृत्यु की परिधि को लांघा जा सकता है।

वे प्रत्येक हृदय में परम नियन्ता के रूप में स्थित हैं। परमेश्वर के हाथ-पैर सर्वत्र फैले हैं लेकिन जीवात्मा के विषय में ऐसा नहीं कहा जा सकता। अतः मानना ही पड़ेगा कि कार्यक्षेत्र जानने वाले दो ज्ञाता हैं- एक जीवात्मा तथा दूसरा परमात्मा। पहले के हाथ-पैर किसी एक स्थान तक सीमित हैं जबकि कृष्ण के हाथ-पैर सर्वत्र फैले हैं। इसकी पुष्टि श्वेतातर उपनिषद में इस प्रकार हुई है। सर्वस्थ प्रभुमीशानं सर्वस्य शरणं बृहत यानी वह परमेश्वर या परमात्मा समस्त जीवों का स्वामी या प्रभु है। वह उन सबका चरम आश्रय है। अतः इस बात से मना नहीं किया जा सकता कि परमात्मा तथा जीवात्मा भिन्न हैं।

मुद्दा : चंद्रयान मिशन के दरमियान तंत्र-मंत्र

अवनीश कुमार गुप्ता

वही क्षण था जब चंद्रयान-3 ने चांद की सतह पर भारत का झंडा स्थापित कर विज्ञान की नई ऊंचाइयों को छू लिया, लेकिन उसी समय भारत के ही एक गांव में कुछ लोगों ने एक परिवार के पांच सदस्यों को 'डायन' कह कर जिंदा जला दिया। ये दो घटनाएं किसी कल्पना की उपज नहीं, बल्कि हमारे समय और समाज की दो परस्पर विरोधी सच्चाइयों का आईना हैं। एक ओर अंतरिक्ष में विजय तो दूसरी ओर अंधविास की भट्ठी में झुलसती मानवता। बिहार के पूर्णिया जिले के टेटगामा गांव में तीन महिलाओं और दो पुरु षों को 'डायन' बता कर पीटा गया और पेट्रोल छिड़क कर जिंदा जला दिया गया। इस अमानवीय कृत्य में लगभग 150 लोगों की भीड़ शामिल थी। यह केवल हत्या नहीं, बल्कि उस तार्किक चेतना की हार थी जो हमारी संस्कृति और संविधान, दोनों में प्रतिष्ठित है। यह घटना एक गांव या राज्य की समस्या नहीं, उस सोच का परिणाम है जहां विज्ञान का दीपक जलाए बिना ही हम आधुनिक बनने का भ्रम पालते हैं। रिपोर्ट के अनुसार, 2000 से 2016 तक बिहार में 2,500 से अधिक डायन-हत्या की घटनाएं हो चुकी हैं। यह आंकड़ा केवल आंकड़ा नहीं, बल्कि सवाल है कि हम किस दिशा में बढ़ रहे हैं?

क्या तकनीक की प्रगति का लाभ चंद महानगरों और उच्च वर्ग तक ही सीमित रहेगा? क्या गांवों तक वैज्ञानिक सोच, संवेदनशीलता और मानवाधिकारों की चेतना पहुंची है? या फिर आधुनिकता मोबाइल और इंटरनेट की सुविधा तक ही सिमट गई है? यह घटना न केवल मानवाधिकारों का उल्लंघन है, बल्कि संविधान और कानून की विफलता भी है। जब पूरा गांव एक अमानवीय कृत्य में शामिल हो, और पुलिस-प्रशासन निष्क्रिय बना रहे, तो सवाल उठता है कि लोकतंत्र के स्तंभ क्या चुनावों और भाषणों तक सीमित रह गए हैं? पुलिस की निष्क्रियता और प्रशासन की उदासीनता इस पूरे तंत्र पर गहरी चोट है, जो दिखाती है कि संवैधानिक ढांचे के भीतर भी बहुत सी दरारें हैं, जिन्हें भरने की जिम्मेदारी सिर्फ सरकार की नहीं, पूरे समाज की है।

हमारे पूर्वजों की परंपरा में तर्क, विज्ञान और विवेक का बहुत महत्त्व था। आर्यभट्ट, वराहमिहिर, चरक, सुश्रुत जैसे नाम केवल ऐतिहासिक नहीं, बल्कि भारतीय बौद्धिक परंपरा की नींव थे। लेकिन क्या आज उनके विचारों की छाया हमारे गांव-कस्बों तक पहुंची है? किसी महिला के बीमार हो जाने पर भी उसका इलाज अस्पताल में कराने की बजाय उसे डायन कह कर जलाया जाता है, तो इसका मतलब है कि हमारा समाज अतीत के किसी अंधेरे कुएं में जा गिरा है।

मीडिया की भूमिका भी इस पूरे विमर्श में संदिग्ध है। आज की मीडिया सिर्फ सनसनी पर केंद्रत है। घटना की संवेदनशीलता को समझने के बजाय वे इसे टीआरपी की दौड़ में बदल देते हैं। क्या कोई समाचार संस्था बताती है कि इस तरह की घटनाएं क्यों हो रही हैं? क्या वे समाज को इस ओर मोड़ने का प्रयास कर रहे हैं कि अंधविास, अज्ञानता और पाखंड का समूल नाश हो? नहीं। वे केवल क्लिप बनाते हैं, भावनाएं भड़काते हैं, पर कोई वैचारिक आंदोलन नहीं चलाते। ऐसी घटनाओं में भीड़तंत्र को तो जिम्मेदार ठहराया ही जाना चाहिए लेकिन उससे भी अधिक जिम्मेदार हैं वे संस्थाएं जो समाज को दिशा देने के लिए बनी हैं-शिक्षा संस्थान, धार्मिक संगठन, पंचायतें और प्रशासनिक तंत्र। अगर इन सबकी चुप्पी किसी एक क्रिया को संभव बनाती है, तो वह केवल सह-अपराध नहीं, बल्कि मानसिक अपराध भी है।

टीवी चैनल केवल सास-बहू के ड्रामे दिखाने की बजाय 'डायन प्रथा खत्म करो' जैसे अभियान को प्राथमिकता दें। पंचायतों में हर महीने तर्क आधारित संवाद हों। स्कूलों में छात्रों को परीक्षा की तैयारी नहीं, सामाजिक चेतना का पाठ भी पढ़ाया जाए। सनातन परंपरा का मूल तत्व ही है करु णा, विवेक और ज्ञान। यदि समाज में धर्म के नाम पर ही हिंसा होती है, तो वह धर्म नहीं, अधर्म है। हमें सनातन के उन मूल्यों की पुनः स्थापना करनी होगी जो हर जीव में आत्मा का दर्शन कराते हैं, न कि उसे जला देते हैं। जब चंद्रयान-3 भारत की तकनीकी क्षमता का प्रतीक बन कर चांद पर उतरता है, तो उसके साथ भारत की आत्मा भी

आसमान छूने की आकांक्षा करती है।

लेकिन जब किसी गांव में एक महिला को डायन कह कर जिंदा जलाया जाता है, तो वह आत्मा चीत्कार करती है। यह हमारे समय का विरोधाभास है-एक ओर विज्ञान, दूसरी ओर अंधविास; एक ओर अंतरिक्ष में सफलता, दूसरी ओर सामाजिक अधपतन। भारत का भविष्य तभी सुरक्षित होगा जब विज्ञान और विवेक का उजाला हर गांव, घर और मन में पहुंचेगा। 'तमसो मा ज्योतिर्गमय' केवल श्लोक नहीं, सामाजिक अभियान होना चाहिए-अज्ञान से ज्ञान, अंधकार से प्रकाश, हिंसा से करुणा, और भीड़ से विचार की ओर। तभी हम सच्चे अथरे में मानवता-सम्मत भारत बना सकेंगे।

कोरोना के नए वेरिएंट एक्सएफजी ने फिर चिंता बढ़ाई...159 नए केस

नई दिल्ली (एजेंसी)। कोरोना के नए वेरिएंट एक्सएफजी ने फिर चिंता बढ़ा दी है। देश में अब तक 206 एक्सएफजी के केस सामने आ चुके हैं। सबसे ज्यादा केस महाराष्ट्र (89) में हैं, फिर पश्चिम बंगाल (49), तमिलनाडु, केरल, गुजरात और दिल्ली में भी केस मिले हैं। सिर्फ मई महीने में 159 नए केस आए थे।

एक्सएफजी वेरिएंट मध्य प्रदेश में भी तेजी से फैल रहा है। एम्स भोपाल की रिपोर्ट के अनुसार 63 प्रतिशत से ज्यादा केस एक्सएफजी वेरिएंट के हैं। यहां कुल 44 में से 28 सैंपलों में एक्सएफजी वेरिएंट पहचाना गया है। कोरोना का एक्सएफजी वेरिएंट सबसे पहले कनाडा में मिला था और अब तक भारत सहित 38 देशों में फैल चुका है। कोविड के दूसरे वेरिएंट की तरह ही इससे भी सबसे ज्यादा बच्चों, बुजुर्गों और बीमार लोगों को है।

एक्सएफजी वेरिएंट क्या है?

एक्सएफजी कोविड-19 वायरस का एक रिकॉंबिनेंट वेरिएंट है। इसका मतलब है कि यह वायरस के 2 पुराने वेरिएंट्स, एलएफ.7 और एलपी.8.1.2 के आपस में मिल जाने से बना है। जब कोई व्यक्ति एक साथ दो अलग-अलग वेरिएंट्स से संक्रमित होता है, वायरस उनके जीन को आपस में मिक्स कर सकता है। उसी से इसतरह के वेरिएंट बनते हैं। एक्सएफजी, ओमिक्रॉन फैमिली का ही हिस्सा है, जो 2021 के अंत से पूरी दुनिया में सबसे ज्यादा फैलने वाला वेरिएंट रहा है। इसे पहली बार कनाडा में पहचाना गया था।

भारत और नेपाल के बीच बाउंडरी वर्किंग ग्रुप की बैठक इस माह संभावित

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत और नेपाल के बीच छह साल बाद इस महीने बाउंडरी वर्किंग ग्रुप (बीडब्ल्यूजी) की बैठक होने वाली है। यह द्विपक्षीय समूह भारत-नेपाल सीमा पर पिलर्स की मरम्मत, निर्माण और सर्वे जैसे तकनीकी कामों को देखता है। हालांकि, सुस्ता और कालापानी जैसे विवादित इलाकों को बातचीत से बाहर रखा गया है। बीडब्ल्यूजी की आखिरी बैठक अगस्त 2019 में देहरादून में हुई थी। तब तय हुआ था कि 2022 तक बॉर्डर से जुड़े सभी काम पूरे कर लिए जाएंगे। लेकिन कोरोना महामारी और उसके बाद नक्शे को लेकर बढ़े विवाद के कारण बातचीत ठप हो गई। अब भारत ने जुलाई के दूसरे और अंतिम हफ्ते के लिए दो संभावित तारीखें प्रस्तावित की हैं। बीडब्ल्यूजी की स्थापना 2014 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की नेपाल यात्रा के दौरान हुई थी। यह ग्रुप बॉर्डर पिलर्स की मरम्मत (डी2), जीपीएस आधारित सर्वेक्षण (डी4), दोनों देशों की ज़मीन पर कब्जों की सूची (डी3) और संयुक्त निरीक्षण (डी1) जैसे तकनीकी पहलुओं पर काम करता है।

हैदराबाद में 'मिलावटी' ताड़ी पीने से मरने वालों की संख्या 6 हुई

हैदराबाद (एजेंसी)। हैदराबाद में ''मिलावटी'' ताड़ी पीने से मरने वालों की संख्या बढ़कर छह हो गई है। पुलिस ने बताया कि कुकटपल्ली और केपीएचबी थाना क्षेत्र में तीन-तीन लोगों की मौत की सूचना मिली है। राज्य के स्वास्थ्य मंत्री सी दामोदर राजनरसिम्हा को बताया गया कि वर्तमान में 18 मरीजों का इलाज सरकारी गांधी अस्पताल में हो रहा है, जबकि 35 अन्य का इलाज निज़ाम इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज (एनआईएमएस) में हो रहा है। 35 लोगों में से पांच को जल्द ही छुट्टी मिलने की उम्मीद है। स्वास्थ्य मंत्री ने स्वास्थ्य अधिकारियों और वरिष्ठ डॉक्टरों को यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया कि सभी पीड़ितों के पूरी तरह ठीक होने तक उनकी निरंतर देखभाल की जाए। इस बीच, राज्य आबकारी विभाग ने घटनाक्रम को लेकर थाना प्रभारी के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई शुरू की। मद्य निषेध एवं आबकारी विभाग के अधिकारी ने बताया कि जिन दुकानों से लोगों ने ताड़ी खरीदी थी, वहां से नमूने एकत्र कर रासायनिक विश्लेषण के लिए भेजा गया है। उन्होंने बताया कि यह पता चला है कि ताड़ी की दुकान के मालिक कथित तौर पर अल्प्राजोलम नामक एक मादक पदार्थ मिलाकर ताड़ी बेच रहे थे। उन्होंने बताया कि इन दुकानों के लाइसेंस निलंबित किए गए हैं। अधिकारियों ने बताया कि इन लोगों ने छह जुलाई और आठ जुलाई को कुकटपल्ली, बालानगर और शहर के अन्य इलाकों में विभिन्न दुकानों में ताड़ी पी थी और उन्हें तबीयत खराब होने के बाद विभिन्न अस्पतालों में भर्ती कराया गया था।

फिर मिली पटना एयरपोर्ट को उड़ाने की धमकी, तलाशी में कुछ नहीं मिला

पटना (एजेंसी)। पटना के जयप्रकाश नारायण अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे को फिर बम से उड़ाने की धमकी मिलने से हड़कंप मच गया। यह धमकी एयरपोर्ट डायरेक्टर के आधिकारिक ईमेल पर मिली। ईमेल मिलते ही एयरपोर्ट प्रशासन और सुरक्षा एजेंसियां तुरंत अलर्ट हो गईं। बम निरोधक दस्ता, डॉग स्क्वायड और पुलिस टीम ने एयरपोर्ट पर सघन तलाशी अभियान चलाया, लेकिन जांच के बाद कोई संदिग्ध वस्तु नहीं मिली। बता दें 1 जुलाई को भी इसी तरह की धमकी एयरपोर्ट को मिली थी। उस समय भी सुरक्षा बलों ने छानबीन की थी, लेकिन धमकी झूठी निकली थी। दोबारा मिली धमकी के बाद अब सुरक्षा एजेंसियां इसे गंभीरता से ले रही हैं और इसकी गहराई से जांच कर रही हैं। एयरपोर्ट प्रशासन के मुताबिक धमकी भरा मेल आने के बाद कई उड़ानों की सुरक्षा जांच बढ़ा दी गई और टर्मिनल के अंदर यात्रियों और उनके सामान की कड़ी निगरानी की जा रही है। हालांकि, इससे उड़ानों के संचालन पर कोई विशेष प्रभाव नहीं पड़ा और सभी सेवाएं सामान्य रूप से जारी रहीं। मेल भेजने वाले की पहचान के प्रयास जारी हैं। साइबर सेल को जांच का जिम्मा सौंपा है। एयरपोर्ट अथॉरिटी ने इसे गंभीर मामला मानते हुए गृह मंत्रालय को रिपोर्ट भेजी है। पटना एयरपोर्ट की सुरक्षा पहले से ही संवेदनशील मानी जाती है और दो बार इस प्रकार की धमकी मिलने के बाद सुरक्षा व्यवस्था को और कड़ा कर दिया है। यात्रियों से अपील की गई है कि वे अफवाहों पर ध्यान न दें और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत सुरक्षाकर्मियों को दें। बढ़ती घटनाएं यह संकेत दे रही हैं कि शरारती तत्व देश की सुरक्षा एजेंसियों की सतर्कता की परीक्षा ले रहे हैं।

बारिश से देश के कई राज्यों का हाल बेहाल, मध्यप्रदेश में बाढ़ से अब तक 7 की मौत

उत्तराखंड में लैंडस्लाइड से महिला की मौत, 19 राज्यों में तेज बारिश का अलर्ट

नई दिल्ली (एजेंसी)। मध्य प्रदेश में बारिश अब आफत बन गई है। मंडला में बाढ़ से अब तक 7 लोगों की मौत हो चुकी है। शुक्रवार को सिवनी, छतरपुर समेत 10 जिलों में बाढ़ जैसे हालात रहे। आज भी सभी जिलों में हल्की से तेज बारिश का अलर्ट जारी किया गया है। राजस्थान में भी बारिश का दौर जारी है। शुक्रवार को बीकानेर, झुंझुनूं सहित 13 जिलों में 4 इंच बारिश हुई। धौलपुर में पार्वती नदी में डूबने से एक युव?क की मौत हो गई। फलोदी में शहर के बीच पानी नदी की तरह बहने लगा।

वहीं उत्तराखंड में तेज बारिश जारी है। उत्तरकाशी में लैंडस्लाइड में दबने से 57 साल की महिला की मौत हो गई। राज्य में आज भी तेज बारिश-लैंडस्लाइड का अलर्ट है। हिमाचल में 184 सड़कें बंद हैं। बारिश से जुड़ी घटनाओं में 92 लोगों की मौत हो चुकी है। 33 लोग लापता हैं। 22 बार बादल फटे और 17 बार लैंडस्लाइड हुआ। राज्य को 20 जून से 10 जुलाई तक 751 करोड़ का नुकसान हो चुका है। मौसम विभाग ने शनिवार गुजरात, यूपी, छत्तीसगढ़ समेत देश के 19 राज्यों में तेज बारिश का यलो अलर्ट जारी किया है। वहीं, पंजाब, हरियाणा, दिल्ली और चंडीगढ़ में बारिश का कोई भी अलर्ट नहीं है।

मध्यप्रदेश के टीकमगढ़ में कोतवाली के बगल से प्रधानपुरा गली में शनिवार सुबह मकान का एक हिस्सा गिर गया। हादसे में न तो मकान में कोई था न ही आसपास किसी की मौजूदगी थी। जिले में सुबह 4 बजे से लगातार बारिश हो रही है। मैदानी इलाकों में बड़ी मात्रा में पानी जमा हो गया है। पुलिस लाइन के पीछे खेतों में पानी भरा है। चित्रकूट दर्शन के लिए आए कुछ श्रद्धालु बाढ़ में फंसे हैं। स्थानीय लोग उन्हें सुरक्षित निकालकर अपने घर की छतों पर शरण दे रहे हैं। सतना जिले के चित्रकूट में लगातार दो दिनों से हो रही मूसलाधार बारिश से मंदाकिनी नदी का जलस्तर बढ़ गया है। इसके चलते रामघाट, भरतघाट सहित सभी घाट पानी में डूब गए हैं।

उत्तरप्रदेश में जमकर बारिश हो रही है। लखनऊ में शनिवार सुबह से तेज बारिश जारी है। वाराणसी में गंगा उफान पर है। 2 सेंटीमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से नदी का जलस्तर बढ़ रहा है। दशाश्वमेध घाट पर होने वाली गंगा आरती की जगह चौथी बार बदली गई है। अब गंगा सेवा निधि कार्यालय की छत पर आरती हो रही है।

मौसम विभाग ने शनिवार को 3 जिलों में भारी बारिश का ऑरेंज और 25 जिलों में यलो अलर्ट जारी किया है। वहीं, शुक्रवार को राजस्थान के बीकानेर, झुंझुनूं समेत 13 जिलों में 4 इंच तक बारिश हुई। धौलपुर में पार्वती नदी में डूबने से एक युव?क की मौत हो गई। सीकर के श्रीमाधोपुर में शहर के पुराने बस स्टैंड के पास दुकानों में पानी घुस गया। फलोदी में शहर के बीच पानी नदी की तरह बहने लगा। झुंझुनूं के कई इलाकों में जलभराव होने से लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

बिहार में बढ़ती आपराधिक घटनाओं के लिए सीधे तौर पर राष्ट्रीय जनता दल जिम्मेदार : विजय सिन्हा

पटना (एजेंसी)। बिहार के उपमुख्यमंत्री विजय सिन्हा ने राज्य में बढ़ती आपराधिक घटनाओं के लिए सीधे तौर पर राष्ट्रीय जनता दल (राजद) को जिम्मेदार माना है। उन्होंने आरोप लगाया है कि बालू और शराब माफिया, जो लालू की पार्टी से जुड़े हुए हैं, राज्य में हत्या और लूट जैसी वारदातों को अंजाम दे रहे हैं। डिप्टी सीएम सिन्हा ने इन घटनाओं को आगामी चुनावों से पहले राज्य में अराजकता फैलाने की साजिश बताया है। सिन्हा ने स्वीकार किया कि पुलिस-प्रशासन की कुछ कमजोर कड़ियों का फायदा उठाकर माफिया तत्व सक्रिय हो रहे हैं, लेकिन उन्होंने फिर कहा कि नीतीश के नेतृत्व वाली सरकार कानून का राज स्थापित रखने के लिए प्रतिबद्ध है और अपराध कतई बर्दाश्त नहीं करेगी। उन्होंने राजद पर जंगलराज वापस लाने का आरोप लगाकर कहा कि वे ही अपराधियों को उकसा रहे हैं। उन्होंने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को बिहार का गौरव बताकर कहा कि उनके नेतृत्व में राज्य विकास और कानून-व्यवस्था दोनों में आगे बढ़ रहा है।

राहुल गांधी पर विजय सिन्हा का विवादित बयान

उपमुख्यमंत्री सिन्हा ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर तीखा हमला बोला। उन्होंने राहुल गांधी को को ब्रेन लेस बताकर कहा कि एक संवैधानिक पद पर बैठा व्यक्ति संवैधानिक संस्थाओं पर सवाल नहीं उठा सकता। उन्होंने सर्वोच्च न्यायालय के आदेशों का हवाला देकर कहा कि राहुल गांधी को अपनी टिप्पणी के लिए माफी मांगनी चाहिए और उन्हें संवैधानिक पद छोड़ देना चाहिए, क्योंकि वे समाज को भ्रमित करने और संविधान का अपमान करने का काम कर रहे हैं।

अमरनाथ यात्रा में सुरक्षा को चाक-चौबंद बनाने के लिए सेना ने लांच किया ऑपरेशन शिवा

नई दिल्ली(एजेंसी)। भारतीय सेना ने अमरनाथ यात्रा-2025 को एक मजबूत सुरक्षा घेरा प्रदान करने के लिए ऑपरेशन शिवा लांच किया है। जिसका उद्देश्य स्थानीय प्रशासन और केंद्रीय सुरक्षा बलों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर बाबा बर्फानी की इस पवित्र यात्रा के लिए आने वाले यात्रियों को एक अच्छी और सुरक्षित यात्रा का अनुभव कराना है।

सेना ने एक बयान जारी कर यह जानकारी दी। गौरतलब है कि ऑपरेशन सिंदूर के बाद जम्मू-कश्मीर में पश्चिमी सीमा पर भारत और पाकिस्तान के बीच बने हुए तनावपूर्ण हालात के बीच सेना के ऑपरेशन शिवा लांच किया है। पहलगाम आतंकी हमले (26 लोगों की आतंकियों ने हत्या कर दी थी) के जबाव में भारत ने ऑपरेशन सिंदूर के जरिए पाकिस्तान में मौजूद कुल 9 आतंकी ठिकानों को मटियामेट किया था। भारत का यह अभियान अभी भी जारी है। भविष्य में सीमा पार से कोई और आतंकी हमला बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उसे देश के खिलाफ युद्ध की तरह से देखा जाएगा और उसी अंदाज में उससे निपटा जाएगा।

सेना ने बताया कि यात्रा के लिए ऑपरेशन शिवा के तहत उसने यात्रियों के समूचे सुरक्षा सिस्टम को मजबूत बनाते हुए 8 हजार 500 से अधिक जवानों की तैनाती की है। जिन्हें विभिन्न प्रकार के रणनीतिक और तकनीकी संसाधनों से लैस किया गया है। आतंकवाद से मुकाबले के लिए एक मजबूत ग्रिड, कॉरिडोर सुरक्षा और सशक्त सुरक्षा तैनाती इसका अहम हिस्सा है। ड्रोन हमले के खतरे से निपटने के लिए 50 सी-यूएएस और ईडब्ल्यू सिस्टम लगाए गए हैं। यात्रा मार्ग और पवित्र गुफा पर यूएवी मिशन और लाइव निगरानी के जरिए बल की पैनी नजर बनी हुई है। इंजीनियर टास्क फोर्स पुलों के निर्माण, मार्ग को चौड़ा करने और आपदा में राहत प्रदान करने के लिए शामिल किया गया है।150 से ज्यादा डॉक्टर और चिकित्सा कर्मी एक 100 बेड का अस्पताल, 26 ऑक्सीजन बूथ (2 लाख लीटर ऑक्सीजन) के साथ तैनात हैं। बेहतर संचार के लिए सेना ने सिग्नल्स की कंपनियां लगाई हैं। बम निरोधक दस्ते को भी ऑपरेशन शिवा में शामिल किया गया है। 25 हजार लोगों के लिए आपात राशन की व्यवस्था भी सेना ने की है। क्यूआरटी, टेंट, वाटर पॉइंट, बुलडोजर को अलर्ट पर रखा गया है। साथ ही सेना के हेलिकाप्टर किसी भी आपातकालीन परिस्थिति से निपटने के लिए स्टैंड बाय पर रखे गए हैं।

लद्दाख यात्रा पर लेह पहुंचे दलाई लामा का भव्य स्वागत, उमड़ी हजारों की भीड़

चीन हुआ परेशान

लेह, लद्दाख (एजेंसी)। तिब्बती बौद्ध धर्मगुरु परम पावन 14वें दलाई लामा कड़ी सुरक्षा के बीच शनिवार को लेह पहुंचे। उनके स्वागत के लिए हजारों की संख्या में श्रद्धालु उमड़ पड़े। अपनी छह सप्ताह की यात्रा के दौरान, वे कई धार्मिक कार्यक्रमों में भाग लेने और अपने अनुयायियों से मुलाकात करने वाले है। शनिवार सुबह करीब 11 बजे दलाई लामा भारतीय वायुसेना के विमान से लेह पहुंचे। उनके स्वागत के लिए पूरे लेह को विशेष रूप से सजाया गया था, जिससे उत्सव जैसा माहौल बन गया था। करीब तीन साल बाद लेह की यात्रा पर आए दलाई लामा की एक झलक पाने के लिए उनके अनुयायियों में होड़ सी मची हुई थी। जिस रास्ते से दलाई लामा गुजरे, उसके दोनों ओर लोग कतारों में खड़े होकर उनका स्वागत कर रहे थे।

बात दें कि दलाई लामा ने हाल ही में अपना 90वां जन्मदिन मनाया है। लद्दाख के लोगों की उनके प्रति गहरी आस्था है। हर बार जब भी वे लद्दाख प्रवास पर आते हैं, तब यहां के लोग उनसे मिलने और दर्शन के लिए उत्सुक दिखते हैं। इस बार भी जैसे ही दलाई लामा के लद्दाख आने की सूचना मिली, लोगों में भारी उत्साह पैदा हो गया था।

हालांकि, उनके दौरे के तहत होने वाले कार्यक्रमों के बारे में अभी तक कोई विस्तृत जानकारी सामने नहीं आई है। लेकिन उनके अनुयायियों का कहना है कि अपनी छह सप्ताह की यात्रा के दौरान वे कुछ दिन एकांतवास में गुजारने के बाद लोगों को अपने प्रवचनों से निहाल भी करने वाले है। बौद्ध गुरु के पहुंचने से लद्दाख में आध्यात्मिक उत्साह का संचार हो गया है। लेह में भव्य स्वागत के साथ शुरू हुआ उनका लद्दाख दौरा जांस्कर की आध्यात्मिक यात्रा के साथ संपन्न होगा।

वहीं दलाई लामा की यात्रा को देखकर लेह में सुरक्षा के कड़े प्रबंध किए गए हैं। लेह पहुंचने पर पुलिस के जवान कई जगहों पर तैनात थे। दलाई लामा की सुरक्षा को लेकर हर बार पूरे प्रबंध किए जाते हैं। चीन के कब्जे वाले तिब्बत से सटे लद्दाख में दलाई लामा के दौरे से पड़ोसी देश चीन भी परेशान है। दलाई लामा अक्सर अपने लद्दाख दौरे के दौरान चीन की नीतियों को निशाना बनाते हैं। इस बार भी उन पर यह नजर रहेगी कि वह चीन को लेकर क्या रुख अपनाते हैं। कुछ साल पहले उन्होंने लद्दाख में कहा था कि चीन के कुछ कट्टरपंथी ही उन्हें अलगाववादी, सुधार का विरोधी मानते हैं।

मंडी जिले की करीब सभी प्रमुख सड़कों को फिर से खोला गया : सीएम सुक्खू

सुंदरनगर (एजेंसी)। हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने बताया कि मानसून संबंधी आपदाओं से प्रभावित मंडी जिले की करीब सभी प्रमुख सड़कों को फिर से खोला गया है। सीएम सुक्खू ने कहा कि संपर्क सड़कों को तेजी से बहाल करने के प्रयास हो रहे हैं। सिराज और नाचन विधानसभा क्षेत्रों के प्रभावित क्षेत्रों के तीन दिवसीय दौरे के बाद सुक्खू ने कहा कि सरकार ने प्रभावित क्षेत्रों में आवश्यक सेवाओं को बहाल करने के लिए काम तेज कर दिया है। भारी बारिश की वजह से राज्य में 150 से अधिक ट्रांसफार्मर और 800 जलापूर्ति योजनाएं बाधित हुई हैं, जिसमें से 143 और 204 क्रमश : मंडी जिले में हैं। मंडी के विभिन्न क्षेत्रों में 30 जून और एक जुलाई की मध्यरात्रि को बादल फटने की 10 घटनाओं, उसके बाद अचानक आई बाढ़ और भूस्खलन की घटनाओं में 15 लोगों की मौत हो गई थी और कई लोग लापता हो गए थे।

राधिका हत्याकांड में आरोपी पिता को 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेजा गया

गुरुग्राम (एजेंसी)। हरियाणा में गुरुग्राम कोर्ट ने टेनिस खिलाड़ी राधिका यादव की हत्या के आरोपी उनके पिता दीपक यादव को 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। बात दें कि 25 वर्षीय टेनिस खिलाड़ी राधिका की गुरुवार को गुरुग्राम के सेक्टर 57 स्थित उनके घर में गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। राधिका के पिता दीपक यादव (49) पर हत्या का आरोप है। उन्हें अदालत में पेश किया गया था, जहां से उन्हें एक दिन की पुलिस रिमांड पर भेजा गया और फिर 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। वहीं पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट के अनुसार, राधिका को चार गोलियां लगी थीं जिसमें तीन पीठ में और एक कंधे में लगी है। पीएम होने के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया। इसके बाद राधिका का अंतिम संस्का वजीराबाद स्थित उनके पैतृक गांव में किया गया।

पुलिस के अनुसार, दीपक यादव ने अपनी बेटी की हत्या करने की बात कबूल कर ली है। आरोपी पिता ने पुलिस को बताया कि लोग मुझे बेटी की कमाई पर निर्भर रहने का ताना मारते थे, जिससे वह खुश नहीं था। गुरुग्राम पुलिस के प्रवक्ता ने बताया कि दीपक को अपनी बेटी द्वारा टेनिस एकेडमी चलाने पर भी आपत्ति थी, इस लेकर दोनों के बीच अक्सर विवाद होता था। कई बार दीपक ने राधिका को एकेडमी बंद करने के लिए कहा था, लेकिन राधिका नहीं मानी। इसके बाद गुस्से में आकर दीपक ने राधिका को गोली मार दी। वहीं हरियाणा पुलिस इसकी भी जांच कर रही है कि पिछले साल राधिका का एक म्यूजिक वीडियो में आना कहीं घर में तनाव का कारण तब नहीं बना।

वहीं पूरे घटनाक्रम में घटना के समय राधिका की मां मंजू यादव भी मकान की पहली मंजिल पर मौजूद थीं। पुलिस इस पहलू की भी जांच कर रही है कि घटना के समय मां की क्या भूमिका थी।

पुलिस ने राधिका के चाचा कुलदीप यादव की शिकायत के आधार पर एफआईआर दर्ज की है। कुलदीप ने बताया कि घटना के समय उन्होंने तेज आवाज सुनी और पहली मंजिल पर पहुंचने पर राधिका को रसोई में खून से लथपथ पाया। रिवॉल्वर ड्राइंग रूम में मिली थी। उन्होंने अपने बेटे के साथ राधिका को अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने राधिका को मृत घोषित कर दिया। एफआईआर में बताया गया है कि दीपक, उनकी पत्नी मंजू और बेटी राधिका मकान की पहली मंजिल पर रहते थे, जबकि कुलदीप अपने परिवार के साथ ग्राउंड फ्लोर पर रहते हैं। घटना के समय दीपक का बेटा धीरज वहां मौजूद नहीं था।

छांगुर बाबा की गिरफ्तार पर सीएम योगी... धर्मांतरण कराने वालों को बख्शा नहीं जाएगा

धर्मांतरण कराने के लिए अलग-अलग रेट तय किए

लखनऊ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश में अवैध धर्मांतरण के मामले में जलालुद्दीन उर्फ छांगुर बाबा को गिरफ्तार किया गया है। छांगुर बाबा के पुलिस की पकड़ में आने के बाद एक के बाद एक बड़े खुलासे हो रहे हैं। इस बीच सीएम योगी ने छांगुर बाबा और अवैध धर्मांतरण को लेकर बड़ा बयान दिया है। सीएम योगी ने कहा कि बलरामपुर में धर्मांतरण की साजिश की गई, लेकिन हमारी सरकार ने धर्मांतरण कराने वालों पर बड़ी कार्रवाई की है। उन्होंने कहा कि आरोपी छांगुर बाबा ने धर्मांतरण कराने के लिए अलग-अलग रेट तय किए थे। ये लोग देश का स्वरूप बिगाड़ने का काम कर रहे हैं।

दरअसल, सीएम योगी ने अवैध धर्मांतरण और छांगुर बाबा को लेकर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में धर्मांतरण कराने वालों को बख्शा नहीं जाएगा। इस कड़ी में धर्मांतरण कराने वालों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की गई है। सीएम योगी ने बाबा छांगुर के कारनामों का जिक्र कर बताया कि कैसे धर्मांतरण करना है, इसका आरोपी छांगुर ने रेट भी तय किया थे।

धर्मांतरण के लिए तय किए रेट

सीएम योगी ने कहा, आपने देखा होगा किस प्रकार की साजिशें हो रही हैं। अभी बलरामपुर में हम लोगों ने बड़ी कार्रवाई को आगे बढ़ाया। आपने देखा होगा, आरोपी ने रेट तय किए, धर्मांतरण के कार्यक्रम को कैसे आगे बढ़ाना है। हिंदुओं में, ब्राह्मणों में, क्षत्रियों में, सिखों में, ओबीसी जातियों में, अनुसूचित जाति-जनजाति के लोगों में, लोगों को कैसे धर्मांतरण करना है, सबके रेट तय थे। विदेशों से धनराशि आ रही थीं। सीएम योगी ने कहा, आप सोचिए, 100 करोड़ से अधिक का ट्रांजेक्शन अब तक उसके 40 खातों में प्राप्त हुआ है और वह लगातार उस अभियान को बढ़ाने का कार्य कर रहा था। इस रूप में देश का स्वरूप बिगाड़ने का काम कर रहे हैं। परिस्थितियां बदली हैं, उद्देश्य उनका वहीं है जो उस समय था, हां, काम का तरीका उन्होंने बदला है।

कांवड़ यात्रा के चलते मीट दुकानें बंद और शराब दुकानें खोलना कहां का है न्याय?

-सपा के पूर्व सांसद ने योगी सरकार के दोहरे रवैये पर उठाए सवाल

मुरादाबाद (एजेंसी)। यूपी में कांवड़ यात्रा के दौरान नॉनवेज की दुकानों को बंद रखने के आदेश पर समाजवादी पार्टी के पूर्व सांसद एसटी हसन ने सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा कि कांवड़ यात्रा के मार्गों पर नॉनवेज की दुकानें बंद रखने का आदेश है, लेकिन शराब की दुकानों को तिरपाल से ढककर बेचा जा रहा है, ये कौन सा इंसाफ है। उन्होंने सवाल पूछा कि क्या शराब से किसी का धर्म भ्रष्ट नहीं होगा? हसन ने कहा कि योगी सरकार का दोहरा रवैया है। उनका फैसला न केवल असंगत है, बल्कि गरीब दुकानदारों के साथ अन्याय भी है।

उन्होंने कहा कि मेरे हिसाब से हमारे हिंदू भाइयों में मुश्किल से 30-40 फीसदी लोग ही शराब पीते होंगे, लेकिन करीब 80 फीसदी नॉनवेज खाते हैं। ऐसे में मांस की दुकानें बंद कराना और शराब की दुकानों को चालू रखना कहां का न्याय है? उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि योगी सरकार ने राजस्व कमाने के लालच में यह फैसला लिया है। एसटी हसन ने कहा कि सरकार को शराब की दुकानों से रेवेन्यू मिल रहा है, इसलिए उन्हें बंद नहीं किया गया, लेकिन गरीब होटल व मीट विक्रेताओं के लिए किसी ने नहीं सोचा, जो रोज कमाते और खाते हैं।

सपा नेता ने मांग की कि योगी सरकार को इस मुद्दे पर समान दृष्टिकोण अपनाना चाहिए। उन्होंने कहा कि अगर धार्मिक आस्था का सम्मान करना है तो दोनों तरह की दुकानों पर समान नियम लागू हों। केवल नॉनवेज की दुकानों को बंद करना और शराब की बिक्री जारी रखना तर्कसंगत नहीं है। उन्होंने सवाल उठाया कि उन क्षेत्रों में भी मीट की दुकानें बंद कराई जा रही हैं, जहां से कांवड़ यात्रा गुजरती ही नहीं है। उन्होंने कहा कि कुछ अधिकारी सिर्फ अपनी पीठ थपथपाने के लिए पूरे शहर में मांस बिक्री पर रोक लगा रहे हैं, यहां तक कि गांवों में भी, जहां से एक भी कांवड़ नहीं निकलती है। पूर्व सांसद हसन ने अपील की कि सरकार अपने आदेशों पर पुनर्विचार करे और सभी के साथ समानता का व्यवहार और न्याय करे।

स्टाइलिश साड़ी टिप्स

सदियों से ही भारतीय नारी का पारंपरिक परिधान साड़ी ही रहा है। ढेर सारे प्रयोगों के बाद भी साड़ी वही है, बदला है तो केवल उसका स्टाइल।

नित नए फैशनेबल स्टाइल साड़ी में आ रहे हैं। ऐसे में बहुत महँगी साड़ी न खरीदते हुए भी आप थोड़ी-सी सूझबूझ से कम कीमत में अपनी साड़ियों को घर पर ही सजा कर आप न्यू लुक दे सकती हैं। जो आपकी साड़ियों में चार चाँद लगा सकते हैं।

आइए देखें क्या हैं टिप्स...

- प्लेन साड़ी में प्लेट्स (पटली) और पल्लू पर बड़े सितारे लगाएँ बाकी साड़ी को प्लेन ही रहने दें।
- आजकल कई तरह का साड़ी वर्क फैशन में हैं। आप भी अपनी साड़ी को मनचाहा ट्रेस देकर उसमें सितारे, कुंदन, मिरर, पाइप नाका टाँकी आदि वर्क करें।
- अपनी साड़ी की खूबसूरती को बढ़ाने के लिए प्रिटेंड साड़ी में चिपकने वाले सितारों का उपयोग करें।
- अपनी साड़ी में बंधेज वर्क करके आप उसे एक अनोखा रूप दे सकती हैं।
- नेट की साड़ी आजकल बहुत प्रचलन में हैं, नेट पर मनचाही डिजाइन में वर्क करके उसे न्यू इफेक्ट दें।
- व्हाइट और ब्लैक ऐसे कलर हैं, जिस पर कोई भी वर्क करके आप पार्टी की शान बन सकती हैं।
- बॉर्डर और पल्लू को जरदौजी वर्क से डेकोरेट करें। बॉर्डर को लहरदार भी बना सकती हैं।
- किसी भी इवनिंग पार्टी के लिए साड़ी में मोती का वर्क करें, जो आपकी साड़ी को सोबर लुक देगा।
- प्लेन जॉर्जेट की साड़ी पर सॉटन के फूलों का वर्क करें, जो बहुत ही शानदार लगेगा।
- कॉटन की साड़ी पर पेंचवर्क साड़ी की शोभा दुगुनी कर देगा।
- अपनी साड़ी आकर्षक बनाने के लिए उस पर कढ़ाई करें। जैसे काथा वर्क, नॉटस्टिच, सिंधी कढ़ाई, लेजी-डेजी आदि कढ़ाई से साड़ी बहुत लुभावनी लगेगी।
- अपनी साड़ी में एम्ब्रॉइडरी करवाकर आप उसे स्पेशल बना सकती हैं।
- आजकल विभिन्न प्रकार की लेस चलन में है। अपनी किसी साड़ी में लेस लगाकर आप उसे हैवी बना सकती हैं।
- साड़ी में फेब्रिक पेंटिंग करके आप उसे न्यू लुक दे सकती हैं।
- सॉटन या अन्य किसी प्रिंटेड कपड़े की लेसनुमा बॉर्डर भी आप अपनी साड़ी में लगा सकती हैं।
- फेब्रिक कलर ट्यूब, जो आजकल हर कलर में उपलब्ध हैं, से आप साड़ी पर कम समय और कम लागत में वर्क करके साड़ी को पार्टी वियर बना सकती हैं।

साड़ी पहनने के अलग-अलग स्टाइल

ऐसा जरूरी नहीं कि आप जिस स्टाइल की साड़ी पहनती हैं, उसे ही हमेशा पहनें। साड़ी को पहनने के भी कई तरीके हैं।

आप अपनी हाइट, हेल्थ और मौके के अनुसार उसे चुन सकती हैं, जैसे : फ्री पल्लू साड़ी, पिनअप साड़ी, उल्टा पल्लू, सीधा पल्लू, लहँगा स्टाइल साड़ी, मुमताज स्टाइल साड़ी, बंगाली साड़ी, साड़ी आदि स्टाइलों की साड़ियों को आप अपनी पसंद से चेंज करके पहन सकती हैं।

बच्चे के मुँह में जब हो अँगूठा

बच्चों का अँगूठा चूसना एक सामान्य क्रिया है, लेकिन छह माह की उम्र के बाद भी बच्चा अँगूठा चूसना नहीं छोड़ता है, तो यह इस बात का सूचक है कि बच्चे के माँ-बाप बच्चे के प्रति लपरवाह हैं।

यह आदत बच्चों में तब पड़ती है, जब वह अपने को अकेला, असहाय, असुरक्षित महसूस करता है। अधिकतर माता-पिता इस आदत को बहुत सामान्य तरीके से लेते हैं। क्या आप जानते हैं आपके बच्चे की अँगूठा चूसने की आदत के क्या नुकसान है?

अँगूठा चूसने के नुकसान :

- हमेशा तो बच्चे को साफ-सुथरा रखना संभव नहीं होता, ऐसे में यदि वे अपना अँगूठा या हाथ मुँह में लेते हैं, तो हाथ के साथ गंदगी, धूल व कीटाणु भी बच्चे के मुँह में चले जाते हैं।
- अँगूठा चूसने वाले बच्चे की भूख मर जाती है, वे दूध की या भोजन की माँग नहीं करते, फलस्वरूप उनकी सेहत पर बुरा असर पड़ता है।
- अँगूठा चूसने का प्रभाव बच्चे के मस्तिष्क पर भी पड़ता है, वे अँगूठा चूसने में मस्त रहते हैं और मंद बुद्धि की ओर अग्रसर होते हैं।
- अँगूठा चूसने से बच्चे के दाँत बाहर की ओर निकल आते हैं, होठ मोटे होकर लटक जाते हैं, मुँह खुला रखने की आदत पड़ जाती है।
- एक ही हाथ का अँगूठा चूसने के कारण वह अँगूठा पतला हो जाता है, इसका असर बच्चे के शिक्षण पर भी पड़ सकता है, यदि वह उसी हाथ से लिखना शुरू करें।
- अँगूठा चूसने वाले बच्चे की जीभ बाहर की ओर निकली रहती है, इससे वे बोलने में तुतलाते हैं।
- ऐसे बच्चे आलसी व कमजोर हो जाते हैं, बड़े होते-होते हीन भावना से ग्रस्त हो जाते हैं।

कॉफी को जायकेदार बनाएँ

- कॉफी को सदैव हवाबंद बॉटल में भरकर रखें। हवा लगने से कॉफी में गुठले पड़ जाते हैं और स्वाद भी खराब हो जाता है।
- कॉफी का स्वाद बढ़ाने के लिए उसमें अदरक और छोटी इलायची डालें।
- एस्प्रेसो कॉफी का आनंद प्राप्त करने के लिए एक कप में कॉफी में प्रयोग होने वाली कुल चीनी और कॉफी लें और दो चम्मच दूध डालकर चम्मच से खूब फेंटें जब कॉफी का रंग बिलकुल सफेद हो जाए तब इसे दूध में डालकर एक उबाल दें, थोड़ी ऊँचाई से कप में धार बनाकर डालें। आपको एस्प्रेसो कॉफी का आनंद मिलेगा।
- कॉफी को सदैव शीशी में रखें, खुली रखने से कॉफी की खुशबू उड़ जाती है।
- विविध जायकेदार कॉफी बनाने के लिए उसमें दालचीनी, लौंग, चॉकलेट के टुकड़े व नींबू के छिलके डालें।

कमरा सजाएँ फूलों से

फूलों से सजाएँ अपनी दुनिया

अपने घर या ऑफिस को प्रभावी बनाना चाहती हैं और ये भी चाहती हैं कि सजावट जीवंत होकर आपके भाव खुद ही बयाँ करे। प्रकृति से जुड़ा आपका मन विभिन्न रंगों की कल्पना करता है तो फूलों से बेहतर क्या हो सकता है? फूलों के बारे में सोचकर आधा काम तो आपने कर लिया। अब बारी है यह देखने की कि आगे कैसे क्या करें।

- यदि आप कमरे की व्यवस्था में लंबी सजावट का प्रयोग कर रहीं हैं तो कुछ लंबे फूलों का प्रयोग करें। लंबे फूलों से अर्थ है कि जिनमें ऊपर की ओर कलियाँ होती हैं तथा नीचे की ओर फूल लगे होते हैं जैसे रजनीगंधा, ग्लेडुलाई, डेलफिनियम तथा ट्यूबरोजेस आदि।
- फूलों के गुच्छे आपकी सजावट में समृद्धि लाते हैं इसलिए यदि आप रिच लुक देना चाहती हैं तो ये बहुत अच्छे विकल्प हो सकते हैं। ये गुच्छे एक ही फूलों के या विभिन्न फूलों के हो सकते हैं। इन फूलों में गुलाब, कार्नेशन, झरबेरी, लिली, जिनिस तथा सेवंती को अपनी पसंद के अनुसार चुन सकती हैं। जहाँ कुछ खाली-खाली लग रहा हो वहाँ कुछ सहायक फूलों तथा पत्तियों के प्रयोग से जान डाल सकती हैं। जैसे फर्न, एस्टर तथा कुछ अन्य प्रकार की डालियाँ।
- चुने गए फूलों के अनुसार आप सजावट कर सकती हैं जैसे एक लंबे पतले वॉस में एक गुलाब की कली को सजाकर रख सकती हैं या चौड़े पॉट में बहुत से फूलों को बाँधकर रखें। इसे टेबल के सेंटरपीस की तरह प्रयोग करें। चाहें तो फूलों को पारंपरिक रुप से सजाएँ या इकेबाना का रुप दें लेकिन यदि आपका मन कह रहा है कि इस रंग के फूल के साथ यही फूल अच्छा लगेगा तो सज्जा के नियमों को अलग रखकर अपने मन की बात मानें।
- प्रकृति के इन अनुपम उपहारों को आप अलग-अलग थीम देकर भी सजा सकती हैं और इनके साथ विभिन्न सजावट की वस्तुओं का प्रयोग भी कर सकती हैं।

रिबन सैंडविच

सामग्री : 6 सफेद ब्रेड के स्लाइसेस, 6 ब्राउन ब्रेड के स्लाइसेस, मक्खन 3 टेबल स्पून, उबले आलू 2, पीला रंग 5 बूँदें, नमक, कालीमिर्च पावडर स्वादानुसार, हरी चटनी पाव कप, टमाटर सॉस पाव कप।

सामग्री कवर के लिए : बेसन एक कप, नमक पाव टी स्पून, सोडा चुटकी भर, मोयन के लिए गरम तेल एक टी स्पून, तेल तलने के लिए।

विधि : ब्रेड के स्लाइसेस पर मक्खन लगा लें। उबले हुए आलू कसकर उसमें पीला रंग, नमक, कालीमिर्च मिला लें। फिर 2 सफेद और 2 ब्राउन ब्रेड के स्लाइसेस लें। एक सफेद ब्रेड स्लाइस पर हरी चटनी लगाकर उस पर ब्राउन ब्रेड रखें।

उसके ऊपर टमाटर सॉस लगाकर ऊपर सफेद ब्रेड का स्लाइस रखें। अंत में सफेद ब्रेड पर आलू के पीले मिश्रण की पतली परत रखकर उसके ऊपर ब्राउन ब्रेड का स्लाइस रखें। सैंडविच अच्छी तरह से दबाएँ और तेज छुरी से उसे तीन हिस्सों में काटिए (आप चाहें तो सैंडविच ऐसे भी परोस सकते हैं।) अब बेसन में नमक, सोडा और गरम तेल का मोयन डालकर पकौड़े के मिश्रण जैसा बनाएँ।

इस मिश्रण में तैयार सैंडविच डुबोकर गरम तेल में तलकर गरमा-गरम परोसिए।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष — चू चे चो ला ली लू ले लो आ
महत्त्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। शुभांक-3-8-9

वृष — इ उ ए ओ वा वी वू वे वो
स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। बुरी संगति से बचें। नौकरी में सावधानीपूर्वक कार्य करें। अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। पत्नी व संतान पक्ष से थोड़ी चिंता रहेगी। शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। शुभांक-5-6-7

मिथुन — का की कू घ ड छ के को हा
संतान पक्ष की समस्या समाप्त होगी। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। खान-पान में सावधानी रखें। व्यापार में प्रगति होगी। अपने अधीनस्त लोगों से कम सहयोग मिलेगा। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। शुभांक-6-7-9

कर्क — ही हू हे हो डा डी डू डे डो
व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। सच्चाई का सहारा लें कार्यसिद्धि होगी। आर्थिक लाभ उत्तम रहेगा। शैक्षणिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। परिवार में किसी मांगलिक कार्य पर वार्ता होगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। समय आपके पक्ष का बना रहेगा। शुभांक-3-7-9

सिंह — मा मी मू मे मो टा टी टू टे
कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में रुकावट का एहसास होगा। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में रुकावट का एहसास होगा। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। जो चल रहा है उसे सावधानीपूर्वक संभालें। शुभांक-2-6-9

कन्या — टो पा पी पू ष ण ठ पे पो
मध्याह्न से ही आशाएं बलवती होंगी। महत्त्वपूर्ण कार्यों को आज ही निबटा लें उसके बाद समय व्ययकारी सिद्ध होगा। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। शुभांक-3-7-9

तुला — रा री रु रे रो ता ती तू ते
जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। बचते-बचते कलह विवाद का डर रहेगा। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। शुभांक-4-8-9

वृश्चिक — तो ना नी नू ने नो य यी यू
मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। बचते-बचते कलह विवाद का डर रहेगा। एकाकी वृत्ति त्यागें। हित के काम में आ रही बाधा मध्याह्न पश्चात् दूर हो जाएगी। अपने काम आसानी से बनते चले जाएंगे। शुभांक-3-5-7

धनु — ये यो भा भी भू धा फा ढा भे
व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में रुकावट का एहसास होगा। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। शुभ कार्यों में अड़चनें और परिवार के बुजुर्ग-जनों से मतभेद रहेगा। माता पक्ष से विशेष लाभ होगा। शुभांक-4-6-7

मकर — भे जा जी खी खू खे खो गा गी
शुभ कार्यों की प्रवृत्ति बनेगी और शुभ समाचार मिलेंगे। लाभकारी गतिविधियों में सक्रियता रहेगी। कुछ एकाग्रता की प्रवृत्ति बनेगी। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। शुभांक-3-6-8

कुंभ — गू गे गो सा सी सू से सो दा
किसी से कहा सुनी न हो यही ध्यान रहे। अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। जरा-सी लापरवाही आपको परेशानी में डाल सकती हैं। कुछ एकाग्रता की प्रवृत्ति बनेगी। शुभांक-4-6-8

मीन — दी दू थ झ ञ दे दो चा ची
संयमित भाषा का इस्तेमाल करें। कुछ कार्यक्रम बदलने होंगे। सब्र का फल मीठा होता है अत: धैर्य रखें व अच्छे समय इन्तजार करें। कर्म प्रधान विचार धारा बनाये रखें। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। मनोबल ऊंचा रखें काम में लगे रहें लाभ होगा। विपरीत परीस्थितीयों में भी हानि नहीं होगी। शुभांक-5-7-8

काकुरो पहेली - 4083

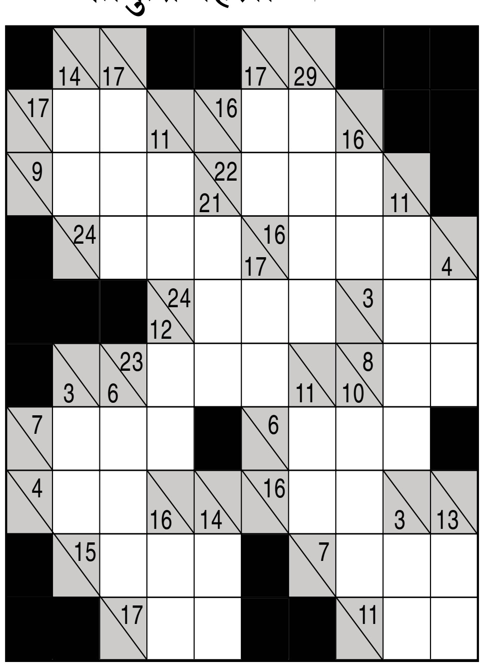

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

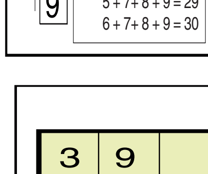

5 + 6 + 7 + 8 + 9 = 35
4 + 6 + 7 + 8 + 9 = 34
5 + 7 + 8 + 9 = 29
6 + 7 + 8 + 9 = 30

काकुरो -4082 का हल

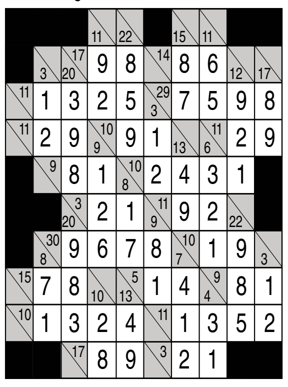

हंसी के फूव्वारें

फौजदारी का मुकदमा था.

अपराध स्वीकार कर लेने के पश्चात वकील ने अपराधी से पूछा-'तुमने उसे कितने थप्पड़ मारे थे ?'

'जी एक !'

तभी वह आदमी चिल्ला पड़ा जिसे मार पड़ी थी-'यह झूठ बोलता है मीलॉर्ड ! इसने मुझे पांच थप्पड़ मारे थे !'

इस पर अपराधी ने भोलेपन से कहा-'मीलॉर्ड ! मैंने मारा तो एक ही थप्पड़ था, पर इसके स्वास्थ्य को देखते हुए मैंने उसे पांच किश्तों में बांट दिया था.'

□ □ □

एक बार परेड हो रही थी.

एक कमांडर को बहुत कम जवानों के नाम याद रहते थे. वह जिस किसी जवान का नाम जानता था, परेड के समय उसी को ज्यादा टोकता था.

उस दिन परेड में वह चिल्लाया-'महेश ! परेड के साथ नहीं चलते. कदम बराबर मिलाओ ! तुम बहुत सुस्त चलते हो.'

'सर !'

सूबेदार ने सूचना दी-'महेश तो आज छुट्टी पर है.'

'तो क्या हुआ ?'

कमांडर और जोर से चीखा-'वह वहां भी सुस्त चल रहा होगा.'

□ □ □

फिल्म वर्ग पहेली -4083

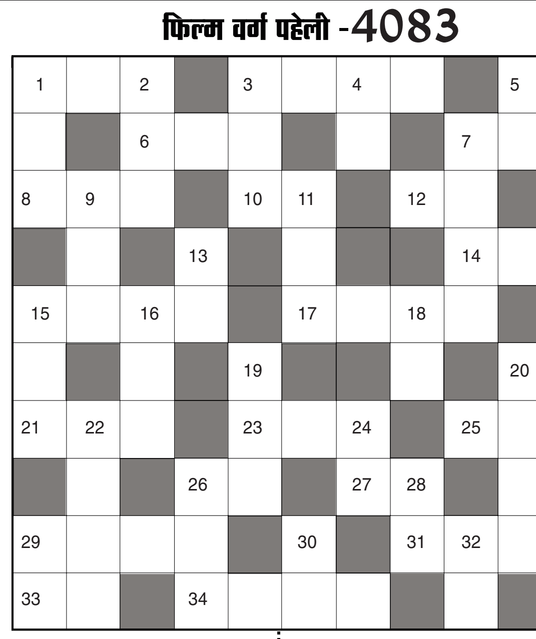

बायें से दायें:-

१. अभिषेक, करीना की 'जिसे तू ना मिला उसे कुछ' गीत वाली फिल्म-३
३. 'कितनी खूबसूरत ये' गीत वाली अमिताभ, विनोद, राखी की फिल्म-४
६. 'दिल विल प्यार व्यार' में आर. माधवन के साथ नायिका-३
७. सनी, प्रीति जिंटा की 'देखें भी तो क्या देखें' गीत वाली फिल्म-२
८. 'कैसी है दिल की लगी' गीत वाली विकास भल्ला, काजोल की फिल्म-३
१०. फिल्म 'ताजमहल' में प्रदीपकुमार की नायिका कौन थी?-२
१२. 'दिल में जागी धड़कन' गीतवाली लक्कीअली, गौरी की फिल्म-२
१४. 'माया मेमसाब' में शाहरूख के साथ नायिका कौन थी-२
१५. अजय देवगन, रवीना की 'एक से लेकर दस तक' गीत वाली फिल्म-४
१७. 'लिखे जो खत तुझे' गीत वाली शशिकपूर, आशापारेख की फिल्म-४
२१. प्रशांत, संध्या की 'पंख होते तो उड़ आती रे' गीत वाली फिल्म-३
२३. 'आज मदहोश हुआ जाए रे' गीत वाली शशिकपूर, राखी की फिल्म-३
२५. मनोज वाजपेयी, तब्बू की 'बाबा मेरी ये जवानी' गीत वाली फिल्म-२
२६. फिल्म 'इंडियन' में शिल्पा शेट्टी के साथ नायक कौन था?-२
२७. फिल्म 'बँबई से आया मेरा दोस्त' की नायिका कौन थी?-२
२९. 'आज फिर तुम पे प्यार आया है' गीत वाली फिल्म-४
३१. 'बंबई से रेल चली' गीत वाली फिल्म-३
३३. नसीर, अतुल, पूजाभट्ट की 'आज हमने दिल का' गीत वाली फिल्म-२
३४. 'गम का फसाना बन' गीत वाली फिल्म-४

ऊपर से नीचे:-

१. 'शरारत' में अभिषेक की नायिका?-३
२. 'अजनबी' में राजेश की नायिका?-३
३. अरशद, मयूरी कांगो की 'गुनगुनाती हुई इक नदी' गीत वाली फिल्म-३
४. जॉन अब्राहम, तारा शर्मा की फिल्म-२
५. सनी, सुनील, शिल्पा की 'शाम भी खूब है' गीत वाली फिल्म-२
७. 'जंगल' में उर्मिला का नायक?-४
९. संजय कपूर, जूही चावला की 'प्यार में दिल का' गीत वाली फिल्म-३
११. 'दूल्हा-दुल्हन की जोड़ी' गीत वाली अमिताभ, हेमा की फिल्म-३
१३. 'इश्क कमीना' गीतवाली फिल्म-२
१५. 'तू ही तू सतरंगी' गीतवाली फिल्म-२,१
१६. राज कुमार, हेमा, शत्रुघ्न, विजयेंद्र, मिथुन की १९८४ की एक फिल्म-३
१८. चंद्रचूड़सिंह, महिमा की फिल्म-२
१९. मिलिंद, विक्रम सलूजा, किरण की 'चंदा की चांदनी' गीत वाली फिल्म-३
२०. 'जैसे इक चाँद का टुकड़ा' गीत वाली सनी, अनिल, किमी की फिल्म-४
२२. 'बॉक्सर भाई' गीत वाली फिल्म-४
२४. 'चंपई धूप के साये' गीतवाली फिल्म-२
२६. 'आँखों में नींदें ना दिल में करार' गीत वाली फिल्म-३
२८. संजय कपूर, माधुरी की 'तूने अगर प्यार से' गीत वाली फिल्म-२
२९. 'चाँदनी रूप की' गीत वाली फिल्म-२
३०. 'ये कैसा है शहर' गीत वाली फिल्म-२
३२. 'कसूर' में आफताब शिवदासानी के साथ नायिका कौन थी-२

फिल्म वर्ग पहेली - 4082

सूडोकु -4083

3	9				1			
5	4			6	8		1	3
		1		7		9	5	
	8	9		5	3		4	7
6	1		4	9		2	3	
	3	4		1		8		
7	5		8	3			2	4
			6				7	9

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु 4082 हल

9	6	2	3	4	1	7	5	8
1	4	8	9	7	5	6	2	3
5	7	3	2	6	8	1	4	9
3	2	1	6	9	4	8	7	5
4	8	7	5	1	2	9	3	6
6	9	5	8	3	7	4	1	2
8	3	4	7	2	6	5	9	1
2	1	6	4	5	9	3	8	7
7	5	9	1	8	3	2	6	4

शब्द पहेली - 4083

बाएँ से दाएँ

1.बलगम-2
3.जाप,मंत्र पाठ-2
5.काया,बदन-2
7.ठाठ-बाट-2
9.गिरावट,अवनति-3
11.बुरी आदत-2
13.सद,अच्छा-2
15.बंदर-3
17.अपशिष्ट पदार्थ-2
19.थोड़ा-2
22.दबाना,कुचलना-3
24.शारीरिक ऊंचाई-2
26.आम जनता-2
28.पिता के पिता-2
30.पक्षाघात,फालिज-3
32.मनमौजी,अलमस्त-2
34.नवीन-2
36.लोच-3
38.गाड़ी,घोड़ागाड़ी-2
41.बीता हुआ दिन-2
43.लेखनी,पेन-3
45.अधर-2
47.रांझा की प्रेमिका-2
49.अप्सरा,परी-2
51.गर्भ,कोख-3
53.दंड,शिक्षा -2
55.पाश,फंदा-2
57.परखना-3
60.वोट,अभिप्राय-2
62.हत्या-2
64.तिरस्कृत-3
66.शराब-2
67.उद्देश्य-2
68.टूंटी,नलका-2
69.आनंद-2

ऊपर से नीचे

1.प्याला-2
2.धर्म आदेश-3
4.क्षण,लमहा-2
6.गगन,आकाश-2
8.सरुर,खुमार-2
10.पति की बहन-3
12.अंधकार-2
14.शर्म,लज्जा-2
16.पासों से भविष्य जानने की विद्या-3
18.भाग्य (अंग्रेजी-2)
20.रहस्य-2
21.कुर्बान-2
23.अनुकृति-3
25.जोर,बल-2
27.नाखून-2
29.दक्षिणा-2
31.पढ़ने वाला-3
33.परत-2
35.भैंस जैसा एक प्राणी-2
37.झगड़ा-3
39.भूमि,धरा -2
40.राहगीर-2
42.रक्त-2
44.मां का प्रेम-3
46.दम-2
48.आनंद-2
50.छुट्टी-2
52.झगड़ना-3
54.प्याला-2
56.प्यार-2
58.असफल-3
59.यमराज-2
61.पैंदा-2
63.संपत्ति-2
65.सम्राट-2

शब्द पहेली -4082 का हल

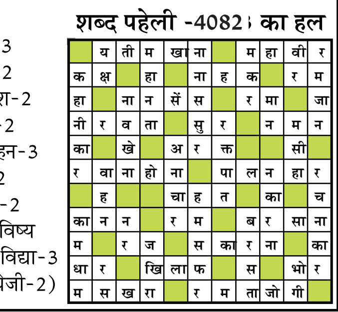

नारायणपुर में 37 लाख रुपये से ज्यादा के 22 इनामी नक्सलियों ने किया आत्मसमर्पण

एजेंसी

नारायणपुर /रायपुर। नारायणपुर में कुल 22 इनामी नक्सलियों ने आईटीबीपी और बीएसएफ के अधिकारियों, एएसपी प्रभात कुमार और नारायणपुर के आला अधिकारियों के सामने आत्मसमर्पण किया है। आत्मसमर्पित नक्सलियों में कुल 37 लाख 50 हजार रुपये के इनामी नक्सली शामिल हैं। इनमें 14 पुरुष और 8 महिला नक्सली शामिल हैं। एसपी रॉबिनसन गुड़िया ने बताया कि इनमें से अधिकांश नक्सली कुतुल एरिया कमेटी के तहत कार्य करते थे, वे अबूझमाड़ में सबसे ज्यादा सक्रिय थे। पुलिस ने इनमें से 20 नक्सलियों के नाम जाहिर किये हैं। पुलिस अधीक्षक रॉबिनसन गुड़िया ने आज पत्रकारों को आत्मसमर्पित नक्सलियों की जानकारी देते हुए बताया कि इसमें सबसे प्रमुख कुतुल एरिया कमेटी का सचिव और उसकी पत्नी है। आठ लाख रुपये का इनामी कुतुल एरिया कमेटी सचिव सुखलाल कुंजाम और उसकी पत्नी हिड़मे कुंजाम ने हथियार डालकर लाल आतंक से किनारा कर लिया है। हिड़मे कुंजाम पर 5 लाख रुपये का इनाम है। सुखलाल कुंजाम, कुतुल एरिया कमेटी सचिव था। वह बीते पिछले 14 वर्षों से सक्रिय रहा है। इरकभट्टी कैंप पर ग्रेनेड हमला सहित कई घटनाओं में सुखलाल कुंजाम शामिल रहा है। जबकि उसकी पत्नी माड़ डिवीजन की सप्लाई टीम एसीएम टीम की सदस्य थी।

मध्य प्रदेश में निवेश के लिए मुख्यमंत्री डॉ. यादव 13 से 19 जुलाई तक दुबई और स्पेन की यात्रा पर

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव मध्य प्रदेश में निवेश बढ़ाने के लगातार प्रयास कर रहे हैं। इसी उद्देश्य से प्रदेश में वर्ष 2025 उद्योग एवं रोजगार वर्ष के रूप में मनाया जा रहा है। उन्होंने पिछले साल नवंबर, दिसंबर में यूके, जर्मनी और इस वर्ष जनवरी में जापान जैसे देशों में प्रदेश की निवेशक फ्रेंडली नीतियों से रूबरू कराते हुए न केवल निवेशकों को मध्य प्रदेश आने के लिए आमंत्रित किया है। इसी क्रम में अब मुख्यमंत्री डॉ. यादव 13 से 19 जुलाई को दुबई और स्पेन की यात्रा पर रहेंगे। जनसम्पर्क अधिकारी बबीता मिश्रा ने जानकारी देते हुए बताया कि मुख्यमंत्री डॉ. यादव 13 से 16 जुलाई तक दुबई में रहेंगे। इस दौरान निवेश को लेकर इंडियन बिजनेस एंड प्रोफेशनल कॉउंसिल के प्रतिनिधियों के साथ उनकी प्रमुख बैठक प्रस्तावित है, जहां मध्य प्रदेश की औद्योगिक तैयारियों और निवेश नीति को लेकर प्रस्तुतियां दी जाएंगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव दुबई में कार्यरत लुलु इंटरनेशनल ग्रुप, लैंडमार्क ग्रुप और नखील ग्रुप जैसे अंतरराष्ट्रीय रिटेल और इंफ्रास्ट्रक्चर कंपनियों के प्रतिनिधियों के साथ उच्चस्तरीय वार्ता करेंगे, जिनमें प्रदेश में लॉजिस्टिक्स पार्क, वेयरहाउस, रिटेल चेन और निवेश संबंधी अन्य सहयोग पर विचार किया जाएगा।

'उदयपुर फाइल्स' पर कन्हैयालाल का बेटा यश बोला-तीन साल बाद भी उन्हें नहीं मिला न्याय

उदयपुर। राजस्थान के उदयपुर में तीन साल पहले हुई टेलर कन्हैयालाल हत्याकांड पर हाल ही में बनी फिल्म 'उदयपुर फाइल्स' पर दिल्ली उच्च न्यायालय की रोक के बाद तीखी प्रतिक्रियाएं आ रही हैं। कन्हैयालाल के बेटे यश के साथ ही विश्व हिन्दू परिषद ने अदालत के फैसले पर कड़ी नाराजगी जताई है। कन्हैयालाल के बेटे यश ने कहा कि फिल्म के खिलाफ जो याचिका लगी है, वह शायद तीन या चार दिन पहले लगी थी। लेकिन एक याचिका जो मैंने पिताजी के घटना के समय आज से करीब तीन साल पहले लगाई थी, उस केस का कोई निष्कर्ष नहीं निकला। आज तक वह केस जैसे का तैसा ही है। उस केस में डेढ़ सौ से अधिक गवाह थे। उसमें शायद 15 या 16 की पेशियां भी नहीं हुईं। न उसमें फास्ट ट्रैक लगा। उसमें सीबीआई को एनआईए का अतिरिक्त चार्ज दिया गया है। केस वहीं पर चल रहा है। वहां रोजाना सुनवाई भी नहीं होती है। मेरी उसमें बराबर पेशी हो रही है। वहीं सबूत वगैरह सब कुछ होने के बावजूद तीन साल से इस केस में किसी भी अपराधी को सजा नहीं मिली। यश ने कहा कि जब कोई फिल्म के जरिए देश को हकीकत दिखाना चाहता है, तो इसके लिए पूरा संगठन खड़ा हो जाता है। जमात-ए-हिंद, मौलाना मदनी आ जाते हैं कि नहीं, इस फिल्म पर रोक लगनी चाहिए। और सिर्फ तीन दिन के अंदर हमें पता चल रहा है कि फिल्म पर रोक भी लग गई। यह योजना कितनी तेज है! वहीं जब किसी केस में अपराधियों को सजा देनी होती है, तो वह नहीं हो रही है। यह गंभीरता से सोचने वाली बात है।

पंजाब में फिर शुरू होगी बैलों की दौड़, विधानसभा में विधेयक पारित

चंडीगढ़। पंजाब में लंबे समय के बाद फिर बैलों की दौड़ का आयोजन होने का रास्ता साफ हो गया। पंजाब विधानसभा में पशुओं के प्रति क्रूरता रोकथाम (पंजाब संशोधन) विधेयक 2025 सर्वसम्मति से पारित कर दिया गया। सदन में मुख्यमंत्री भगवंत मान ने ग्रामीण खेलों को राज्य की संस्कृति का अभिन्न बताया। विधानसभा में आज इस विधेयक पर बहस के दौरान मुख्यमंत्री मान ने कहा कि ग्रामीण खेल राज्य की शानदार संस्कृति का अभिन्न अंग रहे हैं। इस विधेयक का उद्देश्य ग्रामीण खेलों, विशेष रूप से बैलगाड़ी दौड़ और अन्य खेलों को बढ़ावा देना है, जो राज्य के कोने-कोने में आयोजित किए जाते थे। भगवंत मान ने कहा कि पशुधन राज्य की कृषि अर्थव्यवस्था का अभिन्न अंग रहा है और पंजाबी किसान सदियों से पशुओं को अपने बच्चों की तरह पालते आए हैं।

डीआरडीओ-वायुसेना ने किया 'अस्त्र' मिसाइल का सफल परीक्षण

एजेंसी

नई दिल्ली। रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) तथा भारतीय वायुसेना ने हवा से हवा में मार करने वाली बियॉन्ड विजुअल रेंज मिसाइल (बीवीआरएएम) 'अस्त्र' का सफल परीक्षण किया।

स्वदेशी 'रेडियो फ्रीक्वेंसी (आरएफ) सीकर' से लैस 'अस्त्र' का परीक्षण ओडिशा तट के पास भारतीय फाइटर जेट सुखोई-30 एमके-1 से किया गया। रक्षा मंत्रालय के मुताबिक, परीक्षण के दौरान दो मिसाइल लॉन्च किए गए। इनमें हाई-स्पीड मानवरहित हवाई लक्ष्यों को विभिन्न रेंज, दिशा और लॉन्च प्लेटफॉर्म्स की स्थितियों में निशाना बनाया गया। बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए दोनों बार मिसाइल ने लक्ष्य को अत्यंत सटीकता के साथ नष्ट किया। मंत्रालय के अनुसार, मिसाइल

परीक्षण में स्वदेशी आरएफ सीकर सहित सभी सबसिस्टम्स ने अपेक्षा के अनुरूप प्रदर्शन किया। यह आरएफ सीकर डीआरडीओ द्वारा देश में ही डिजाइन और विकसित किया गया है। इस परीक्षण ने 'अस्त्र' मिसाइल प्रणाली की सटीकता और विश्वसनीयता को प्रमाणित किया है। यह प्रामाणिकता इंटीग्रेटेड टेस्ट रेंज, चांदीपुर द्वारा तैनात रेंज ट्रैकिंग यंत्रों के माध्यम से प्राप्त उड़ान डेटा के आधार पर मिली है। 'अस्त्र' की मारक क्षमता 100 किलोमीटर से अधिक है। यह उन्नत गाइडेंस एवं नेविगेशन प्रणाली से युक्त है। इस परियोजना में डीआरडीओ की विभिन्न प्रयोगशालाओं के साथ-साथ हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) समेत 50 से अधिक सार्वजनिक और निजी उद्योगों का योगदान रहा है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने इस सफलता के लिए डीआरडीओ, भारतीय वायुसेना और औद्योगिक साझेदारों को बधाई दी है। उन्होंने कहा कि स्वदेशी सीकर के साथ मिसाइल का सफल परीक्षण रक्षा तकनीक में आत्मनिर्भरता की दिशा में एक बड़ा मील का पत्थर है।

चिराग पासवान को बम से उड़ाने की मिली धमकी, पुलिस ने शुरू की जांच

एजेंसी

पटना। बिहार में इस साल के अंत में विधानसभा चुनाव होने वाले हैं। इसे लेकर राजनीतिक पार्टियां एक्टिव हो गई हैं और चुनाव प्रचार अभियान में अपनी पूरी ताकत झोंक दी है। इस बीच केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान को जान से मारने की धमकी मिली है। लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के अध्यक्ष और केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान को बम से उड़ाने की धमकी मिली है। इसके बाद केंद्रीय मंत्री ने पुलिस विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों को इसकी सूचना दी। पुलिस ने मामले की छानबीन शुरू कर दी है। चिराग पासवान ने लोकसभा चुनाव 2024 में हाजीपुर सीट से बंपर जीत हासिल की थी। वे इस वक्त प्रधानमंत्री मोदी कैबिनेट में मंत्री हैं। सक्रिय राजनीति में आने से पहले चिराग बॉलीवुड के एक्टर भी रह चुके हैं। सिनेमा जगत से करियर की शुरुआत करने वाले चिराग पासवान इस वक्त अपने पिता रामविलास पासवान की राजनीतिक विरासत संभाल रहे हैं। इससे पहले चिराग पासवान ने छपरा में आयोजित 'नव संकल्प महासभा' को संबोधित करते हुए बिहार की सभी सीटों पर चुनाव लड़ने का ऐलान किया था। उन्होंने कहा था कि जब वे बिहार में आकर चुनाव लड़ने की बात करते हैं तो बहुत लोगों को परेशानी होती है। पूछा जाता है कि कितनी सीटों पर चुनाव लड़ेंगे। ऐसे में आज घोषणा करता हूं कि बिहार की सभी 243 सीटों पर चुनाव लड़ूंगा। साथ ही उन्होंने यह भी स्पष्ट किया था कि वह एनडीए का ही हिस्सा रहेंगे और हर सीट पर चिराग पासवान खड़ा होगा। उन्होंने बिना किसी का नाम लिए कहा कि उन्हें बिहार आने से रोकने की साजिश की जा रही है।

एक देश के रूप में भारत ने हमेशा विकास को दी प्राथमिकता - पीयूष श्रीवास्तव

एजेंसी

नई दिल्ली । भारत सरकार के नागरिक उड्डयन मंत्रालय के वरिष्ठ आर्थिक सलाहकार पीयूष श्रीवास्तव ने कहा कि एक देश के रूप में भारत ने हमेशा विकास को प्राथमिकता दी है। उन्होंने आगे कहा कि हमने कभी किसी अन्य देश के प्रति आक्रामक इरादे नहीं रखे। हालांकि, हम उचित, निर्णायक और अपनी पसंद के समय पर जवाब देने का अधिकार सुरक्षित रखते हैं। नई दिल्ली में आयोजित एयर कार्गो फोरम इंडिया के वार्षिक सम्मेलन के चौथे संस्करण में उन्होंने कहा कि महत्वपूर्ण बात यह है कि इंफ्रास्ट्रक्चर का विकास जारी रहना चाहिए। अगर हम विशेष रूप से हवाई ढाचें की बात करें तो विमानन क्षेत्र के सामने कई विरोधाभास और चुनौतियां हैं।

उन्होंने कहा, जब हम एयर कार्गो की बात करते हैं तो इसमें नियामक आयाम, आर्थिक हित और इंफ्रास्ट्रक्चर के पहलू जैसे कई आयाम शामिल होते हैं। सरकार इन सभी को प्राथमिकता दे रही है। उन्होंने आगे कहा कि यह प्राथमिकता कॉर्डिनेशन के स्तर पर स्पष्ट है, जैसा कि प्रधानमंत्री के गति शक्ति कार्यक्रम से स्पष्ट होता है। उन्होंने अपनी बात पर जोर देते

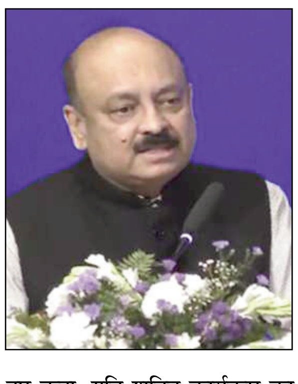

हुए कहा, गति शक्ति कार्यक्रम का उद्देश्य समन्वित तरीके से इंफ्रास्ट्रक्चर का विकास करना है। दोहराव से बचना और व्यवधानों को कम करना है ताकि इंफ्रास्ट्रक्चर के निर्माण की समग्र दक्षता में वृद्धि हो सके। इससे, एयर कार्गो सहित सेवाओं की बेहतर डिलीवरी होती है। देश में विकसित तकनीकी प्रगति और इंफ्रास्ट्रक्चर के योगदान को लेकर नागरिक उड्डयन मंत्रालय के वरिष्ठ आर्थिक सलाहकार श्रीवास्तव ने सिंदूर ऑपरेशन का जिक्र किया। उन्होंने कहा, हम आज भी अपने एक पड़ोसी देश द्वारा किए गए दुर्भाग्यपूर्ण दुस्साहस को याद करते हैं, जैसा कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान हुआ था। हमारे सशस्त्र बलों की बहादुरी की बदौलत हमने उन्हें करारा झटका दिया था, लेकिन इसमें देश में विकसित तकनीकी प्रगति और इंफ्रास्ट्रक्चर का भी योगदान था। हमारी आर्थिक मजबूती ने जवाब देने की हमारी क्षमता मजबूत किया।उन्होंने आगे कहा, हम एक व्यापक विमानन इकोसिस्टम को विकसित करने के लिए काम कर रहे हैं - न केवल एयर इंफ्रास्ट्रक्चर बल्कि सहायक सेवाएं भी, जिनमें एमआरओ, विमानों को लीज पर देना और वित्तपोषित करना, तथा यहां तक कि भारत में विमान निर्माण क्षमताओं की संभावनाएं तलाशना शामिल है।

बिहार के धौरी प्रवेश द्वार पर श्रावणी मेला का हुआ उद्घाटन

एजेंसी

पटना। बिहार के उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने विश्व प्रसिद्ध श्रावणी मेले का उद्घाटन भागलपुर जिले के सुलतानगंज और बांका जिले के धौरी प्रवेश द्वार पर शुक्रवार को किया। उन्होंने कहा कि आस्था और श्रद्धा के मेले का सफल आयोजन करने के लिए बिहार सरकार ने विशेष तैयारी की है। उन्होंने कहा कि सुलतानगंज, मुंगेर बांका जिले के अंतर्गत आने वाले कांवड़िया पथ पर आधुनिक टेंट सिटी का निर्माण कराया गया है। सम्राट चौधरी ने कहा कि 12 ज्योतिर्लिंगों में शामिल बाबा बैद्यनाथ धाम (देवघर) में श्रावण मास में होने वाली पूजा अत्यंत विशेष महत्व रखती है। श्रावणी मेले में देशभर से लाखों श्रद्धालु बिहार के सुलतानगंज की उत्तरवाहिनी गंगा से जल भरकर देवघर स्थित बाबा बैद्यनाथधाम मंदिर में जल अर्पित करते हैं। उन्होंने बताया कि टेंट सिटी में बिजली, शौचालय, स्नानघर, पेयजल, सुरक्षा, सीसीटीवी, पंखा, कूलर, टेबल-कुर्सियों जैसी सभी आवश्यक सुविधाएं मौजूद हैं। यहां कांवरियों के लिए बांस के विशेष कांवर स्टैंड भी बनवाए गए हैं। कांवरिया पथ पर सूचना केंद्र, स्वास्थ्य शिविर, स्नानघर और शौचालय की व्यवस्था की गई है। सुलतानगंज रेलवे स्टेशन पर उमड़ने वाली भीड़ को ध्यान में रखते हुए एक्सप्रेस ट्रेनों का ठहराव दो मिनट किया गया

है। उन्होंने कहा कि साफ-सफाई के लिए नगर परिषद ने तीन पालियों में कर्मियों की तैनाती की है। कांवरिया पथ पर स्थित दुकानों पर रेट चार्ट लगाए गए हैं। साथ ही खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता की भी निगरानी की जा रही है। चौधरी ने कहा कि आवश्यक सुविधाओं के साथ ही कांवड़ियों के आध्यात्मिक अनुभव को समृद्ध बनाने के लिए सुलतानगंज में प्रतिदिन गंगा आरती का आयोजन किया जा रहा है। मेला उद्घाटन और समापन के दिन भगवान शिव पर आधारित लेजर शो का आयोजन किया जाएगा। उपमुख्यमंत्री ने कहा बांका जिले के कांवड़ पथ पर भी विशेष इंतजाम किए गए हैं। यहां कांवर पथ की 55 किलोमीटर लंबी कच्ची सड़कों का रेत के साथ उच्चीकृत रख-रखाव, रोड साइन बोर्ड, पीवीसी पाइप और सड़कों पर पेंटिंग जैसे कार्य पूरे कर लिए गए हैं। 600 बेड वाले अबरखा टेंट सिटी में सभी आवश्यक सुविधाओं के साथ-साथ सांस्कृतिक मंच, आध्यात्मिक कार्यक्रम और सूचना केंद्र का इंतजाम किया गया है।

धर्मांतरण के मास्टरमाइंड छांगुर बाबा को लेकर बलरामपुर पहुंची एटीएस

एजेंसी

बलरामपुर। अवैध रूप से धर्मांतरण कराने के मामले में गिरफ्तार आरोपित जलालुद्दीन उर्फ छांगुर बाबा को लेकर यूपी एटीएस उसके गांव मधुपुर स्थित कोठी पर पहुंची। यहां 40 मिनट रुकने के बाद बाबा छांगुर को लेकर टीम वापस लखनऊ को लौट गई। इस दौरान बाबा के कोठी के आसपास एटीएस के कमांडो तैनात रहे। दरअसल, अवैध रूप से धर्मांतरण कराने के मामले में गिरफ्तार जलालुद्दीन उर्फ छांगुर बाबा और उसकी सहयोगी नसरीन उर्फ नीतू इस समय पुलिस रिमांड पर हैं। दोनों से धर्मांतरण और विदेशी फंडिंग को लेकर पूछताछ चल रही है। साक्ष्यों को इकट्ठा करने के उद्देश्य से एटीएस की टीम छांगुर बाबा को लेकर यहां मधुपुर में स्थित

उसकी कोठी पर पहुंची। इस दौरान मीडिया को दूर रखा गया और छानबीन के समय पूरी कोठी को एटीएस कमांडो ने घेरा बना रहा। किसी भी अंजान व्यक्तियों को वहां जाने की अनुमति नहीं थी। तकरीबन 40 मिनट तक यहां रुकने और आरोपित से पूछताछ के बाद एटीएस छांगुर को पुनः अपने साथ वापस ले गई है। छांगुर बाबा जब गाड़ी से उतरा तो ध्वस्त कोठी को देखकर भावुक हो गया था। जानकारी के अनुसार एटीएस ने कोठी का निरीक्षण कर कई अहम जानकारियां जुटाई और छांगुर से कोठी से जुड़े कई सवाल पूछे गए। हालांकि, अभी तक इस मामले में कोई आधिकारिक बयान सामने नहीं आया है। उल्लेखनीय है कि एटीएस ने गुरुवार को धर्मांतरण के मास्टरमाइंड जलालुद्दीन उर्फ छांगुर बाबा और नीतू उर्फ नसरीन को सात दिन की रिमांड पर लिया था। इसी बीच प्रशासन ने बाबा की कोठी के अवैध हिस्सों को गिरा दिया है।

हिन्दुत्व के लिए काम करता रहूंगा- राजा सिंह

एजेंसी

हैदराबाद। गोशामहल से विधायक टी. राजा सिंह ने पार्टी से इस्तीफा स्वीकार होने के बाद अपनी प्रतिक्रिया में कहा कि वह अपनी आखिरी सांस तक हिंदुत्व के लिए काम करेंगे। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने शुक्रवार सुबह उनका स्वीकार कर लिया था। इसके बाद राजा सिंह ने पर पोस्ट, मैं ठीक 11 साल पहले हिंदुत्व की विचारधारा के साथ देश और लोगों की सेवा करने के उद्देश्य से भाजपा में शामिल हुआ था। पार्टी ने मुझ पर भरोसा किया और मुझे तेलंगाना विधानसभा चुनाव में लगातार तीन बार गोशामहल विधायक का टिकट दिया। पार्टी के राज्य और राष्ट्रीय नेतृत्व का मैं हृदय से आभार व्यक्त करता हूँ। मेरा इस्तीफा आज भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने स्वीकार कर लिया। मैं शायद आलाकमान तक उन लाखों भाजपा कार्यकर्ताओं का दर्द नहीं पहुँचा पाया, जो तेलंगाना में भाजपा सरकार बनाने के लिए दिन-रात मेहनत कर रहे हैं।'' उन्होंने आगे लिखा कि मैंने किसी पद, सत्ता या निजी फायदे के लिए इस्तीफ़ा नहीं दिया। मेरा जन्म हिंदुत्व के लिए हुआ है... मैं अपनी आखिरी साँस तक इसके लिए काम करूँगा ।

दिल्ली में अवैध रूप से बने आधार कार्ड पर सख्ती, उपराज्यपाल ने अधिकारियों को दिए कड़े निर्देश

एजेंसी

नई दिल्ली । दिल्ली में अवैध रूप से रहने वाले नागरिकों के पास आधार कार्ड जैसे भारतीय पहचान पत्र होने के मामलों पर उपराज्यपाल वीके सक्सेना ने बड़ा कदम उठाया है। उपराज्यपाल ने दिल्ली के अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए और कहा कि अब आधार नामांकन प्रक्रिया में किसी भी प्रकार की लापरवाही नहीं चलेगी। उपराज्यपाल सचिवालय ने दिल्ली के मुख्य सचिव को पत्र लिखा। उन्होंने आधार कार्ड जारी करने के लिए सख्त नियम लागू करने का अनुरोध किया। उपराज्यपाल ने नामांकन प्रक्रिया %इन-हाउस मॉडल% पर करने को कहा है। साथ ही मुख्य सचिव से 15 जुलाई तक दिल्ली के सभी आधार नामांकन केंद्रों की सूची मांगी है। मुख्य सचिव को भेजे गए पत्र में उपराज्यपाल सचिवालय ने लिखा,

दिल्ली सरकार के रजिस्ट्रारों की जिम्मेदारियों, खासकर फील्ड स्तर पर इंप्लीमेंटेशन, मॉनिटरिंग और वेरिफिकेशन प्रक्रियाओं की दोबारा समीक्षा की जरूरत है। उपराज्यपाल ने निर्देश दिया है कि सभी रजिस्ट्रारों को स्पष्ट रूप से निर्देशित किया जाए कि वो आधार (नामांकन और अद्यतन) विनियम, 2016 के प्रावधानों का सख्ती से पालन करें और दो महीने में इन-हाउस मॉडल को अपनाएं। पत्र में लिखा, कई मामलों में अवैध रूप से रह रहे लोगों ने गलत दस्तावेजों या तथ्यों को छिपाकर आधार कार्ड हासिल किए हैं। इसका एक दुष्प्रभाव ये है कि ऐसे व्यक्ति बाद में पासपोर्ट और मतदाता पहचान पत्र जैसे दस्तावेज भी हासिल कर लेते हैं, जो नागरिकता को प्रमाणित करते हैं। इसके अलावा, वो केंद्र और राज्य सरकार की तमाम योजनाओं का लाभ भी उठाते हैं। एक बार आधार कार्ड हासिल करने के बाद ये लोग नौकरियों में प्रवेश पाते हैं, जिससे स्थानीय लोगों के रोजगार पर भी प्रतिकूल असर पड़ता है। ये स्थिति राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए भी एक गंभीर चिंता का विषय है।उपराज्यपाल सचिवालय ने मुख्य सचिव से कहा है, यह यूआईडीएआई के 14 अक्टूबर 2022 के कार्यालय ज्ञापन से स्पष्ट है कि आधार नामांकन के लिए प्रयुक्त मशीनें और ऑपरेटर या तो संबंधित रजिस्ट्रार के नियमित कर्मचारी होने चाहिए या किसी मान्यता प्राप्त मैनपावर एजेंसी से वेतन आधार पर नियोजित किए जाने चाहिए। साथ ही, उन्हें निर्धारित प्रशिक्षण मानकों के अनुरूप प्रशिक्षित किया जाना अनिवार्य है। इस संबंध में वर्तमान स्थिति की स्पष्ट जानकारी पेश की जाए।

गंभीरा ब्रिज दुर्घटना: मृतकों की संख्या 21 पर पहुंची, स्वास्थ्य मंत्री ने किया घटनास्थल का दौरा

एजेंसी

गांधीनगर। वडोदरा और आणंद के बीच गंभीरा पुल हादसे के बाद तीसरे दिन के रेस्क्यू अभियान में तीन ट्रक और एक बाइक को नदी से बाहर निकाला गया। हादसे में घायलों में से दो और लोगों की अस्पताल में मौत के बाद मरने वालों की संख्या 21 हो गई है। इसी बीच राज्य के स्वास्थ्य मंत्री ऋषिकेश पटेल ने घटनास्थल का दौरा किया और बाद में अस्पताल में घायलों से मिले और उनका हाल जाना। वडोदरा और आणंद के बीच नदी पर बना गंभीरा पुल 9 जुलाई को अचानक ढह गया था, जिससे कई वाहन नदी में गिर गए थे। हादसे में 18 लोगों की मौत हो गई थी और दो लोग लापता हो गए थे। दुर्घटना के बाद रेस्क्यू अभियान चलाया गया। तीसरे दिन भी रेस्क्यू अभियान में नदी से तीन ट्रक और एक बाइक को

बाहर निकाला गया। ट्रक में मौजूद सल्फ्यूरिक एसिड नदी में फैलने के कारण रेस्क्यू में मुश्किलें आ रही हैं। हादसे के 50 घंटे बाद भी रेस्क्यू पूरा नहीं हो सका। आशंका है कि नदी में गिरे ट्रक के नीचे कुछ लोग दबे हो सकते हैं। इसी बीच दुर्घटना में घायल बोरसद तालुका के दहिवन गांव निवासी नरेन्द्र सिंह रतन सिंह परमार की सयाजी अस्पताल में इलाज के दौरान मौत हो गई। दो शव पानी में फंसे दिखे हैं। इस तरह हादसे में मृतकों की कुल संख्या 21 हो गई है। इससे पहले 9 तारीख की रात तक नदी से 13 शव बरामद हो चुके थे। 10 तारीख को 5 और शव बरामद हुए। आज ऋषिकेश पटेल ने घटना स्थल और सयाजी अस्पताल पहुंचे। ऋषिकेश पटेल ने कहा कि आज वे रेलवे अधिकारियों के साथ घटना का जायजा लेने आए हैं। उनके मुताबिक प्रारंभिक चरण में पता चला है कि पुल का आधार और जोड़ टूट जाने के कारण पुल का हिस्सा खिसक गया है। सरकार ने तत्काल कदम उठाए हैं। अधिकारियों को 30 दिनों के भीतर घटना की रिपोर्ट देने का आदेश दिया गया है। मंत्री पटेल ने कहा कि सड़क और भवन विभाग की जांच समिति 30 दिन में विस्तृत रिपोर्ट सौंपेगी। इसकी जांच रिपोर्ट मुख्यमंत्री को सौंपी जाएगी।

प्रधानमंत्री जिन देशों में जा रहे हैं उनकी विदेशी नीति भी बताएं : भगवंत मान

एजेंसी

चंडीगढ़,। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने लगातार दूसरे दिन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की विदेश यात्राओं पर कटाक्ष किया। विधानसभा सत्र के दौरान भगवंत मान ने फिर बयान दिया कि क्या हमें प्रधानमंत्री से सवाल पूछने का हक नहीं है। वह किन देशों में जा रहे हैं और देश की विदेश नीति क्या है। यह जानना जनता का अधिकार है। मुख्यमंत्री ने सदन में कहा कि बातें चंद्रयान की करते हैं, लेकिन सीवरेज के ढक्कन पूरे नहीं हो रहे हैं। विश्व गुरु बनने की बातें करते हैं, लेकिन हमें बुलाते नहीं हैं। मान यहीं नहीं रूके, उन्होंने कहा कि दिलजीत की फिल्म की शूटिंग पहलगाम में आतंकी हमले से पहले हुई थी, उसमें पाकिस्तानी कलाकार थे, अब फिल्म नहीं लगने दे रहे हैं। कभी हमें सरदारजी कहते हैं, तो कभी गद्दार। जबकि प्रधानमंत्री साहब खुद बिरयानी खाने पाकिस्तान चले जाते हैं। विधानसभा की कार्यवाही समाप्त होने के बाद बाहर पत्रकारों से बातचीत में भगवंत मान ने गृहमंत्री को लेकर एक विवादित बयान दिया। उन्होंने अमित शाह को 'तड़ीपार' तक कह डाला। इससे पहले गुरुवार को भी मंत्रिमंडल की बैठक के बाद भगवंत मान ने पत्रकारों से बातचीत में प्रधानमंत्री के विदेश दौरे पर कटाक्ष किया था। भगवंत मान ने कहा था कि प्रधानमंत्री जिन देशों में जा रहे हैं, उनकी जनसंख्या दस हजार है, जबकि जहां 140 करोड़ लोग हैं, वहां वह कम रहते हैं।

मणिपुर की विकास परियोजनाओं को जल्द पूरा करने के निर्देश

एजेंसी

इंफाल। मणिपुर के राज्यपाल अजय कुमार भल्ला ने पूर्वोत्तर क्षेत्र में विकास कार्यों की समीक्षा बैठक कर राज्य की प्रगति, चुनौतियां और चल रही परियोजनाओं पर विस्तृत चर्चा की और विकास कार्यों में तेजी लाने के लिए अधिकारियों को निर्देश दिए। हुई इस बैठक में केंद्रीय पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया भी वर्चुअली शामिल हुए। बैठक में पोलो पर्यटन सर्किट का विकास, विश्वविख्यात लोकतक झील के संवर्धन, पाम ऑयल की खेती को बढ़ावा और बुनकर समुदाय के लिए समर्थन जैसे प्राथमिक मुद्दों पर चर्चा हुई। केन्द्रीय मंत्री सिंधिया ने हालिया उभरता पूर्वोत्तर निवेशक सम्मेलन से उत्पन्न निवेश अवसरों की समीक्षा की और उनके प्रभावी कार्यान्वयन को लेकर केंद्र की प्रतिबद्धता दोहराई। बैठक में

मणिपुर के राज्यपाल भल्ला ने सभी संबंधित अधिकारियों को पूर्वोत्तर विकास मंत्रालय की परियोजनाओं को तेजी से लागू करने के निर्देश दिए। राजभवन की ओर से जारी एक आधिकारिक बयान में कहा गया कि बैठक के दौरान भविष्य की रणनीतियों और प्राथमिकता वाले क्षेत्रों की पहचान भी की गई। बयान के अनुसार, लॉजिस्टिक्स को मजबूत करना, निवेश को आकर्षित करना, ग्रामीण विकास को गति देना, प्राथमिक परियोजनाओं की निगरानी और डोनर व पूर्वोत्तर परिषद के तहत लंबित योजनाओं को पूरा करना बैठक के अहम एजेंडे में शामिल रहे।

बैठक में मणिपुर के मुख्य सचिव पी सिंह ने राज्य की प्रगति, चुनौतियां और चल रही परियोजनाओं पर विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने हथकरघा, हस्तशिल्प, वस्त्र उद्योग, पर्यटन, परिवहन, कनेक्टिविटी और पाम ऑयल उत्पादन से जुड़े विषयों पर भी विशेष चर्चा की। बैठक में मंत्री सिंधिया ने केंद्र और राज्य के बीच निरंतर सहयोग को मणिपुर के बदलाव और समग्र विकास के लिए आवश्यक बताया।

केएल राहुल ऐतिहासिक क्लब में शामिल, लॉर्ड्स में लगाया दूसरा शतक

नई दिल्ली (एजेंसी)। लॉर्ड्स क्रिकेट ग्राउंड, जिसे 'क्रिकेट का मक्का' कहा जाता है, हर क्रिकेटर के लिए बेहद खास माना जाता है। यहां का ऑनर्स बोर्ड खिलाड़ियों के बेहतरीन प्रदर्शन की गवाही देता है और इस पर नाम दर्ज कराना किसी भी बल्लेबाज या गेंदबाज के करियर की बड़ी उपलब्धि मानी जाती है। बल्लेबाजों के लिए इसका मानदंड शतक बनाना होता है, जबकि गेंदबाजों को पारी में 5 या मैच में 10 विकेट लेने होते हैं। भारत के इतिहास में अब तक सिर्फ 10 बल्लेबाज ऐसे हुए हैं जिन्होंने लॉर्ड्स में टेस्ट शतक जड़कर अपना नाम इस प्रतिष्ठित बोर्ड पर दर्ज कराया है।

दिलचस्प बात यह है कि इस सूची में न तो सचिन तेंदुलकर जैसे 'क्रिकेट के भगवान' का नाम है और न ही मौजूदा दौर के स्टार विराट कोहली का। दोनों ही बल्लेबाज दुनिया भर में अपने बेहतरीन रिकॉर्ड के लिए मशहूर हैं, लेकिन लॉर्ड्स में शतक बनाना उनके लिए भी सपना ही रह गया। वहीं मौजूदा भारतीय टेस्ट टीम में केएल राहुल ही ऐसे बल्लेबाज हैं जिन्होंने लॉर्ड्स में पहले टेस्ट शतक लगा चुके है। इस दौरे पर दूसरा टेस्ट शतक लगाकर विशेष सूची में शामिल हो गए हैं। केएल राहुल दिलीप वेंगसरकर के बाद लॉर्ड्स में एक से अधिक टेस्ट शतक बनाने वाले केवल दूसरे भारतीय बल्लेबाज बन गए हैं। वेंगसरकर ने लॉर्ड्स में सबसे ज्यादा तीन शतक जड़े हैं और यह रिकॉर्ड उनके शानदार करियर की खास पहचान है।

लॉर्ड्स में शतक लगाने वाले अन्य भारतीयों में अजीत अगरकर, मोहम्मद अजहरुद्दीन, राहुल द्रविड़, सौरव गांगुली, वीनू मांकड़, अजिंक्य रहाणे, रवि शास्त्री और गुंडप्पा विश्वनाथ शामिल हैं। ये सभी दिग्गज खिलाड़ी अपने-अपने दौर में इस ऐतिहासिक मैदान पर शतक बनाकर भारतीय क्रिकेट को गौरवान्वित कर चुके हैं।

विंबलडन 2025: टेलर फ्रिट्ज को हराकर फाइनल में पहुंचे कार्लोस अल्काराज

लंदन (एजेंसी)। कार्लोस अल्काराज ने शुक्रवार को सेमीफाइनल में टेलर फ्रिट्ज को चार सेटों तक चले रोमांचक मुकाबले में 6-4, 5-7, 6-3, 7-6 (6) से हराकर फाइनल में प्रवेश किया।

स्पेन के कार्लोस अल्काराज को पांचवीं वरीयता प्राप्त अमेरिकी खिलाड़ी फ्रिट्ज ने कड़ी टक्कर दी। लेकिन, अंत में अल्काराज ने मैच अपने नाम कर लिया। हार के साथ ही फ्रिट्ज का विंबलडन फाइनल खेलने का सपना टूट गया। 2009 में एंडी रोडिक आखिरी अमेरिकी खिलाड़ी थे, जो इस प्रतियोगिता के फाइनल में पहुंचे थे।

दूसरी वरीयता प्राप्त कार्लोस अल्काराज ने शुक्रवार को टेलर फ्रिट्ज को 6-4, 5-7, 6-3, 7-6 (6) से हराया। यह उनकी लगातार 24वीं जीत है। पहला सेट अल्काराज ने जीता, और दूसरा सेट फ्रिट्ज ने जीतकर बराबरी की कोशिश की। लेकिन, तीसरा सेट जीतकर अल्काराज ने फिर से बढ़त बना ली। चौथा सेट सबसे रोमांचक साबित हुआ, जिसका समापन टाई-ब्रेक में हुआ, जहां फ्रिट्ज ने 6/4 की बढ़त बना ली। दो सेट पॉइंट के बाद निर्णायक सेट हुआ। लेकिन, अल्काराज ने अपने दृढ़ निश्चय और प्रतिभा से दोनों सेट पॉइंट बचा लिए।

अल्काराज ने लगातार चार अंक हासिल कर मैच अपने नाम कर लिया। विंबलडन 2025 में पुरुष सिंगल्स का फाइनल रविवार को होगा। अल्काराज का फाइनल में टॉप सीड यानिक सिनर और 24 बार के ग्रैंडस्लैम चैंपियन नोवाक जोकोविच में से किसी एक से सामना होगा। इन दोनों खिलाड़ियों के बीच टूर्नामेंट का दूसरा सेमीफाइनल खेला जाना है।अल्काराज एक बेहद खास क्लब में शामिल होने से सिर्फ एक मैच दूर हैं। अगर वह रविवार को फाइनल जीत जाते हैं, तो वह इतिहास के सिर्फ पांचवें ऐसे व्यक्ति होंगे, जो लगातार तीन विंबलडन खिताब अपने नाम करेंगे। वहीं, अगर अल्काराज जीतते हैं, तो यह उनका छठा ग्रैंड स्लैम खिताब होगा।

'पिछले इंग्लैंड दौरे पर मिली सीख से लिया सबक', बुमराह ने बताया लॉर्ड्स में कैसे मिले पांच विकेट

लंदन (एजेंसी)। भारतीय तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ने इंग्लैंड के खिलाफ लॉर्ड्स टेस्ट की पहली पारी में पांच विकेट लिए। बुमराह इसका श्रेय इंग्लैंड के पिछले दौरे को देते हैं, जिससे उन्हें काफी कुछ सीखने को मिला।

जसप्रीत बुमराह तीसरे टेस्ट के दूसरे दिन शानदार फॉर्म में नजर आए। उन्होंने पहले सेशन में बेन स्टोक्स (44), जो रूट (104) और क्रिस वोक्स (0) को आउट किया। इसके अलावा भारतीय तेज गेंदबाज ने इंग्लैंड के लिए अर्धशतक जड़ने वाले ब्रायडन कार्स को चलता किया, जिससे पहले वह जोफ्रा आर्चर को पवेलियन भेज चुके थे। इसके साथ ही लॉर्ड्स के 'ऑनर्स बोर्ड' पर जसप्रीत बुमराह का नाम भी दर्ज हुआ। अपने शानदार प्रदर्शन को लेकर जसप्रीत बुमराह ने कहा, 'पिछले दौरे में मैंने यहां मौजूद 'ढलान' के बारे में बहुत सोचा था, लेकिन उसका कोई फायदा नहीं हुआ। इस बार मैंने वह बात दिमाग से निकाल दी, जिसका मुझे फायदा भी मिला। गर्म मौसम की इन परिस्थितियों में नई गेंद ज्यादा से ज्यादा इस्तेमाल करना ही सबसे अहम है। पिछली बार ऐसा नहीं हुआ था, यही सबसे बड़ा अंतर रहा।'

बुमराह ने लॉर्ड्स के 'ऑनर्स बोर्ड' पर अपना नाम दर्ज होने को लेकर खुशी जताई है। बुमराह ने बताया कि यह एक ऐसी याद है, जिसे वह अपने बेटे के साथ साझा करना चाहेंगे। जसप्रीत बुमराह ने मुस्कराते हुए कहा, ''सच यह है कि मैं थक गया था। मैं 21 साल की तरह उछल-कूद नहीं कर सकता हूं। मुझे इस बात की खुशी है कि मैं टीम के लिए योगदान दे पाया। ऑनर्स बोर्ड पर नाम देखकर अच्छा लगता है। यह एक ऐसी बात है, जो मैं अपने बेटे को बताऊंगा, जब वह बड़ा होगा।'

जसप्रीत बुमराह ने इंग्लैंड के खिलाफ तीसरे टेस्ट की पहली पारी में 27 ओवर गेंदबाजी की, जिसमें 74 रन देकर पांच विकेट चटकाए। इंग्लैंड की टीम 387 रन पर ऑलआउट हुई।इसके बाद भारत ने बल्लेबाजी करते हुए दूसरे दिन की समाप्ति तक तीन विकेट खोकर 145 रन बनाए। यशस्वी जायसवाल 13, शुभमन गिल 16 रन, जबकि करुण नायर 40 रन बनाकर पवेलियन लौटे। इसके बाद केएल राहुल ने टीम को संभाला। यह सलामी बल्लेबाज 53 रन बना चुका है, जबकि ऋषभ पंत 19 रन बनाकर नाबाद हैं।

इटली और नीदरलैंड ने किया पुरुष टी-20 विश्व कप 2026 के लिए क्वालीफाई

हेंग (स्विट्जरलैंड) (एजेंसी)। हेग में खेले गए यूरोप रीजनल फाइनल के रोमांचक अंत में इटली ने इतिहास रच दिया। इटली ने आईसीसी पुरुष टी20 वर्ल्ड कप 2026 के लिए क्वालीफाई कर लिया है। हालांकि वे अपना आखिरी ग्रुप मैच मेज़बान नीदरलैंड से हार गए, लेकिन उनका नेट रन रेट जर्सी से बेहतर था, जिसकी वजह से वो अगले साल भारत और श्रीलंका में होने वाले टूर्नामेंट के लिए आगे बढ़ गए। नीदरलैंड ने भी इटली का लक्ष्य 16.2 ओवर में हासिल कर टूर्नामेंट में अपनी जगह पक्की कर ली।

हार के बावजूद इटली ने टी20 विश्व कप के लिए क्वालीफाई किया

नेट रन-रेट समीकरण में जर्सी से आगे रहने के लिए इटली को केवल एक बड़ी हार से बचने की जरूरत थी, उन्होंने नीदरलैंड के पीछा के 15वें ओवर के दौरान यह सुनिश्चित किया कि वे योग्यता रेखा पार करें। हालांकि डच ने अंततः आठ विकेट से जीत हासिल की, लेकिन मैच को गहराई तक खींचने का इटली का सोचा-समझा प्रयास निर्णायक साबित हुआ। इससे पहले, इटली ने बल्लेबाजी करने का विकल्प चुना लेकिन शुरुआती झटके खाए। सलामी बल्लेबाज जस्टिन मोस्का और एमिलियो गे तीन ओवर के अंदर आउट हो गए, इसके बाद सातवें ओवर में कप्तान जो बर्न्स भी आउट हो गए। आधे समय तक स्कोरबोर्ड पर 46/4 पढ़ने के साथ, पारी ढहती हुई लग रही थी। हालांकि, ग्रांट स्टीवर्ट और एंथनी मोस्का के समर्थन से बेन मैनेंटी के एक साहसी प्रयास ने इटली को 134/7 तक पहुंचा दिया। यह पहली बार होगा जब इटली किसी सीनियर पुरुष आईसीसी विश्व कप प्रतियोगिता में भाग लेगा।

नीदरलैंड 2026 की लाइन-अप में इटली के साथ शामिल

नीदरलैंड्स, जो पूरे क्वालीफायर में पहले से ही लगातार अच्छा प्रदर्शन कर रहा था, ने अपने विश्व कप योग्यता के बारे में कोई संदेह नहीं छोड़ा। उन्होंने अपने पीछा के दौरान पावरप्ले में बिना किसी नुकसान के 66 रन बनाए। सलामी बल्लेबाज मैक्स ओ'डॉव और माइकल लेविट ने 71 रनों की साझेदारी की, इससे पहले कि लेविट 34 रन बनाकर आउट हो गए। ओ'डॉव ने फिर कप्तान स्कॉट एडवर्ड्स के साथ मिलकर काम आसानी से पूरा किया, क्योंकि डच ने 22 गेंद शेष रहते जीत हासिल की। इसके साथ ही नीदरलैंड्स ने इटली के साथ 2026 टी20 विश्व कप के लिए अपनी जगह पक्की कर ली। जर्सी के लिए, दिन में पहले स्कॉटलैंड पर उनकी आखिरी गेंद पर जीत पर्याप्त नहीं थी, क्योंकि उनका नेट रन-रेट कम रहा। अब 2026 टूर्नामेंट के लिए पंद्रह टीमें क्वालीफाई कर चुकी हैं।

टी20 वर्ल्ड कप 2026 के लिए क्वालीफाई करने वाली टीमें- अफ़ग़ानिस्तान, ऑस्ट्रेलिया, बांग्लादेश, कनाडा, इंग्लैंड, भारत, आयरलैंड, न्यूजीलैंड, पाकिस्तान, साउथ अफ्रीका, श्रीलंका, अमेरिका, वेस्टइंडीज, इटली, नीदरलैंड

टेस्ट क्रिकेट में सबसे ज्यादा कैच लेने वाले फील्डर बने जो रूट, राहुल द्रविड़ को पछाड़ा

नई दिल्ली । लॉर्ड्स टेस्ट के दूसरे दिन इंग्लैंड के अनुभवी बल्लेबाज़ और फील्डर जो रूट ने भारत के खिलाफ खेलते हुए एक बड़ी उपलब्धि अपने नाम कर ली । भारत की पारी के दौरान करुण नायर का एक शानदार कैच स्लिप में लपकते ही रूट टेस्ट क्रिकेट इतिहास में सबसे ज्यादा आउटफील्ड कैच लेने वाले खिलाड़ी बन गए । इस कैच के साथ रूट के नाम अब 211 टेस्ट कैच हो गए हैं, जिससे उन्होंने भारत के पूर्व दिग्गज बल्लेबाज़ राहुल द्रविड़ को पीछे छोड़ दिया । द्रविड़ के नाम 210 कैच दर्ज हैं और वे अब इस सूची में दूसरे स्थान पर आ गए हैं । लॉर्ड्स टेस्ट के दूसरे दिन का यह कैच तब आया जब इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स ने करुण नायर को शॉर्ट लेंथ गेंद फेंकी, जिस पर नायर असहज दिखे और गेंद उनके बल्ले का किनारा लेकर स्लिप की दिशा में गई। पहली स्लिप में खड़े रूट ने एक हाथ से शानदार कैच लपक लिया । हालांकि तीसरे अंपायर ने इसे बारिकी से जांचा, लेकिन अंत में कैच को वैध करार दिया गया । यह कैच न सिर्फ मैच में अहम था बल्कि रूट के करियर के लिए भी ऐतिहासिक बन गया । जो रूट ने केवल फील्डिंग में ही नहीं बल्कि बल्लेबाज़ी में भी कमाल किया है । लॉर्ड्स टेस्ट में उन्होंने अपना 37वां टेस्ट शतक भी जमाया । इस उपलब्धि के साथ वह टेस्ट क्रिकेट के सर्वकालिक शतक लगाने वालों की सूची में पांचवें नंबर पर हैं । उनसे आगे केवल सचिन तेंदुलकर (51 शतक), जैक्स कैलिस (45), रिकी पोंटिंग (41) और कुमार संगकारा (38) हैं ।

मोहम्मद सिराज ने डिओगो जोटा को अनोखे अंदाज में दी श्रद्धांजलि

नई दिल्ली । भारतीय तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज ने लॉर्ड्स टेस्ट में अपनी कामयाबी का जश्न बेहद खास अंदाज में मनाकर पुर्तगाल के दिवंगत फुटबॉलर डिओगो जोटा को श्रद्धांजलि दी । इंग्लैंड के खिलाफ दूसरे दिन के दूसरे सेशन में सिराज ने जैसे ही जेमी स्मिथ का विकेट लिया, उन्होंने सीने पर हाथ रखा, फिर '20' नंबर का इशारा किया और दोनों हाथ आसमान की ओर उठाकर श्रद्धांजलि दी । यह इशारा जोटा की जर्सी के नंबर की ओर था। लिवरपूल और पुर्तगाल के स्टार फॉरवर्ड डिओगो जोटा की पिछले सप्ताह एक दर्दनाक कार हादसे में मौत हो गई थी, जिससे फुटबॉल दुनिया सदमे में है ।

सिराज के इस जेस्चर ने लॉर्ड्स के मैदान पर भावनात्मक पल बना दिया । भारत के लिए सिराज ने दूसरे दिन सुबह के सत्र में मौके बनाए थे, लेकिन किस्मत ने साथ नहीं दिया और उनके स्पेल में कई बार कैच टपके । इसका फायदा उठाकर इंग्लैंड ने अपनी पहली पारी को 387 रन तक पहुंचाया । हालांकि दूसरे सेशन में सिराज ने जेमी स्मिथ (51) को ध्रुव जुरेल के हाथों कैच करवा कर अपना पहला विकेट लिया और जश्न मनाते हुए जोटा को याद किया । इसके बाद सिराज ने इंग्लैंड की पारी का आखिरी विकेट भी लिया, ब्राइडन कार्स को 56 रन पर पवेलियन भेजकर उनकी पारी का अंत किया। भारतीय गेंदबाजी में जसप्रीत बुमराह ने भी कमाल दिखाया और 74 रन देकर 5 विकेट लिए । लॉर्ड्स के ऑनर बोर्ड पर उनका नाम एक बार फिर दर्ज हो गया । उनके इस शानदार स्पेल ने भारत को इंग्लैंड को 400 रन के भीतर रोकने में अहम भूमिका निभाई ।

डिओगो जोटा लिवरपूल के सबसे अहम खिलाड़ियों में गिने जाते थे और पुर्तगाल की फुटबॉल प्रतिभाओं में उनका नाम चमकता था । जोटा अपने भाई आंद्रे सिल्वा के साथ स्पेन में एक कार दुर्घटना का शिकार हो गए ।

एमएलसी 2025: टेक्सास सुपर किंग्स को सात विकेट से रौंदकर फाइनल में एमआई न्यूयॉर्क

डलास (एजेंसी)। एमआई न्यूयॉर्क ने मेजर लीग क्रिकेट-2025 (एमएलसी) के फाइनल में जगह बना ली है। टीम ने शनिवार को क्वालीफायर-2 में टेक्सास सुपर किंग्स के खिलाफ सात विकेट से दमदार जीत दर्ज की। अब खिताबी मैच में एमआई न्यूयॉर्क का सामना वाशिंगटन फ्रीडम से होगा। यह मैच 14 जुलाई को खेला जाना है।

डलास में खेले गए इस मुकाबले में टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी टेक्सास सुपर किंग्स ने पांच विकेट खोकर 166 रन बनाए। टीम ने 29 के स्कोर पर समित पटेल (9) के रूप में अपना अहम विकेट गंवा दिया। इसके बाद कप्तान फाफ डु प्लेसिस ने मोर्चा संभाला, लेकिन दूसरे छोर पर कोई बल्लेबाज उनका साथ नहीं दे सका।

फाफ डु प्लेसिस जिस समय आउट हुए, उस वक्त तक टीम 85 रन बना सकी थी, जिसमें 59 रन कप्तान के ही थे। फाफ डु प्लेसिस ने अपनी इस पारी में 42 गेंदों का सामना करते हुए एक छक्का और सात चौके जड़े।

टीम 85 के स्कोर तक अपने पांच विकेट गंवा चुकी थी। यहां से अकील हुसैन ने डेवोन फेरीरा के साथ छठे विकेट के लिए 81 रन की अटूट साझेदारी करते हुए टीम को मजबूत स्कोर तक पहुंचा दिया।

अकील हुसैन 32 गेंदों में 55 रन बनाकर नाबाद रहे। उनकी इस पारी में चार छक्के और इतने ही चौके शामिल रहे। वहीं, फेरीरा ने 20 गेंदों में 32 रन की नाबाद पारी खेली।

विपक्षी टीम की ओर से ट्रिस्टन लुस ने सर्वाधिक तीन विकेट झटके, जबकि रुशिल उगरकर ने दो विकेट चटकाए।

इसके जवाब में एमआई न्यूयॉर्क ने एक ओवर शेष रहते जीत दर्ज कर ली। सलामी बल्लेबाज मोनांक पटेल ने 39 गेंदों में दो छक्कों और पांच चौकों की मदद से 49 रन की पारी खेली। मोनांक 13वें ओवर की दूसरी गेंद पर आउट हुए, उस समय टीम का स्कोर 83/3 था।

यहां से कप्तान निकोलस पूरन ने किरोन पोलार्ड के साथ मिलकर 89 रन की साझेदारी करते हुए टीम को जीत दिलाई।

निकोलस पूरन ने 36 गेंदों में नाबाद 52 रन बनाए। उनकी इस पारी में तीन छक्के और चार चौके शामिल रहे, जबकि पोलार्ड ने 22 गेंदों में तीन छक्कों और चार चौकों के साथ ताबड़तोड़ 47 रन जड़े।

विपक्षी टीम की ओर से अकील हुसैन, जिया-उल-हक और नूर अहमद को एक-एक विकेट हाथ लगा।

लिवरपूल क्लब ने दिवंगत डियोगो जोटा के सम्मान में नंबर 20 की जर्सी हमेशा के लिए रिटायर की

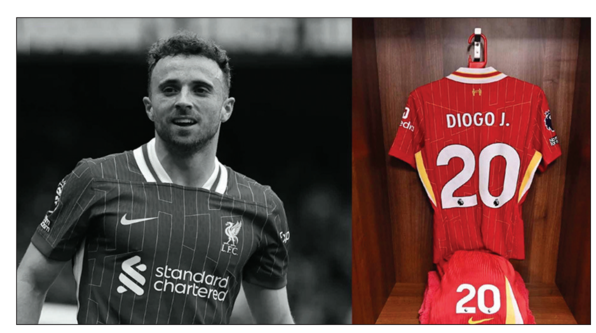

लिवरपूल । इंग्लिश फुटबॉल क्लब लिवरपूल ने अपने स्टार फॉरवर्ड डियोगो जोटा के सम्मान में 'नंबर 20' जर्सी को हमेशा के लिए रिटायर करने का फैसला किया है । 28 वर्षीय पुर्तगाली खिलाड़ी डियोगो जोटा का तीन जुलाई को स्पेन के जमोरा प्रांत में एक दर्दनाक कार हादसे में निधन हो गया । हादसे में उनके भाई आंद्रे सिल्वा की भी मौत हुई। स्पेनिश पुलिस के मुताबिक, तेज रफ्तार में गाड़ी का टायर फटने से वह सड़क से उतर गई और उसमें आग लग गई । इस हादसे ने फुटबॉल जगत को गहरे शोक में डाल दिया। लिवरपूल ने अपने बयान में कहा कि जोटा ने नंबर 20 की जर्सी गर्व से पहनकर क्लब को कई अहम जीत दिलाई और वह हमेशा हमारे 'नंबर 20' रहेंगे । क्लब ने कहा कि यह कदम बीते पांच वर्षों में जोटा के मैदान पर शानदार प्रदर्शन और उनके साथियों व प्रशंसकों पर पड़े उनके गहरे प्रभाव को सम्मान देने के लिए उठाया गया है । एफएसजी फुटबॉल के सीईओ माइकल एडवर्ड्स ने कहा कि यह निर्णय क्लब और समर्थकों की साझा भावनाओं से जुड़ा है । उन्होंने बताया कि इस फैसले की जानकारी सबसे पहले जोटा की पत्नी रूट और उनके परिवार को दी गई, ताकि वे खुद को क्लब के इस सम्मानजनक निर्णय का हिस्सा महसूस कर सकें । एडवर्ड्स ने कहा कि यह लिवरपूल के इतिहास में पहली बार है जब किसी खिलाड़ी की जर्सी संख्या को हमेशा के लिए रिटायर किया जा रहा है और यह एक अनोखे खिलाड़ी के प्रति अनूठी श्रद्धांजलि है। उन्होंने कहा कि जोटा ने 2020 में लिवरपूल से जुड़ने के बाद नंबर 20 जर्सी को सम्मान और प्रतिष्ठा के साथ पहना और क्लब के लिए यह नंबर हमेशा उनका ही रहेगा । डियोगो जोटा ने लिवरपूल के साथ प्रीमियर लीग, एफए कप और दो ईएफएल कप सहित कई प्रमुख खिताब जीतने में अहम भूमिका निभाई थी । वह 2020 में वॉल्व्स से लिवरपूल में शामिल हुए थे और अपनी आक्रामक शैली और गोल करने की क्षमता से प्रशंसकों के पसंदीदा बन गए थे । अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी उन्होंने पुर्तगाल की ओर से 49 मैचों में 14 गोल किए और 2019 व 2025 में यूईएफए नेशंस लीग खिताब जीतने वाली टीम का हिस्सा रहे। कुछ हफ्ते पहले ही उन्होंने पुर्तगाल के साथ नेशंस लीग खिताब जीतकर जश्न मनाया था । जोटा के अचानक निधन ने न सिर्फ उनके परिवार बल्कि फुटबॉल जगत को भी गहरे सदमे में डाल दिया है और लिवरपूल का यह कदम उन्हें कभी न भूलने वाली श्रद्धांजलि है ।

'जैसे लोग कहते हैं कि लॉर्ड्स क्रिकेट का घर है, वैसे ही विंबलडन टेनिस का मक्का है': सचिन तेंदुलकर

लंदन (एजेंसी)। विंबलडन 2025 में सचिन तेंदुलकर ने विंबलडन में जाने के अपने अनुभव, टेनिस के दिग्गजों के प्रति अपनी प्रशंसा और क्रिकेट तथा टेनिस के बीच आश्चर्यजनक समानताओं को साझा किया। अपने जीवन में विंबलडन के महत्व पर सचिन ने कहा, 'यह अविश्वसनीय है। जैसे लोग कहते हैं कि लॉर्ड्स क्रिकेट का घर है, वैसे ही यह टेनिस का मक्का है। मैं विंबलडन देखते हुए बड़ा हुआ हूं, और सात-आठ साल की उम्र से ही, जब मैंने टेनिस को थोड़ा-बहुत समझना शुरू किया, तब से मेरे लिए हमेशा विंबलडन सबसे पहले और फिर बाकी ग्रैंड स्लैम ही रहे हैं। इसलिए मेरे लिए, यह सर्वश्रेष्ठ है। मैंने कई टेनिस खिलाड़ियों से बात की है, और वे सभी इस टूर्नामेंट को सबसे ऊपर मानते हैं।'

सचिन ने विंबलडन के प्रतिष्ठित माहौल और उसके आकर्षण पर कहा, 'मुझे रॉयल बॉक्स खास तौर पर बहुत पसंद है-वहां का माहौल बेजोड़ है। बैठकर मैच देखने के लिए यह सबसे अच्छी जगह है। लेकिन मैचों के अलावा, आप इतने सारे लोगों से मिलते हैं और कई तरह की बातचीत करते हैं।

फैशन की बात करें तो यहां कई फैशन आइकन, हॉलीवुड सितारे, फुटबॉल खिलाड़ी और एथलीट मौजूद रहते हैं। यहां आना हमेशा एक सुखद अनुभव होता है क्योंकि आपको जिंदगी की कई नई चीजों से रूबरू कराया जाता है। और मेरे लिए, सीखना कभी बंद नहीं होता-मैं अभी भी सीख रहा हूं।'

अपने पसंदीदा टेनिस खिलाड़ियों, भूतपूर्व और वर्तमान, के बारे में सचिन ने कहा, ÷मैं जॉन मैकेनरो का प्रशंसक रहा हूं। मुझे याद है कि मेरे सभी दोस्त ब्योर्न बोर्ग का समर्थन करते थे, लेकिन किसी कारण से, मैं हमेशा मैकेनरो का समर्थन करता था। मैं उनकी तरह हेडबैंड भी पहनता था, इस उम्मीद में कि जब मैं अपने दोस्तों के साथ घूमूं तो लोग मुझे मैकेनरो कहेंगे।

सचिन ने कहा, 'हालांकि, हाल के वर्षों में, यह रोजर फेडरर ही है। मुझे राफेल नडाल, नोवाक जोकोविच, सभी को खेलते हुए देखना अच्छा लगता है, लेकिन किसी न किसी तरह, रोजर सबसे आगे हैं। वर्तमान खिलाड़ियों में, कार्लोस अल्काराज मुझे सचमुच प्रभावित करते हैं-उनकी ऊर्जा संक्रामक है। मुझे उनके पैरों में स्फूर्ति, उनका रवैया और फ्रेंच ओपन में दिखाई गई मानसिक दृढ़ता बहुत पसंद है। कभी हार न मानने वाली मानसिकता ही एक सच्चे चैंपियन की पहचान है।

सभी टेनिस खिलाड़ी चैंपियन नहीं बनते, लेकिन वे जिस तैयारी और कड़ी मेहनत से गुजरते हैं-उसका मेरे मन में बहुत सम्मान है।' उच्च स्तरीय क्रिकेट और टेनिस के बीच समानताओं पर सचिन ने कहा,'अगर मुझे समानताओं की बात करनी हो, तो मुख्य तत्व हैं हाथ-आंखों का समन्वय, गेंद की समझ, खेल के प्रति जागरूकता और विरोधियों से एक कदम आगे रहना। खास तौर पर, फुटवर्क बहुत महत्वपूर्ण है।

क्रिकेट में, खासकर जब आप बल्लेबाजी कर रहे हों, तो समन्वित फुटवर्क मायने रखता है-और टेनिस में भी यही बात लागू होती है। लोग अक्सर सोचते हैं कि विकेटों के बीच दौड़ना बस एक सीधी दौड़ है, लेकिन असल में यह इस बारे में है कि आप कितनी तेजी से रुक सकते हैं, मुड़ सकते हैं और फिर से तेजी पकड़ सकते हैं। टेनिस खिलाड़ी भी इसी तरह एक-दूसरे को असंतुलित या गलत पैर से पकड़ने की कोशिश करते हैं। यह कोर्ट पर तेज, सहज गति के बारे में है। तभी आप अपने शॉट खेलने और आक्रमण करने के लिए सबसे अच्छी स्थिति में होते हैं। ये वो तत्व हैं जो मुझे दोनों में समान लगते हैं।'

डबल्स पार्टनर के रूप में वह किस क्रिकेटर को चुनेंगे इस पर सचिन ने कहा,'मैंने पहले युवराज सिंह के साथ डबल्स खेला है। हमने 2003 विश्व कप के अपने कुछ साथियों के खिलाफ टीम बनाई थी, और हम चैंपियन बने थे। इसलिए मैं फिर से युवराज को चुनूंगा - इसमें कोई शक नहीं।'

सचिन ने अपनी प्लेइंग इलेवन के लिए टेनिस खिलाड़ी चुनने पर कहा, 'क्रिकेट से जुड़े होने के कारण रोजर फेडरर ही होंगे-उनकी

मां दक्षिण अफ्रीकी हैं। लेकिन रोजर के अलावा, लिएंडर पेस, महेश भूपति, रोहन बोपन्ना और सानिया मिर्जा भी हैं, जिन्होंने यहां बहुत अच्छा प्रदर्शन किया है। भारतीय निश्चित रूप से क्रिकेट को पसंद करते हैं, और इन खिलाड़ियों ने भारतीय टेनिस के लिए जो किया है वह अद्भुत है। इसलिए कहने की जरूरत नहीं कि वे हमेशा प्रबल दावेदार रहेंगे।

लॉर्ड्स टेस्ट में धीमी ओवर गति पर भड़के माइकल वॉन

– बोले सिर्फ जुर्माना काफी नहीं, पांचों दिन पूरे हों 90 ओवर

लंदन । लॉर्ड्स के मैदान पर भारत और इंग्लैंड के बीच खेले जा रहे तीसरे टेस्ट मैच में धीमी ओवर गति ने विवाद खड़ा कर दिया है । टेस्ट के दूसरे दिन सिर्फ 75 ओवर ही फेंके जा सके, जबकि पहले दिन 83 ओवर ही कराए गए थे । इस तरह दोनों दिनों में कुल करीब 23 ओवर कम रह गए । इसे लेकर इंग्लैंड के पूर्व कप्तान माइकल वॉन ने कड़ी नाराजगी जताई है । वॉन ने कहा है कि सिर्फ जुर्माना लगाने से कुछ नहीं होगा, बल्कि नियम ऐसा होना चाहिए कि टेस्ट मैच के सभी पांचों दिन में 90 ओवर का कोटा हर हाल में पूरा किया जाए । एक मीडिया चैनल से बातचीत में माइकल वॉन ने कहा कि जुर्माना खिलाड़ियों को रोकने का असरदार तरीका नहीं है क्योंकि आज के क्रिकेटर काफी अमीर हैं और उन पर थोड़े–बहुत फाइन का कोई असर नहीं होता ।

दादा की बायोपिक के लिए राजकुमार राव हुए फाइनल

भारतीय क्रिकेट के 'प्रिंस ऑफ कोलकाता' कहे जाने वाले सौरव गांगुली का आज यानी 8 जुलाई को जन्मदिन है। उनका जन्म 1972 में कोलकाता, पश्चिम बंगाल में हुआ था। भारतीय क्रिकेट को नई आक्रामकता देने वाले गांगुली न सिर्फ शानदार बल्लेबाज रहे हैं, बल्कि उन्होंने भारतीय क्रिकेट को नेतृत्व के उस मुकाम पर पहुंचाया, जहां से टीम इंडिया ने कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा। अब, दादा के चाहने वालों के लिए एक और बड़ी खुशखबरी है। लंबे समय से अटकी पड़ी सौरव गांगुली की बायोपिक को लेकर अब तस्वीर साफ हो गई है। नायक के किरदार को लेकर चली आ रही अटकलों पर अब खुद गांगुली ने विराम लगा दिया है। पश्चिम बंगाल के बर्धमान में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान सौरव गांगुली ने पुष्टि की कि उनकी बायोपिक में राजकुमार राव मुख्य भूमिका निभाएंगे।

राजकुमार राव निभाएंगे सौरव गांगुली का किरदार

बॉलीवुड अभिनेता राजकुमार राव का नाम अब सौरव गांगुली की बायोपिक के लिए लगभग फाइनल हो चुका है। खुद दादा ने ही राजकुमार राव के नाम का ऐलान किया है। साथ ही उन्होंने ये भी बताया है कि फिलहाल राजकुमार के पास डेट्स ना होने के चलते फिल्म अगले साल तक ही स्क्रीन पर रिलीज हो सकेगी। गांगुली ने मीडिया से बातचीत करते हुए कहा, मेरे हिसाब से राजकुमार राव मेरी भूमिका निभाएंगे... लेकिन डेट्स की दिक्कतें हैं, इसलिए फिल्म को रिलीज होने में एक साल से ज्यादा लग सकता है।

अब तक किन-किन एक्टर्स के आए नाम?

आपको बता दें सौरव गांगुली की बायोपिक फिल्म के लिए रणबीर कपूर और आयुष्मान खुराना जैसे स्टार्स के नाम चर्चा में थे, लेकिन फाइनल चयन राजकुमार राव का हुआ। रणबीर कपूर के पास डेट्स नहीं थीं और आयुष्मान खुराना भी किसी वजह से फिल्म नहीं कर सकते। अब राजकुमार राव अब क्रिकेट की पिच पर बल्ला नहीं, लेकिन अभिनय का कमाल दिखाएंगे। गौरतलब है कि कपिल देव की 83 और एम एस धोनी की बायोपिक फिल्म के बाद सौरव गांगुली तीसरे ऐसे भारतीय क्रिकेटर हैं जिनकी बायोपिक बनने जा रही हैं।

विक्रमादित्य मोटवानी करेंगे निर्देशन

इस बायोपिक का निर्देशन करेंगे विक्रमादित्य मोटवानी और स्क्रिप्ट लिख रहे हैं अभय कोराणे। फिल्म की शुरुआती तैयारियां शुरू हो चुकी हैं और रिपोर्ट्स की मानें तो मेकर्स ने सौरव गांगुली से कोलकाता के ऐतिहासिक ईडन गार्डन्स में मुलाकात भी की है।

सबके लिए लग्जरी नियम नहीं होते, हेल्दी लाइफ के लिए काम के घंटे तय होने चाहिए

ज्यादातर स्टार किड्स को उनके माता-पिता के नाम से जाना जाता है, लेकिन श्रिया पिलगांवकर ने इंडस्ट्री में अपनी जगह खुद बनाई है। हालांकि उनके माता-पिता सचिन पिलगांवकर और सुप्रिया पिलगांवकर इंडस्ट्री में बड़ा नाम हैं, लेकिन श्रेया ने कभी इसे सफलता की गारंटी नहीं माना।

आप ज्यादातर थ्रिलर जॉनर के प्रोजेक्ट्स में काम करती आई हैं, क्या आपको थ्रिलर जॉनर ही पसंद है या इंडस्ट्री में आपको ऐसे ही ऑफर मिलते रहे हैं?

श्रिया पिलगांवकर बोलीं- दरअसल, मुझे रोमांटिक लव स्टोरीज से बहुत प्यार है, लेकिन बतौर एक्ट्रेस मुझे ज्यादातर थ्रिलर ऑफर हुई हैं, तो मैं क्या करूं। मैं बहुत चाहती हूं कि रोम-कॉम करूं, लव स्टोरीज करूं, मैं कुछ कॉमेडी करना चाहती हूं, पर उसे करने का ज्यादा मौका मिला नहीं है। मुझे लगता है कि इंडस्ट्री का एक दौर होता है, जब किसी जॉनर को ज्यादा महत्व दिया जाता है, तो मुझे लगता है कि रोम-कॉम, कॉमेडी से ज्यादा अभी थ्रिलर, ड्रामा अधिक बन रहे हैं। लेकिन मैं खुश हूं कि मुझे जिस तरह अलग-अलग किरदार करने का मौका मिला है, चाहे वो वकील का हो, सेक्स वर्कर को हो या फिर पुलिस अधिकारी का हो, उससे बहुत कुछ सीखने का मौका मिलता है।

आपने जितने भी किरदार किए हैं, उसमें एक मजबूत महिला रही हैं। निजी जिंदगी में आप कितनी मजबूत हैं?

कुछ दिन होते हैं, जब मैं बहुत मजबूत महसूस करती हूं, कुछ दिन होते हैं जब मैं स्ट्रॉन्ग महसूस नहीं करती हूं, लेकिन मुझे लगता है कि ताकत उसी में है कि आप अपनी कमियां और ताकत दोनों को अपनाएं। बिल्कुल मेरी एक इमोशनल स्ट्रेंथ है, जहां मुझे लगता है कि मैं मजबूत हूं और मुझमें आत्मविश्वास है। लेकिन हर इंसान हमेशा ऐसा नहीं हो पाता। बतौर एक्टर मुझे लगता है कि हम कभी-कभी एक शब्द से ही किरदार को डिफाइन कर देते हैं, जबकि उन किरदारों में और भी बहुत कुछ होता है, जिसे एक शब्द से परिभाषित नहीं किया जा सकता।

आजकल फिल्म इंडस्ट्री में काम करने के घंटे कितने हों इसकी काफी बात हो रही है। दीपिका पादुकोण की वजह से ये मुद्दा अभी उठा है लेकिन पहले भी इस पर बात होती रही है। आपका इस बारे में क्या सोचना है?

दरअसल, दीपिका वाले मामले में जिस वजह से वो कहा गया था, वो एकदम अलग मामला है। मुझे लगता है कि हमारे यहां पर काम के घंटे को लेकर बने नियम उतने सख्ती से फॉलो नहीं किए जाते, जितने किए जाने चाहिए। मैं अभी तक उस मुकाम पर नहीं पहुंची हूं, जहां मैं कह सकूं कि मैं इतने घंटे काम करूंगी या इतने घंटे नहीं करूंगी। लेकिन इतना मैं समझती हूं कि खासतौर पर पोस्ट डिलिवरी और मां होने पर उन पलों को जीने के लिए ये जरूरी है कि आप उतना वक्त निकालें। यहां सही वाला जवाब नहीं है, लेकिन हेल्दी और प्रोफेशनल लाइफ में एक समय सीमा तय होना जरूरी है। हमारी इंडस्ट्री में इसको लेकर कोई नियम कायदे नहीं हैं और सच कहूं तो मुझे नहीं लगता कि ऐसा कुछ हो भी पाएगा। आप किस स्तर के स्टार हैं, ये उस चीज पर निर्भर करता है। सबके लिए लग्जरी नियम नहीं होते। मुझे लगता है कि दीपिका पादुकोण ने जो कहा है वो गलत नहीं है। उनकी जिंदगी में क्या स्थिति और जरूरत है, उनकी बेटी हुई है, उसके हिसाब से ये ठीक है।

आपकी वेब सीरीज छल कपट के बारे में बताएं?

ये एक मर्डर मिस्ट्री जॉनर की वेब सीरीज है। मैं निजी तौर पर बचपन से ही इस जॉनर को काफी पसंद करती हूं। मैं पहली बार एक पुलिस अधिकारी का रोल अदा कर रही हूं। और जब आप वो वर्दी पहनते हैं, तो एक अलग तरह की जिम्मेदारी का अहसास होता है, आपको एक शक्ति फील होती है। मुझे इसे करने में बहुत मजा आया क्योंकि ये जो कहानी है, इसमें दिखाया गया है कि शादी के घर में मर्डर हुआ है, उसमें दोस्तों की भी कहानी है, उनके बीच तनाव की भी कहानी है, और उसी समय में मेरी देविका राठौड़ की कहानी भी दिखती है।

आंखों की गुस्ताखियां में इंटीमेट सीन को लेकर विक्रांत-शनाया का खुलासा

शनाया कपूर और विक्रांत मैसी फिल्म आंखों की गुस्ताखियां में एक साथ नजर आने वाले हैं। इस रोमांटिक ड्रामा में शनाया एक थिएटर कलाकार और विक्रांत एक दृष्टिहीन संगीतकार की भूमिका निभा रहे हैं। ट्रेलर में दोनों के बीच गहरा भावनात्मक जुड़ाव दिखाया गया है, जिसने दर्शकों का ध्यान खींचा है। वहीं फिल्म में इंटीमेट सीन को लेकर दोनों ने बातचीत की।

आपसी विश्वास जरूरी

फिल्मीज्ञान के साथ बातचीत के दौरान शनाया और विक्रांत ने बताया इंटीमेट सीन की शूटिंग के लिए आपसी विश्वास बहुत जरूरी था। विक्रांत ने कहा कि एक्टिंग वर्कशॉप और ब्लाइंड स्कूल के अनुभवों के अलावा, एक-दूसरे को व्यक्तिगत रूप से समझने से उनकी केमिस्ट्री बेहतर हुई। शनाया ने भी कहा कि उनका ऑफ-स्क्रीन रिश्ता ऑन-स्क्रीन बॉन्डिंग के लिए महत्वपूर्ण था। विक्रांत ने आगे बताया कि दोनों का एक जैसा नजरिया और कला के प्रति जुनून ने उन्हें करीब लाया। चूंकि दृश्यों में आंखों पर पट्टी बंधी थी, इसलिए एक-दूसरे पर भरोसा करना जरूरी था।

फिल्म कब होगी रिलीज

फिल्म आंखों की गुस्ताखियां का निर्देशन संतोष सिंह ने किया है। यह एक रोमांटिक ड्रामा फिल्म है। यह फिल्म 11 जुलाई को रिलीज होगी। इस फिल्म का मानसी बागला, वरुण बागला और विपिन अग्निहोत्री ने मिलकर निर्माण किया गया है। विक्रांत मैसी पहले भी कई शानदार फिल्मों में नजर आ चुके हैं। शनाया की यह पहली बॉलीवुड डेब्यू फिल्म है। शनाया एक्टर संजय कपूर और महीप कपूर की बेटी हैं।

प्रज्ञा जायसवाल के समर्थन में गौहर खान ने उठाई आवाज

सिनेमाई दुनिया में हम अक्सर देखते हैं कि पैपराजी सितारों के सार्वजनिक पलों को कैद करते हैं। इस बार अभिनेत्री गौहर खान पैप्स पर भड़क गई हैं, क्योंकि उन्होंने एक्ट्रेस प्रज्ञा जायसवाल पर भद्दे तरीके से कमेंट्स किए थे। इसी मामले पर गौहर खान ने प्रज्ञा का समर्थन किया है। चलिए जानते हैं कि उन्होंने क्या कहा। अभिनेत्री गौहर खान ने अपने इंस्टाग्राम स्टोरी पर एक वीडियो शेयर किया, जिसमें एक्ट्रेस प्रज्ञा जायसवाल को पैप्स द्वारा भद्दे कमेंटस मिले। इसी वीडियो को लेकर अब गौहर खान ने एक्ट्रेस का समर्थन करते हुए स्टोरी के कैप्शन में लिखा, 'क्या पैप्स छेड़छाड़ की संस्कृति को बढ़ावा नहीं दे रहे हैं? ऐसे बहुत से लोग हैं जो लगातार अभद्र टिप्पणियां करते रहते हैं। आप लोग सीमाएं पार नहीं कर सकते हैं।'

क्या है पूरा मामला?

आपको बताते चलें कि प्रज्ञा जायसवाल बीते दिनों जायद खान के जन्मदिन में शामिल होने पहुंची थीं, जिसमें उन्होंने ब्लैक कलर की बॉडीकॉन ड्रेस पहन रखी थी। पैपराजी से फोटोज क्लिक कराने के बाद जैसी ही वो वापस जाने लगीं, तो पैप्स उन्हें अभद्र तरीके से बुलाते हैं। इस वजह से एक्ट्रेस गुस्सा भी हो जाती हैं। वीडियो ने सभी को हैरान कर दिया।

साइको सइयां का मेरे करियर में बड़ा योगदान

सिंगर ध्वनि भानुशाली के सॉन्ग 'साइको सइयां' को रिलीज हुए छह साल पूरे हो चुके हैं। ध्वनि ने 'साहो' के गाने से जुड़ी अपनी यादें ताजी की और बताया कि यह उनके करियर में खास महत्व रखता है। ध्वनि भानुशाली ने बताया कि इस गाने के लिए उन्होंने खास तरीके से प्रैक्टिस की थी और तेलुगू, तमिल के साथ मलयालम में हर शब्द को सावधानी से उच्चारण करना सीखा। ध्वनि ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर किया, जिसमें वह 'साइको सइयां' पर डांस करती नजर आईं।

यह गाना साल 2019 में रिलीज हुई एक्शन थ्रिलर फिल्म 'साहो' का है, जिसमें प्रभास, श्रद्धा कपूर, चंकी पांडे, जैकी श्रॉफ, अरुण विजय और नील नितिन मुकेश जैसे सितारे अहम भूमिकाओं में हैं। फिल्म का निर्देशन सुजीत ने किया था। ध्वनि ने कैप्शन में लिखा, आज 'साइको सइयां' सॉन्ग के छह साल पूरे हो चुके हैं। मुझे आज भी याद है, जब यह सब शुरू हुआ था। मैंने 'वास्ते' गाना रिलीज किया था और गोवा में दोस्तों के साथ थी, तभी मुझे फोन आया कि 'साइको सइयां' को तीन और भाषाओं, तेलुगू, तमिल और मलयालम में गाना है।

उन्होंने बताया कि वह उत्साहित होने के साथ-साथ थोड़ी नर्वस भी थीं, लेकिन उनकी टीम ने उनका हौसला बढ़ाया। इस गाने के लिए ध्वनि ने संगीतकार अनिरुद्ध रविचंदर के साथ काम किया और हर भाषा में शब्दों का सही उच्चारण सीखा। शूटिंग के दौरान उनकी मुलाकात प्रभास और श्रद्धा कपूर से हुई। ध्वनि ने बताया, कई लोगों ने मुझसे कहा कि मेरी आवाज श्रद्धा के लिए एकदम सही थी। यह मेरे लिए बहुत मायने रखता है। ध्वनि ने इस गाने को करियर का पहला बड़ा कदम बताया, जिसने उन्हें नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया और प्रशंसकों के करीब लाया। उन्होंने गायक सचेत टंडन के साथ मिलकर बनाए इस गाने को प्यार देने के लिए फैंस का शुक्रिया अदा किया। उन्होंने लिखा, जब मैं अपने शोज में या सोशल मीडिया पर फैंस को इस गाने पर गाते-नाचते देखती हूं, तो मुझे संगीत की ताकत का एहसास होता है।

थिएटर अब पॉपकॉर्न बेचने का अड्डा, आज सिनेमा सिर्फ ट्रेंड पर चल रहा है

फिल्ममेकर नागेश कुकुनूर एक सच्ची घटना पर आधारित वेब सीरीज 'द हंट - द राजीव गांधी असैसिनेशन केस' लेकर आए हैं। यह सीरीज अनिरुद्ध मित्रा की किताब 'नाइंटी डेज- द ट्रू स्टोरी ऑफ द हंट फॉर राजीव गांधी असैसिन्स' पर आधारित है। अमर उजाला से बातचीत में नागेश कुकुनूर ने इस वेब सीरीज को लेकर और सिनेमाघरों में दम तोड़ती कहानियों व ओटीटी को लेकर विस्तार से बात की।

जब आपको ये सीरीज ऑफर हुई, जो एक बड़े राजनीतिक मर्डर केस पर है, क्या डर या हिचक थी?

बिलकुल थी। मैंने साफ कहा था कि कुछ भी राजनीतिक नहीं करना है। लेकिन फिर समझ आया कि ये एक थ्रिलर है, एक पुलिस इन्वेस्टिगेशन ड्रामा। इसमें कोई बयानबाजी नहीं है, कोई एजेंडा नहीं है। सिर्फ दो पक्ष हैं एसआईटी और एलटीटीई। कहानी इन दोनों की नजर से ही कही गई है।

इतनी संवेदनशील, सच्ची घटना पर काम करते वक्त सबसे बड़ी चुनौती क्या थी?

सबसे बड़ी चुनौती थी, सच्चाई के साथ न्याय करते हुए कहानी को ड्रामैटिक भी बनाना। रिपोर्टिंग में जो लिखा होता है, वो थर्ड पर्सन में होता है। पर स्क्रीन पर हमें असली लोगों के मुंह से वो बातें कहलवानी होती हैं, जो उन्होंने शायद कभी नहीं कही हों, पर कह सकते थे। इसके लिए रिसर्च, सहानुभूति और जिम्मेदारी चाहिए।

आपकी फिल्मों में गहराई होती है, लेकिन वो ग्लैमर या मसाला नहीं होता। ऐसा क्यों?

क्योंकि मसाला मेरी समझ में नहीं आता। बड़े सेट, आइटम सॉन्ग, एक्शन सीक्वेंस, मेरे लिए ये सब बाहर से थोपा गया लगता है। मैं किरदारों की दुनिया में जीता हूं। मुझे मजा आता है एक्टर के चेहरे पर काम करने में। क्लोज-अप्स में उनकी आंखों में जो कुछ भी छिपा होता है, उसे पकड़ना मेरा क्राफ्ट है। मैंने खुद एक्टिंग सीखी है, इसलिए जानता हूं कि एक्टर किन चीजों से असहज हो सकता है या किन हालातों में वो अपना बेस्ट देगा।

क्या ओटीटी इंडिपेंडेंट फिल्ममेकर्स के लिए नई उम्मीद है?

बिलकुल। ओटीटी ने हमें वो आजादी दी है, जो कभी थिएटर या डिस्ट्रीब्यूशन से नहीं मिली। यहां आपका कंटेंट ही आपकी ताकत है। यहां किसी की शक्ल या स्टारडम पर निर्भर नहीं रहना पड़ता। सबसे बड़ी बात ये है कि एक बार फिल्म या सीरीज पूरी हो गई, तो आप अगली चीज पर ध्यान दे सकते हैं। यहां रिलीज या प्रमोशन की राजनीति नहीं है।

क्या आज सिनेमा सिर्फ ट्रेंड के हिसाब से बन रहा है?

बिलकुल। जो चल रहा है, सब वहीं दौड़ रहे हैं। आज नेशनलिस्टिक फिल्में हिट हैं तो हर कोई वही बना रहा है। क्रिएटिविटी और कमाई के बीच बैलेंस खत्म हो गया है। एक सिंपल कॉमेडी भी 100 करोड़ रूपए में बनती है, जो 20 करोड़ रूपए में बन सकती थी, क्योंकि स्टार चाहिए, चेहरा चाहिए।

क्या अब दमदार लेकिन छोटी फिल्में बनाना नामुमकिन होता जा रहा है?

कठिन है और ये कोई नई बात नहीं है। हम जैसे इंडिपेंडेंट फिल्ममेकर्स पिछले 15 साल से यही कहते आ रहे हैं कि एक दिन ऐसा आएगा जब सिर्फ बड़ी, दिखावटी फिल्में ही बचेंगी। छोटी फिल्में आज भी बनती हैं, लेकिन उन तक ऑडियंस पहुंच ही नहीं पाती। मेरी दो फिल्में बनकर रह गईं, रिलीज नहीं हो पाईं। इसलिए जब तक ओटीटी है, वहीं से कहानियां कहता रहूंगा। कम से कम कहानी तो जिंदा रहेगी।

एग्जाम में बच्चे के नहीं आए हैं अच्छे मार्क्स तो पेरेंट्स ऐसे करें गाइड

कई बार बच्चे को अपेक्षित परिणाम नहीं मिल पाता है। इससे उसका मनोबल काफी गिर जाता है, जिससे वह पूरी तरह टूट सकता है। वहीं, दोस्तों, पड़ोसियों या रिश्तेदारों के बार-बार फोन करने से वह और भी परेशान हो सकता है। इसलिए इस समय माता-पिता को काफी संवेदनशील बनना होगा।

बोर्ड परीक्षा का नाम सुनते ही बच्चों के साथ-साथ उनके पेरेंट्स को भी टेंशन होने लगती हैं। बोर्ड परीक्षा के मार्क्स के आधार पर ही तय होता है कि बच्चा आगे किस विषय की पढ़ाई कर सकता है। स्वाभाविक रूप से, इससे बच्चों और पेरेंट्स पर अतिरिक्त तनाव पैदा होता है। वैसे तो हर छात्र बोर्ड्स में अच्छे मार्क्स लाने की पूरी कोशिश करता हैं। लेकिन जीवन हमेशा हमारी योजना के अनुसार नहीं चलता। कई बार बच्चे को अपेक्षित परिणाम नहीं मिल पाता है। इससे उसका मनोबल काफी गिर जाता है, जिससे वह पूरी तरह टूट सकता है। वहीं, दोस्तों, पड़ोसियों या रिश्तेदारों के बार-बार फोन करने से वह और भी परेशान हो सकता है। इसलिए इस समय माता-पिता को काफी संवेदनशील बनना होगा। बतौर पेरेंट्स, इस समय आपका पहला कर्तव्य बच्चे के साथ रहना है, भले ही उसके परिणाम से आपको निराशा ही क्यों न हुई हो। आइए जानते हैं कि कम मार्क्स आने पर आप कैसे अपने बच्चे को गाइड कर सकते हैं –

- सबसे पहले खुद को समझाएं कि बोर्ड परीक्षा जीवन का अंत नहीं है। यदि आप अपने बच्चे के सामने अपनी निराशा व्यक्त करते रहेंगे तो वह और भी अधिक दोषी महसूस करेगा।
- इस समय रिश्तेदार-पड़ोसी या दोस्तों के फोन आना स्वाभाविक है। लेकिन जितना हो सके इनसे बचें। क्योंकि इससे आपका बच्चा परेशान हो सकता है। इसके अलावा, फोन पर सामान्य रूप से बात करें। फोन पर 'नहीं, यह इतना अच्छा नहीं कर पाया।' जैसी टिप्पणी न करें। इससे आपके बच्चे की भावनाएं आहत होंगी।
- बच्चे के सामने बार-बार चर्चा न करें कि किसका कितना अच्छा परिणाम आया और किसने कितने अंक प्राप्त किए। अपने बच्चे को यह पूछकर शर्मिंदा न करें कि उसके दोस्तों का रिजल्ट कैसा रहा।
- घर का माहौल सामान्य रखें। एक परीक्षा में खराब परिणाम का मतलब यह नहीं है कि पूरा परिवार एक साथ शोक मनाता रहे।
- सबकी योग्यताएं या प्रतिभाएं समान नहीं होती हैं। अगर आपका बच्चा पढ़ाई में सामान्य है तो उससे टॉप करने या किसी चमत्कार की उम्मीद न करें।
- अपने बच्चे को समझाएं कि बोर्ड परीक्षा के मार्क्स ही उसकी एकमात्र पहचान नहीं है। वह किस तरह का व्यक्ति है, यही असली बात है। परीक्षा में आए अंकों से उसके प्रति आपका रवैया नहीं बदलेगा।
- इस समय बच्चे को ज्यादा अकेला न रहने दें। अपने बच्चे के साथ बैठें और उसके साथ बातचीत और मौज-मस्ती करें। फिर उससे धीरे-धीरे उसकी भविष्य की योजनाओं के बारे में बात करें।
- कई ऐसे लोग हैं जिन्हें परीक्षा में अच्छे परिणाम नहीं मिलते हैं। लेकिन उसके बाद भी उन्हें अपने मनपसंद विषय में पढ़ने का मौका मिला और उन्होंने जीवन में अच्छे परिणाम भी हासिल किए। अपने बच्चे को ऐसे लोगों का उदाहरण दें।
- बच्चे को समझाएं कि स्कूल की परीक्षा ही जीवन का अंत नहीं है। उसके बाद जीवन में और भी कई परीक्षाएं होंगी। ऐसे कई लोग हैं जो परीक्षा में अच्छा प्रदर्शन ना कर पाने के बाद भी जीवन में सफल हुए हैं।
- यदि आपका बच्चा बुरे परिणामों को बिल्कुल भी स्वीकार नहीं कर सकता है तो आपको उसे परामर्श के लिए मनोवैज्ञानिक के पास ले जाना चाहिए। पेशेवर मदद लेने में कोई शर्म नहीं है।

बायोकेमिस्ट्री में बनाएं अपना कॅरियर

आवश्यक कौशल, स्कोप और वेतन

बायोकेमिस्ट कोशिकाओं और अंगों के भीतर और उनके बीच संचार, मस्तिष्क के कार्य के तंत्र और वंशानुक्रम और रोग के रासायनिक आधारों में अपनी रुचि दिखाते हैं। जैव रसायन चिकित्सा, जैव प्रौद्योगिकी, पशु चिकित्सा और कृषि में व्यावहारिक प्रगति का आधार प्रदान करता है।

जैव रसायन क्या है ?

जैव रसायन मूल रूप से कोशिकीय और आणविक स्तर पर जैविक प्रक्रियाओं के अध्ययन के लिए रसायन विज्ञान के सिद्धांतों का अनुप्रयोग है। जैव रसायन जीवित जीवों के रसायन विज्ञान और जीवित कोशिकाओं में होने वाले परिवर्तनों के आणविक आधार को देखता है और इस प्रकार यह जीवन विज्ञान और रासायनिक विज्ञान दोनों है। जैव रसायन हमारे शरीर को बनाने वाले घटकों को तोड़ने, चलाने, बनाने और मरम्मत करने वाली रासायनिक प्रतिक्रियाओं को सीखने के बारे में है। जैव रसायन बुनियादी विज्ञानों में सबसे व्यापक होने के कारण इसमें कई उप-विशिष्टताएं शामिल हैं जैसे कि जैव-रासायनिक विज्ञान, भौतिक जैव रसायन, तंत्रिका रसायन, क्लीनिकल जैव रसायन, आणविक आनुवंशिकी, जैव रासायनिक औषध विज्ञान और प्रतिरक्षा रसायन। बायोकेमिस्ट कोशिकाओं और अंगों के भीतर और उनके बीच संचार, मस्तिष्क के कार्य के तंत्र और वंशानुक्रम और रोग के रासायनिक आधारों में अपनी रुचि दिखाते हैं। जैव रसायन चिकित्सा, जैव प्रौद्योगिकी, पशु चिकित्सा और कृषि में व्यावहारिक प्रगति का आधार प्रदान करता है। एक बायोकेमिस्ट यह निर्धारित करना चाहता है कि ऐसी प्रक्रियाओं में प्रोटीन, न्यूक्लिक एसिड, लिपिड, विटामिन और हार्मोन जैसे विशिष्ट अणु कैसे कार्य करते हैं।

जैव रसायनज्ञों के लिए आवश्यक योग्यता

- एक प्रतिष्ठित संस्थान से बायोकैमिस्ट्री में स्नातक-बीएससी बायोकैमिस्ट्री।
- स्नातकोत्तर- यदि आप इस क्षेत्र में अपना करियर आगे बढ़ाना चाहते हैं तो स्नातक होने के बाद एमएससी बायोकैमिस्ट्री जरूरी है।
- कुछ संस्थान बायोकेमिस्ट्री इंटीग्रेटेड कोर्स ऑफर करते हैं जो एक अच्छा विकल्प भी हो सकता है।
- एमएससी बायोकैमिस्ट्री स्नातकोत्तर, जो अनुसंधान में शामिल होना चाहते हैं, उन्हें नेट / गेट परीक्षा उत्तीर्ण होनी चाहिए, क्योंकि अधिकांश सरकारी और निजी संस्थान इसे नौकरी चयन के लिए एक आवश्यक मानदंड के रूप में रखते हैं।
- जैव रसायन अनुसंधान क्षेत्र में एक समृद्ध कॅरियर के लिए पीएचडी डिग्री होना जरूरी है।
- कुछ विश्वविद्यालय चार साल का स्नातक पाठ्यक्रम प्रदान करते हैं जिसमें पहले से ही एक अनुसंधान प्लेसमेंट वर्ष शामिल होता है, जो आमतौर पर फार्मास्युटिकल या बायोटेक्निकल उद्योग या एक शोध संस्थान में किया जाता है।

बायोकैमिस्ट्री डिग्री से संबंधित नौकरियों में शामिल हैं :

- रिसर्च फैलो
- एनालिटिकल केमिस्ट
- जैव चिकित्सा वैज्ञानिक
- फार्मा एसोसिएट
- क्यूए / एसी एसोसिएट
- हेल्थकेयर वैज्ञानिक
- क्लीनिकल जैव रसायन
- खाद्य सुरक्षा विश्लेषक
- नैदानिक अनुसंधान सहयोगी
- फोरेंसिक वैज्ञानिक
- अनुसंधान वैज्ञानिक
- विष विज्ञानी
- व्याख्याता / प्रोफेसर

बायोकैमिस्ट्री में कॅरियर के अवसर लगभग असीमित हो सकते हैं :

सरकारी एजेंसियां, निजी शोध संस्थान, अस्पताल, सामाजिक और गैर-लाभकारी संगठन सभी को एक अच्छे बायोकेमिस्ट की तलाश रहती है। उनका एक सामान्य लक्ष्य है अनुसंधान करना, प्रयोग करना, परीक्षण करना और एड्स और कैंसर जैसी बीमारियों के इलाज का पता लगाना और यहां तक कि मानसिक विकारों के लिए भी।

आवश्यक स्किल्स

- आवश्यक डिग्री का स्तर स्थिति के आधार पर भिन्न होता है। कई सेटिंग्स के लिए बायोकैमिस्ट्री में स्नातक की डिग्री पर्याप्त है, जबकि उन्नत शोध कार्य के लिए डॉक्टरेट की डिग्री अनिवार्य होती है।
- बायोकैमिस्ट्री या संबंधित क्षेत्र में स्नातक डिग्री प्रोग्राम में छात्र आमतौर पर गणित, भौतिकी और कंप्यूटर विज्ञान के पाठ्यक्रमों के अलावा, जैविक और रासायनिक विज्ञान में पाठ्यक्रम लेते हैं।
- बायोकेमिस्ट के लिए गणित और कंप्यूटर विज्ञान के पाठ्यक्रम महत्वपूर्ण हैं, क्योंकि उन्हें जटिल डेटा विश्लेषण करने में सक्षम होना चाहिए।
- स्नातक होने के बाद कुछ कार्य अनुभव प्राप्त करके अवसरों में सुधार किया जा सकता है जैसे कि किसी कंपनी या शोध प्रयोगशाला में इंटर्नशिप।
- इच्छुक जैव रसायनज्ञों के लिए प्रयोगशाला अनुभव आवश्यक है; उन्नत शोध पदों के लिए पोस्टडॉक्टरल शोध कार्य की आवश्यकता हो सकती है।
- चिकित्सा, वैज्ञानिक, क्वेरी और स्प्रेडशीट सॉफ्टवेयर का ज्ञान मौलिक है।
- विभिन्न प्रकार के उपकरण जैसे गैस क्रोमैटोग्राफ और इलेक्ट्रॉन माइक्रोस्कोप का उपयोग सूक्ष्म जीवविज्ञानी द्वारा उचित रूप से किया जाना चाहिए।
- बायोकैमिस्ट्री व्यावसायिक रूप से एक मूल्यवान डिग्री है और यह महत्वपूर्ण उद्योगों की एक श्रृंखला में अच्छी तरह से भुगतान करने वाली नौकरियों के लिए काफी उपयोगी होती है। जैव रसायन के भीतर कार्य क्षेत्र विशाल है।

बायोकेमिस्ट्री फ्रेशर्स के लिए औसत वेतन इस प्रकार हैं:

- अनुसंधान संस्थानों में एंट्री लेवल का वेतन (नेट / गेट के बिना) : रुपये 15,000 – 20,000 / – प्रति माह
- अनुसंधान संस्थानों में प्रवेश स्तर का वेतन (नेट / गेट के साथ) रुपये 20,000 – 30,000 / – प्रति माह
- बायोफार्मा कंपनियों में प्रवेश स्तर का वेतन रु.18,000/– से रु. 25,000/– प्रति माह
- अनुसंधान संस्थानों में अनुभवी के लिए औसत वेतन (नेट / गेट के बिना) : रुपये 25,00/ – से 40,000/ – रुपये प्रति माह
- अनुसंधान संस्थानों में अनुभवी के लिए औसत वेतन (नेट / गेट के साथ) : रुपये 30,000/– से रुपये 60,000 /– प्रति माह
- बायोफार्मा कंपनियों में अनुभवी के लिए औसत वेतन 30,000/– से 80,000/– रुपये प्रति माह
- अनुभव के साथ आपका वेतन सामान्य रूप से बढ़ता ही जाता है। पीएचडी की डिग्री और एक अच्छे कौशल के साथ आप बायोकैमिस्ट्री में एक सफल करियर बना सकते हैं।

जर्मनी में करें पढ़ाई और स्कॉलरशिप भी पाएं

जर्मनी टेक्नोलॉजी में काफी आगे है और यहां का एजुकेशन सिस्टम भी कई देशों की तुलना में काफी बेहतर माना जाता है। ऐसे में तमाम भारतीय छात्र जर्मनी की ओर पढ़ाई का रूख करते ही हैं। वास्तव में उन्हें काफी सहूलियत भी मिलती है। चूंकि एजुकेशन डेस्टिनेशन के रूप में हाल-फिलहाल जर्मनी काफी पॉपुलर हो रहा है, और वहां क्वालिटी एजुकेशन भी बड़े पैमाने पर मिल रही है, इसलिए स्वाभाविक है कि वहां भारतीय छात्रों की संख्या भी लगातार बढ़ती जा रही है। एक अनुमान के मुताबिक प्रत्येक वर्ष 7 फीसदी से अधिक भारतीय छात्र वहां पढ़ने जा रहे हैं। आप कह सकते हैं कि जर्मनी में ऐसी क्या चीज है, जिसके कारण छात्र आकर्षित हो रहे हैं, तो इसका सबसे बड़ा कारण यह है कि वहां उचित शिक्षा की फीस बहुत कम है और न केवल शिक्षा की, बल्कि शिक्षा के बाद काम करने के लिए परमिट भी वहां आसानी से मिल जाता है। खास बात यह है कि अगर आप जर्मनी में शिक्षा लेना चाहते हैं, तो आप बेहतरीन स्कॉलरशिप भी पा सकते हैं। कुछ स्कॉलरशिप प्रोग्राम्स के बारे में.

एचडब्ल्यूके फैलोशिप

जैसा कि नाम से ही स्पष्ट है और यह एक प्रतिष्ठित स्कॉलरशिप मानी जाती है। अगर आप एक काबिल वैज्ञानिक हैं, तो फेलोशिप प्रोजेक्ट के बेसिस पर जर्मनी में स्टडी के लिए रेग्युलर फैलोशिप और जूनियर फैलोशिप 3 और 10 महीने के लिए प्रदान की जाती है। जाहिर तौर पर यह एक आकर्षक फैलोशिप है, जो ब्राइट स्टूडेंट्स के लिए काफी मददगार साबित होती है। यूं भी विज्ञान के प्रयोगों में काफी धन की आवश्यकता होती है और इसीलिए इस स्कॉलरशिप प्रोग्राम को काफी हाईलाइट किया जाता है।

मैनहीम यूनिवर्सिटी डॉचलैंड स्कॉलरशिप

इस स्कॉलरशिप का नाम तो आपने सुना ही होगा। अगर आप बेहतरीन मेरिट पाते हैं, तो ग्रेजुएशन या पोस्ट ग्रेजुएशन के लिए आप इस स्कॉलरशिप हेतु आवेदन कर सकते हैं। रू.24000 प्रत्येक महीने आपको स्कॉलरशिप के तौर पर दिए जाते हैं जो कि एक काफी आकर्षक स्कॉलरशिप मानी जा सकती है। विदेशों में अगर आपको इतनी रकम पढ़ाई के लिए मिलती है, वह भी प्रत्येक महीने तो वह आपकी शिक्षा में निश्चित तौर पर मददगार साबित होगी।

जीएसएलएस फेलोशिप, विर्जवर्ग यूनिवर्सिटी, जर्मनी

स्कॉलरशिप पीएचडी की पढ़ाई करने वालों के लिए है चाहे इस्ट्रीम जो भी हो अगर आप मास्टर डिग्री ले चुके हैं इस स्कॉलरशिप के लिए अप्लाई कर सकते हैं तकरीबन 6 महीने तक रू.63000 तक आपको मिल सकते हैं रू. 32000 प्रत्येक महीने चुने हुए हैं स्कॉलर के बच्चों के लिए खर्च दिए जाते हैं तो जाहिर तौर पर आप को लाभ पहुंचा सकता है

जीएसएलएस फैलोशिप

विर्जवर्ग यूनिवर्सिटी, 3 सालों के लिए पीएचडी फेलोज को यह स्कालरशिप देती है। खास बात यह है कि इसमें आपको लाइफ साइंस के किसी भी सब्जेक्ट में डिग्री लेनी होती है। इस फेलोशिप में प्रत्येक वर्ष 4 लाख रिसर्च से सम्बंधित खर्च, यात्रा आदि पर खर्च किए जाते हैं।

साइंस और इंजीनियरिंग में डीएएडी इंटर्नशिप

इंटर्नशिप में करंट में चल रहे रिसर्च और भिन्न परियोजनाओं के हिस्से के तौर पर डॉक्टोरल स्टूडेंट्स, प्रोफेसर या साइंटिस्ट के साथ काम करने का मौका इसमें मिलता है। गणित, विज्ञान या फिर इंजीनियरिंग के स्टूडेंट अंतिम वर्ष में या उससे पहले भी इंटरव्यू के लिए आवेदन कर सकते हैं। इसमें ट्रैवल एलाउंस के लिए आपको प्रत्येक महीने 50 हजार रू. तक मिल जाते हैं, जो कि पढ़ाई करने वाले स्टूडेंट के लिए सफिशिएंट माने जा सकते हैं।

आइंस्टाइन फैलोशिप जर्मनी

आइंस्टाइन फोरम टाइमर एंड डैमर ऐंड बेंज फाउंडेशन भारत के ह्यूमैनिटीज, सोशल साइंस अथवा नेचुरल साइंसेज के छात्रों को यह फेलोशिप प्रोवाइड करता है। महान वैज्ञानिक अल्बर्ट आइन्स्टीन के नाम पर शुरू की गयी इस फेलोशिप का मतलब बेहतर प्रतिभाओं को सामने लाना है।

बोहरिंगर इंगेलहिम फोंड्स पीएचडी फेलोशिप

भारत के बेहद जूनियर साइंटिस्ट इस स्कॉलरशिप का फायदा उठा सकते हैं। वे जर्मनी के हायर एजुकेशन इंस्टिट्यूट में पीएचडी कर सकते हैं। दाखिला लेने के बाद, स्कॉलरशिप के तहत साइंटिफिक रिसर्च और लाइव फील्ड एक्सपेरिमेंट के लिए इसमें फंड प्रोवाइड किया जा सकता है। आप यह जानकर हैरान रह जाएंगे कि मासिक भत्ते के रूप में तकरीबन 12 लाख रुपया दिया जाता है तो रू. 12000 रिसर्च एंड डेवलपमेंट भत्ता के तौर पर। इसके अलावा भी दूसरे भत्ते इसमें शामिल हैं।